राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित
वर्ष : 11
अंक : 312
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 24 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 एक करोड़ लोगों के जीवन को प्रभावित करते हुए, चेतना हीरोज को समाज में अच्छाई फैलाने में अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया
पेज 5 यूपी विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन अखिलेश की पार्टी का हाईवोल्टेज ड्रामा, कार्यवाही स्थगित
पेज 7 पीएम नरेंद्र मोदी ने बताया कैसे काम करेगा इंडो-पैसेफिक इकनॉमिक फ्रेमवर्क

ड्राइवर को झपकी लगी, आठ मजदूरों की मौत

पूर्णिया में ट्रक में पाइप पर सो रहे थे, पलटा तो उसी पाइप में दबे; 8 घायल

एजेंसी

बिहार। पूर्णिया में सड़क हादसे में 8 मजदूरों की मौत हो गई। 8 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसा सुबह साढ़े 3 बजे जलालगढ़ थाना क्षेत्र की सीमा में काली मंदिर के पास हुआ है। सभी मजदूर त्रिपुरा से ट्रक में बोरिंग के पाइप लेकर जम्मू कश्मीर जा रहे थे। सभी मजदूर राजस्थान और उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। मरने वालों में सभी राजस्थान के हैं।

सुबह-सुबह ट्रक अनियंत्रित होकर एनएच-57 पर पलट गया। हादसे के वक्त सभी मजदूर उसमें लदे लोहे के पाइप पर सो रहे थे। जैसे ही ट्रक पलटा 8 मजदूर उसी पाइप के नीचे दब गए।

जिसके उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि 12 मजदूर राजस्थान के उदयपुर और बाकी जिलों के थे। वहीं 2 मजदूर उत्तर प्रदेश के बताए जा रहे हैं। घायलों में 2 लोगों को पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है। 6 लोगों को चोट आई हैं। जिनका इलाज जारी है। ट्रक का नंबर आरजे-37 जीबी 4377 है। जो

बोरिंग के लिए लोहे के पाइप लोड कर अगरतल्ला से जम्मू कश्मीर जा रहा था।

मृतकों की पहचान राजस्थान के उदयपुर खैरवाड़ा गांव के ईश्वर लाल, वसु लाल, काबा राम, कांति लाला, हरीश, मनी लाला, दुष्मंत के रूप में हुई है। वहीं एक मृतक मजदूर की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

राजस्थान के उदयपुर के निवासी प्रकाश परमार ने बताया कि ट्रक त्रिपुरा के अगरतला से जम्मू कश्मीर बोरवेल के काम से पाइप लेकर जा रहा था। एनएच 57 पर ड्राइवर को झपकी आ गई, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गई। मेरी नींद खुली तो देखा अन्य मेरे पापा और चाचा समेत अन्य साथ पाइप के नीचे दबे थे। उनके पास गया तो पता चला कि दोनों की सांसे थम चुकी थीं। कुल 8 लोगों की लाशें पड़ी हुई थी। मैं सन्न रह गया।

दिल्ली को मिला नया उप राज्यपाल

खादी को ब्रांड बनाने वाले विनय कुमार सक्सेना एलजी बनाए गए

एजेंसी

नई दिल्ली। खादी को ब्रांड बनाने वाले विनय कुमार सक्सेना को दिल्ली का नया उप राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वे फिलहाल खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष हैं। सक्सेना अनिल बैजल की जगह लेंगे। बैजल ने 18 मई को ही अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेज दिया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है।

सक्सेना कॉर्पोरेट वर्ल्ड से आने वाले ऐसे पहले शख्स हैं जिन्हें एलजी बनाया

गया है। अमूमन दिल्ली में उपराज्यपाल के पद पर रिटायर्ड आईएएस और आईपीएस ही नियुक्त किए जाते रहे हैं। सक्सेना 27 अक्टूबर 2015 से खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कॉर्पोरेट से लेकर एनजीओ क्षेत्र में काम किया। इन्हें कॉर्पोरेट साइंटिस्ट के तौर पर भी जाना जाता है। सक्सेना का जन्म 23 मार्च 1958 को उत्तर प्रदेश में हुआ था। वे कानपुर विश्वविद्यालय के स्टूडेंट रह चुके हैं। इसके अलावा विनय कुमार पायलट भी हैं।

खादी को दिलाई अलग पहचान

विनय कुमार सक्सेना के कार्यकाल में खादी के कारोबार में 248 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। उन्होंने केवल 7 सालों में 40 लाख नए रोजगार दिए। सक्सेना के कार्यकाल के दौरान साल 2021-22 में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने 1.15 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया था। उन्होंने खादी को ब्रांड बनाने के लिए कई मार्केटिंग कैंपेन किए। रेमंड, अरविंद, एबीआरएफएल, निफ्ट, ग्लोबस आदि के साथ समझौता भी किया।

मनरेगा की तरह शुरू करेंगे शहरी रोजगार योजना : राहुल

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि मनरेगा से ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को रोजगार मिल रहा है और यदि उनकी पार्टी की सरकार बनती है तो पूरे देश में शहरी रोजगार गारंटी योजना शुरु की जाएगी।

गांधी ने सोमवार देर रात यहां जारी एक बयान में कहा कि राजस्थान सरकार ने शहरी क्षेत्रों में इंदिरा गांधी रोजगार गारंटी योजना शुरू की है और कांग्रेस सत्ता में आने पर पूरे देश में शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों के लिए 100 दिन की रोजगार गारंटी योजना लाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि देश में बेरोज़गारी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। गांव के साथ-साथ शहरों में भी बेरोज़गारी से तबाही मच चुकी है। 45 करोड़ से ज़्यादा लोग नौकरी पाने की उम्मीद ही छोड़ चुके हैं। कांग्रेस सरकार 2005 में 'मनरेगा' लायी थी जिसमे न्यूनतम 100 दिनों का गारंटी काम देकर गांव में बेरोज़गारी की समस्या पर काबू पाया गया। गांधी ने कहा, जिस तरह गांव में गरीबों को रोज़गार देने के लिए कांग्रेस पार्टी मनरेगा लायी थी, उसी तरह शहरों में बढ़ रही बेरोज़गारी दूर करने के लिए राजस्थान कांग्रेस सरकार 'इंदिरा गांधी शहरी रोज़गार गारंटी योजना' लायी है। इस योजना के अंतर्गत शहरों के ज़रूरतमंद परिवारों को मिलेगा 100 दिन का गारंटी रोज़गार। हम देश की जनता के अहम मुद्दों को उठाने और सुलझाने का काम करते रहेंगे। राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश में इस योजना को लागू किया जाना चाहिए।

दावोस में बोले सीरम इंस्टिट्यूट के चीफ अदार पूनावाला

नष्ट करनी पड़ेंगी कोरोना वैक्सीन की 20 करोड़ डोज

दावोस। भारत की सबसे बड़ी वैक्सीन बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा है कि उनकी कंपनी को कम से कम 20 करोड़ कोरोना वैक्सीन की डोज नष्ट करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि दुनियाभर के देशों को वैश्विक महामारी संधि का हिस्सान बनना चाहिए जिससे ऐसे संकटों का सामना मिलकर किया जा सके।

पूनावाला स्विटजरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। उन्होंने एक भारतीय टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कई बातें कहीं। उन्होंने कहा, हमें पता है कि महामारी के बीच क्या बुरा हुआ और क्या ठीक हुआ। पूनावाला ने कहा, हमें उम्मीद है कि कच्चे माल की उपलब्धता, वैक्सीन सर्टिफिकेट की मान्यता, क्लीनिकल ट्रायल और मैन्युफैक्चरिंग जैसी दिक्कतें अब नहीं आएंगी।

पूनावाला ने कहा कि ऐसी संधि

होनी चाहिए जिससे कि कच्चा माल आराम से सप्लाई हो सके, इसके अलावा बौद्धिक संपत्ति को भी एक दूसरे को साझा किया जा सके। वैक्सीन सर्टिफिकेट डिजिटल फॉर्म में एक दूसरे को भेजा जा सके। उन्होंने कहा, कोरोना वैक्सीन न केवल एक वेरिएंट बल्कि सभी वेरिएंट पर असरदायी साबित हो रही है। इसके अलावा यह लोगों को गंभीर होकर अस्पताल जाने से बचा रही है।

एसआईआई चीफ ने कहा कि मार्केट में सफल होने के लिए रिस्क लेना भी बहुत जरूरी है। अगर आप समय पर जरूरी काम नहीं करते हैं तो मार्केट किसी का इंतजार नहीं करती। ऐसे में जरूरी है कि आप टीम वर्क पर भरोसा करें और अपनी टीम पर भरोसा करें।

उन्होंने कहा, कंपनी इस साल के आखिरी तक सरवाइकल कैंसर की वैक्सीन लॉन्च करने की योजना बना रही है।

एक ऐसी भी वैक्सीन होगी जो एक साथ पांच बीमारियों के लिए काम करेगी जिसमें मलेरिया भी शामल है। उन्होंने कहा कि डेंगी की वैक्सीन का क्लीनिकल ट्रायल चल रहा है।

ज्ञानवापी पर कोर्ट में सुनवाई

मुस्लिम पक्ष बोला- केस सुनने लायक नहीं; हिंदू पक्ष की मांग- सर्वे रिपोर्ट कोर्ट में पढ़ी जाए, आदेश आज

वाराणसी। ज्ञानवापी विवाद पर सोमवार को पहली बार जिला जज की अदालत में लगभग एक घंटे तक सुनवाई हुई। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी यानी मुस्लिम पक्ष के वकील अभय नाथ यादव ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देकर मां श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी प्रकरण से संबंधित मुकदमे की पोषणीयता पर सुनवाई की मांग की। यानी कि यह पूरा मामला कोर्ट में सुनवाई के लायक है या नहीं...।

वहीं, हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने मुस्लिम पक्ष के प्रार्थना-पत्र के साथ ही कमीशन कार्यवाही की रिपोर्ट और वीडियोग्राफी-फोटोग्राफी कोर्ट में पढ़ने की मांग की। उन्होंने कहा कि अब रिपोर्ट कोर्ट की कार्रवाई का हिस्सा है। उस पर सभी पक्षों को आपत्ति दाखिल करने का अवसर मिलना चाहिए। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने दोनों पक्ष की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट कल यानी 24 मई को अपना आदेश सुनाएगी।

19 वकील और चार याचिकाकर्ता ही कोर्ट रूम में मौजूद रहे

दोनों पक्षों ने बारी-बारी से अपनी दलीलों को रखा। इस दौरान दोनों पक्षों के 19 वकील और चार याचिकाकर्ता ही कोर्ट रूम में मौजूद रहे हैं। इस दौरान एडवोकेट कमिश्नर रहे अजय मिश्रा को कोर्ट रूम में जाने से रोक दिया गया।

बताया जा रहा है कि लिस्ट में नाम

नहीं होने की वजह से उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया। बाहर बड़ी संख्या में पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे।

विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत ने दाखिल की याचिका

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत डॉ. कुलपति तिवारी सोमवार को जिला जज की अदालत में याचिका दाखिल करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग के स्नान, भोग-राग, श्रृंगार और पूजापाठ का अधिकार उन्हें दिया जाए। उन्होंने कहा कि हम न्यायिक तरीके से अपने भगवान विश्वेश्वर की पूजा का अधिकार मांगने आए हैं। डॉ. कुलपति के प्रार्थना पत्र पर फिलहाल अदालत ने आदेश नहीं सुनाया है।

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 लागू नहीं होता : हिंदू पक्ष के वकील

हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट-1991 लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा कि 1937 में दीन मोहम्मद के केस में 15 लोगों ने इस बात की गवाही दी थी कि वहां पूजा होती थी जो 1942 तक हुई। इसलिए वह एक्ट ज्ञानवापी प्रकरण में प्रभावी नहीं होगा। यही तथ्य हमने अदालत के सामने रखा है।

हिंदू सेना और भाजपा नेता भी आए आगे

ज्ञानवापी मामले को लेकर वाराणसी की कोर्ट में हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता याचिका दाखिल करेंगे। विष्णु गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट में भी ज्ञानवापी मामले में खुद को वादी बनाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था।

उधर, ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका सोमवार को दायर हुई है। इसे BJP नेता और एडवोकेट अश्वनी उपाध्याय ने दाखिल किया है। उन्होंने मस्जिद कमेटी की अर्जी खारिज करने की मांग की है। कहा है कि मंदिर तोड़कर बनाई गई मस्जिद वैध नहीं होती, ऐसा इस्लामिक सिद्धांत है।

सरपंच की हत्या में शामिल तीन हाइब्रिड आतंकी दबोचे, चीनी पिस्तौल बरामद

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बारामूला जिले में एक सरपंच की हत्या में शामिल पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को कहा कि गिरफ्तार किये गये आतंकवादी बारामूला जिले में पिछले महीने एक सरपंच की हत्या की साजिश तथा हत्या में कथित रूप से शामिल थे। बता दें कि आतंकियों ने 15 अप्रैल को निर्दलीय सरपंच मनूर अहमद की गोशबुग पट्टन के एक बाग में गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने कहा कि उन्होंने हत्या के मामले को सुलझा लिया है और तीन 'हाइब्रिड' आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने तीनों की

पहचान नूर मोहम्मद यातू, मोहम्मद रफीक पर्रे और आशिक हुसैन पर्रे के रूप में की है, जो पाटन के घोषबाग निवासी हैं। बारामूला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रईस मोहम्मद भट ने कहा कि आतंकवादियों से पूछताछ से पता चला है कि उनकी योजना लश्कर के कमांडर यूसुफ कांटू और हिलाल शेख द्वारा तैयार की गई थी, ये दोनों 21 एवं 22 मई को मालवाह मुठभेड़ में मारे गए थे। उन्होंने कहा कि हत्या को दो लोगों द्वारा अंजाम दिया गया था। एक की पहचान हाल ही में घुसपैठ करने वाले आतंकवादी गुलज़ार गनी के रूप में हुई है। गुलजार हाल ही में बांदीपोरा में एक मुठभेड़ में मारा गया था, जबकि दूसरा वुसन निवासी उमर लोन अभी भी फरार है।

पूछताछ से कुछ और मामलों में मिल सकती है सफलता

पुलिस ने कहा है कि बारामूला पुलिस और सेना की 29 राष्ट्रीय राइफल्स की संयुक्त टीम ने तीनों संदिग्धों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि गोशबुग में एक विशेष मॉड्यूल को पीआरआई (पंचायत प्रतिनिधि संस्थानों) और अन्य नागरिकों तथा सॉफ्ट टारगेट की पहचान करने एवं उन पर हमला करने का काम सौंपा गया था। इसके लिए लश्कर के पुराने स्लीपर सेल द्वारा पकड़े गए हाइब्रिड आतंकवादियों को पिस्तौल और गोला-बारूद प्रदान किया गया था। उन्होंने कहा, पकड़े गए आतंकवादियों से पूछताछ से भविष्य में आतंकवाद निरोधी अभियानों के लिए और जानकारी मिलने की संभावना है।

आतंकवादियों से मिलीं चीनी पिस्तौल, ग्रेनेड भी बरामद

पकड़े गए आतंकवादियों के पास से तीन चीनी पिस्तौल, तीन मैगजीन, दो ग्रेनेड और एक पिस्टल की गोली बरामद की गई है। उन्होंने कहा, तीनों आतंकवादियों की गिरफ्तारी तथा हथियारों एवं गोला-बारूद की बरामदगी ने बारामूला में एक और सनसनीखेज मामला सुलझाया है और भविष्य में योजनाबद्ध बड़े आतंकी साजिशों को नाकाम कर दिया है।

पंजाब में रेल पटरियां उड़ाने की साजिश कर रहा पाकिस्तान, अलर्ट जारी- रिपोर्ट

नई दिल्ली। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विस इंटेलीजेंस की तरफ से भारत के खिलाफ नई साजिश रचने के संकेत मिले हैं। खबर है कि ISI पंजाब और आसपास के राज्य में रेल नेटवर्क को निशाना बनाने की साजिश की है। हाल ही में पंजाब के मोहाली में पुलिस कार्यालय में रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड हमला हुआ था। हालांकि, उस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ था, लेकिन इमारत को नुकसान हुआ था। एजेंसी के अनुसार, इंटेलीजेंस एजेंसियों ने पाकिस्तान की ISI के संबंध में अलर्ट जारी किया है। खबर है कि पाकिस्तान पंजाब और आसपास के राज्यों में रेलवे की पटरियों को निशाना बनाने की बड़ी साजिश रच रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसियों का कहना है कि मालगाड़ियों को निशाना बनाने के लिए पटरियों को उड़ाने का प्लान तैयार कर रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश के कारण पारे में गिरावट

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और इसके आस पास के क्षेत्रों में सोमवार सुबह गरज-चमक के साथ बारिश हुई, जिसके कारण तापमान में 11 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गयी।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार सोमवार सुबह 5ः40 से लेकर सुबह सात बजे तक राष्ट्रीय राजधानी के तापमान में 11 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गयी। यहां इस दौरान 29 डिग्री से कम होकर तापमान 18 डिग्री सेल्सियस हो गया। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के कई हिस्सों और आसपास के इलाकों में तेज हवाओं के साथ हुई भारी बारिश के कारण बिजली गुल हो गयी तथा शहर के कई हिस्सों में सड़क पर पानी जमने के कारण यातायात प्रभावित रहा।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर भी मौसम के बदले मिजाज ने उड़ान संचालनों को प्रभावित किया।

मौसम विभाग ने पूरी दिल्ली और एनसीआर (लोनी देहात, हिंडन वायु सेना स्टेशन, बहादुरगढ़, गाजियाबाद, इंदिरापुरम, छपरौला, नोएडा, दादरी, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम) के आसपास के इलाकों में तेज हवाओं के चलने का अनुमान जताया था। विभाग ने हिमाचल प्रदेश और पंजाब के विभिन्न हिस्सों में सोमवार को ओला-वृष्टि के आसार जताये हैं।

विभाग ने कहा कि हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली में सोमवार को बारिश हुई तथा विभाग ने जम्मू-कश्मीर और उत्तरी पंजाब के विभिन्न हिस्सों में 23 मई को भारी बारिश की अनुमान व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार सुबह साढ़े पांच बजे शहर का न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 23.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ये कैसा भाईचारा

बोले- कट्टरपंथियों के लिए मेरा जवाब है

कर्नाटक के कांग्रेस विधायक ने दलित संत के मुंह से खाना निकालकर खाया

कर्नाटक। कर्नाटक के कांग्रेस विधायक जमीर अहमद खान का भाईचारे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें विधायक दलित समाज के संत के मुंह से खाना निकाल कर खा रहे हैं। ये वीडियो रविवार का है, जब विधायक बेंगलुरु के चामराजपेट में अंबेडकर जयंती और ईद मिलन समारोह में शामिल हुए थे।

कट्टरपंथियों को जवाब देने के लिए खाया जूठा

कांग्रेस विधायक ने कट्टरपंथियों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग समाजों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, ये उनके लिए है। साथ ही कट्टरपंथियों को फटकार लगाते हुए कहा कि दलित समुदाय और मुस्लिम समुदाय के लोगों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।

पहले संत को खिलाई मिठाई फिर मुंह से निकालकर खुद खाई

कट्टरपंथियों कि बात कहकर विधायक ने मंच पर उनके पास खड़े दलित संत को पहले अपने हाथ से मिठाई खिलाई। इसके बाद दलित संत ने भी उन्हें मिठाई खिलाने कि लिए थाली कि तरफ हाथ बढ़ाया, लेकिन विधायक ने संत का हाथ पकड़ कर उनसे कहा कि वह उन्हें उनके मुंह से निकालकर जूठा खिलाएं।

कुछ ने बजाई तालियां, कुछ ने उड़ाया मजाक

विधायक को जूठा खाकर देख वहां मौजूद सभी लोगों ने तालियां बजाकर उनकी तारीफ की। वहीं वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कुछ लोग ऐसे भी थे जिन्होंने वीडियो को देखकर कांग्रेस विधायक का मजाक उड़ाया। वहीं दूसरी ओर विधायक के इस कदम की लोगों ने सराहना की और इसे भाईचारे की मिसाल बताया है।

शार्ट न्यूज

सड़क दुर्घटना में एक पुलिसकर्मी की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सोमवार तड़के शादीपोरा पाईन के पास अज्ञात तेल टैंकर की चपेट में आने से एक पुलिसकर्मी की मौत हो गयी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक पुलिसकर्मी की पहचान फरहाद अली वानी के रूप में हुई। पुलिस कर्मी दुर्घटना का शिकार उस वक्त हुए, जब वह आज तड़के मस्जिद की ओर जा रहे थे, उसी दौरान जिले के शादीपोरा पाईन में एक अज्ञात तेल टैंकर की टक्कर की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसके बाद उन्हें शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बेमिना श्रीनगर में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़ित की चार दिन पहले ही शादी हुई थी। वह बांदीपोरा पुलिस लाइन में तैनात थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चंपावत उपचुनाव : भारत-नेपाल सीमा 72 घंटे पहले बंद करने का लिया निर्णय

नैनीताल। उत्तराखंड में चंपावत विधानसभा उप चुनाव के मद्देनजर हुए भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा को सुरक्षा के लिहाज से 72 घंटे पहले बंद करने का निर्णय लिया गया है। दोनों देशों के बीच 28 मई शाम पांच बजे से 31 मई तक आवाजाही बंद रहेगी। भारत और नेपाल के अधिकारियों के बीच सोमवार को हुई वर्चुअली बैठक में यह निर्णय लिया गया है। चंपावत के जिलाधिकारी नरेन्द्र सिंह भंडारी के अनुरोध पर बुलायी गयी बैठक में 31 मई को होने वाले चंपावत उपचुनाव का हवाला देते हुए अंतर्राष्ट्रीय सीमा को 28 मई शाम पांच बजे से बंद करने का अनुरोध किया गया। नेपाल के कंचनपुर के जिलाधिकारी रामप्रसाद पांडेय की ओर इस पर पूर्ण सहमति दी गयी और अंतर्राष्ट्रीय सीमा को बंद करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने हाल ही में नेपाल में संपन्न हुए चुनाव के लिये भारत की ओर से दिये गये सहयोग के लिये आभार व्यक्त भी किया। बैठक में चंपावत और उधमसिंह नगर के अधिकारियों के साथ ही पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा, अपर जिलाधिकारी हेमंत कुमार वर्मा, एसएसबी के अधिकारी व नेपाल के कंचनपुर के पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह और अन्य लोग मौजमद रहे।

मोदी 26 मई को आईएसबी के समारोह में लेंगे भाग

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 मई को यहां इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) की 20वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल होंगे। आईएसबी के डीन मदन पिल्लुतला ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी 2022 के स्नातकोत्तर कार्यक्रम कक्षा के स्नातक समारोह में भी शामिल होंगे और इस अवसर पर आईएसबी के हैदराबाद (तेलंगाना) और मोहाली (पंजाब) परिसरों के छात्रों को संबोधित करेंगे। यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री एक पौधा रोपेंगे, एक स्मारक पट्टिका का अनावरण करेंगे और आईएसबी माइस्टाम्प एवं विशेष कवर का विमोचन करेंगे। डीन ने कहा कि वह अकादमिक विद्वानों को उत्कृष्टता मेडल भी पदक प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि आज की एफटी (फाइनेंशियल टाइम्स) रैंकिंग में, आईएसबी कार्यकारी शिक्षा विश्व स्तर पर 38वें स्थान पर है जो भारत को उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान तथा शिक्षा के लिए वैश्विक मानचित्र पर रखने के हमारे संकल्प को और मजबूत करता है। पिल्लुतला ने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले इस रैंकिंग को और भी अधिक महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हम पीएमओ से प्राप्त प्रोटोकॉल के अनुसार कार्यक्रम के लिए गणमान्य लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। आगामी 26 मई को श्री मोदी की यात्रा तीन महीने की अवधि में राज्य की दूसरी यात्रा होगी।

पिथौरागढ़ में सड़क दुर्घटना में एसएसबी के दो जवानों की मौत

नैनीताल। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में कार के गहरी खाई में गिरने से सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) के दो जवानों की मौत हो गयी है। पिथौरागढ़ पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रविवार रात को थल-डीडीहाट मार्ग पर लालघाटी के पास एक कार दुर्घटनाग्रस्त होकर गहरी खाई में जा गिरी। कार में एसएसबी के दो जवान सहायक उप निरीक्षक मनोज कुमार पंत निवासी भारीगांव, बेरीनाग, पिथौरागढ़ और वीर सिंह निवासी गुजरावाली, सिद्धिविनायक कालोनी, रायपुर, देहरादून सवार थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही डीडीहाट थाना की पुलिस और डीडीहाट में तैनात एसएसबी के जवान मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। बमुश्किल जवानों के शव को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई जारी है । पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया है।

कांग्रेसी नेता ने खाया दलित का झूठा

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने जातिगत भेदभाव की निंदा करने के लिए एक दलित साधु को अपने हाथ से खाना खिलाया फिर उसका चबाया हुआ खाना खुद खाया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में श्री खान साधु स्वामी नारायण को खाना खिला रहे हैं और उनके द्वारा चबाए हुए खाने को बाहर निकालने के लिए कह रहे हैं, विधायक की बात को मानते हुए स्वामी ने न चाहते हुए उसी खाने को विधायक को खिलाया। उल्लेखनीय है कि शहर में रविवार को हुई एक कार्यक्रम के दौरान यह घटना घटी। हाल ही में श्री खान पिछले माह हुए हुबली हिंसा मामले में गिरफ्तार हुए लोगों को खाना बांटने के बाद विवाद में आये थे। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनपर हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इस आरोप को नकार दिया कि जब यह घटना हुई थी तब वह मक्का के यात्रा पर गए थे। खान उस समय भी विवादों में आ गए थे, जब कर्नाटक उच्च न्यायालय में हिजाब विवाद पर सुनवाई चल रही थी। उस दौरान उन्होंने कहा था कि हिजाब महिलाओं की सुंदरता को यौन उत्पीड़न करने वलों से बचाता है। उन्होंने दावा किया था कि लड़कियों के बड़े होने के बाद हिजाब उनको पर्दे के पीछे रखने में मदद करता है, जिससे उनकी सुंदरता नहीं दिखती है। हिजाब उनकी आकर्षण को छिपाकर रखता है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय परिसर में नमाज का वीडियो अपलोड करने वाले चैनल के खिलाफ मामला दर्ज

बैंगलूरु । कर्नाटक उच्च न्यायालय परिसर के एक कार्यालय में दो महिलाओं को नमाज पढ़ते दिखाने का वीडियो अपलोड करने पर एक इंटरनेट चैनल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। विधान सौधा पुलिस थाने में समवदा चैनल पर वीडियों के जरिए नफरत फैलने को लेकर मामला दर्ज किया गया है। एक मिनट 48 सेंकेड के इस वीडियों को गत 14 मई को अपलोड किया गया था। जिसमे कन्नड में कैप्शन के साथ कर्नाटक उच्च न्यायालय में नमाज लिखा गया था। शिकायतकर्ता एन जी पाटिल ने कहा कि न्यायालय के इजाजत के बिना परिसर घुसना और वीडियो बनाना प्रतिबंधित है तथा इस वीडियों के फुटेज में दो समुदायों के बीच नफरत की भावना है। उन्होंने कहा कि हम फिल्म बनाने तथा वीडियो अपलोड करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते है।

नगर परिषद भिवानी के निवर्तमान उपप्रधान का आत्मसमर्पण

भिवानी। हरियाणा के भिवानी में फर्जी कर रसीद और जमीन घोटाले में आरोपी भिवानी नगर परिषद के निवर्तमान उपप्रधान मामनचंद ने आज यहां न्यायाधीश ऋतु की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस मामनचंद की गिरफ्तारी के लिए कई दिनों से दबिश दे रही थी। आत्मसमर्पण के बाद पुलिस उन्हें मेडिकल जांच के लिए सिविल अस्पताल ले गई। इससे पहले अदालत ने इस घोटाले में मामनचंद की अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी। पुलिस ने सामाजिक कार्यकर्ता सुशील वर्मा की शिकायत पर फर्जी कर रसीद काटकर करोड़ों की राशि गबन करने पर नगर परिषद के प्रधान रणसिंह यादव और उप प्रधान मामनचंद, कैशियर समेत अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था।

अमरनाथ यात्रा : ऑनलाइन हेलीकॉप्टर टिकट बुकिंग पर केंद्र और श्राइन बोर्ड को दिल्ली हाईकोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। अमरनाथ तीर्थ यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा के सभी टिकट सिर्फ ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराने की मांग पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने इस मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर विचार करते हुए यह आदेश दिया है।

जस्टिस विपिन सांघी और जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने केंद्र सरकार के अलावा अमरनाथ श्राइन बोर्ड व अन्य संबंधित पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मंगा है। बेंच ने सभी पक्षकारों को अगली सुनवाई 31 मई से पहले हलफनामा दाखिल कर जवाब देने को कहा है।

बेंच ने गैर सरकारी संगठन 'इंडियन काउंसिल ऑफ लीगल एड एंड एडवाइस' की ओर से दाखिल याचिका पर यह आदेश दिया है।

याचिका में जम्मू/श्रीनगर से अमरनाथ तीर्थ यात्रा के हेलीकॉप्टर सेवा के सभी टिकट केवल ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराने का निर्देश देने की मांग की गई है।

इसके साथ ही याचिका में अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू और श्रीनगर (जो मुख्य रूप से वृद्ध, बीमार और विकलांग तीर्थयात्रियों के लिए है) से हेलीकॉप्टर सेवाओं के लिए सभी टिकटों की बुकिंग और बिक्री कथित तौर पर जमाखोरी और कालाबाजारी करने का आरोप है।

मामले की सुनवाई के दौरान अमरनाथ श्राइन बोर्ड की ओर से पेश हुए वकील ने बेंच को बताया कि मौजूदा समय में सभी सेवाएं उसकी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, लेकिन कुछ तकनीकी खराबी के कारण यह काम नहीं कर रहा है। बेंच को बताया गया कि जल्द ही यह वेबसाइट काम करना शुरू कर देगी।

याचिकाकर्ता संगठन की ओर से कहा गया कि यह केंद्र की प्राथमिकता है कि अमरनाथ यात्रा के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों को परेशानी मुक्त दर्शन हों और किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े।

संगठन की ओर से पेश हुए वकील अवध कौशिक ने बेंच को बताया कि यह आश्चर्य की बात है कि स्थानीय लोगों की मिलीभगत से अधिकृत एजेंटों द्वारा टिकटों की कालाबाजारी हो रही है। इसकी वजह से वृद्ध, बीमार और दिव्यांग तीर्थयात्रियों द्वारा अमरनाथ यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर टिकट नहीं मिल पाता है।

दिल्ली में भारी बारिश और तूफान से तबाही, कई इलाकों में घर गिरने से 8 लोग घायल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में सोमवार सुबह हुई मूसलाधार भारी बारिश और आंधी के बाद अलग-अलग जगहों पर मकान ढह जाने से आठ लोग घायल हो गए। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के ज्वलपुरी, गोकलपुरी, शंकर रोड और मोती नगर इलाकों में मकान ढह गए।

जानकारी के अनुसार, सोमवार की सुबह दिल्लीवासियों की नींद आंधी और बारिश के बीच खुली, जिसने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दिलाई है। आंधी बारिश के चलते राजधानी के कुछ हिस्सों में पेड़ उखड़ गए और आईटीओ, डीएनडी और एम्स के पास विभिन्न हिस्सों में ट्रैफिक जाम की सूचना मिली। मौसम विभाग ने कहा कि यह इस मौसम का पहला मध्यम-तीव्रता वाला तूफान था।

दमकल विभाग के अनुसार, पश्चिमी दिल्ली के ज्वालापुरी में एक घर गिरने से तीन लोगों को मामूली चोटें आईं। तीनों का इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि ज्वालापुरी में तड़के 5.51 बजे एक मकान गिरने की सूचना मिली थी। इसके बाद तुरंत दमकल की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इसी तरह, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी में भी एक और घर गिरने की सूचना मिली, जिसके बाद दो दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली दमकल सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि इसके बाद पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर इलाके में सुबह करीब छह बजकर 36 मिनट पर एक मकान ढहने की एक और कॉल आई, जहां दो बचाव वाहनों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। उन्होंने कहा कि यहां तीन लोगों को चोटें आईं और उन्हें आचार्य भिक्षु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मध्य दिल्ली के शंकर रोड इलाके से सुबह 6:28 बजे एक और घर ढहने की सूचना मिली और बचाव वाहनों सहित दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। गर्ग ने कहा कि यहां दो लोगों को मामूली चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि सभी घायलों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी।

पुलिस के अनुसार, तूफान के बाद उखड़े पेड़ों से संबंधित 62 पीसीआर कॉल आए। आंधी के दौरान पेड़ उखड़ने से सड़क किनारे खड़े आठ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने कहा कि इनमें कोई हताहत या घायल नहीं हुआ।

तेज आंधी और गरज के बारिश के कारण सोमवार को तापमान में भारी गिरावट आई। सुबह 5.40 से 7 बजे के बीच तापमान 11 डिग्री गिरकर 29 डिग्री सेल्सियस से 18 डिग्री सेल्सियस हो गया। सुबह 8.30 बजे न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 17.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सुबह 8.30 बजे तक 12 मिमी बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के मुताबिक, यह इस मौसम की पहली मध्यम-तीव्रता वाली आंधी थी। गर्मी की शुरुआत एक मार्च से मानी जाती है। मौसम विभाग ने कहा कि आमतौर पर मार्च और मई के बीच 12 से 14 दिनों तक गरज के साथ बारिश होती है, लेकिन इस मौसम में केवल चार से पांच बार गरज के साथ बारिश हुई और वह भी ज्यादातर शुष्क रही। दिल्ली में रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 39.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 23.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आपसी सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने की अपील की शिवराज ने

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश में हाल ही में कुछ स्थानों पर हिंसक और पथराव की घटनाओं के बीच आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी से आपसी सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि हमें समाज को तोड़ने वालों के प्रयास विफल करने होंगे।

चौहान ने सुबह लगभग साढ़े छह बजे राजगढ़ और बड़वानी जिलों के अधिकारियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था और विकास योजनाओं के संबंध में जानकारी हासिल करने के साथ ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

चौहान ने इस दौरान कहा कि हमें समाज को तोड़ने वालों और समुदायों के बीच खाई उत्पन्न करने वालों के प्रयासों को विफल करना है। सभी धर्मों और जातियों के लोग हमारे भाई हैं।

इनमें किसी प्रकार का भेद नहीं है। कुछ असामाजिक तत्व हैं, जो भ्रम फैलाकर समाज को बाँटते हैं। इन्हें पहचानने और इनसे सतर्क रहने की आवश्यकता है। इनके बहकावे में किसी को नहीं आने देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दलित और गैरदलित की बात क्यों हो। दलित भी अपने भाई हैं और गैरदलित भी अपने ही हैं।

उन्होंने बैठक में शामिल प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर मुखातिब होते हुए कहा, देखो अपन तो आएंगे और जाएंगे, लेकिन समाज तो यहीं रहने वाला है। पर इसमें अगर खाई पैदा हो गई, तो वह समाज के लिए घातक है।

उन्होंने कहा कि उनका केवल इतना कहना है कि एक सोशल अभियान चलना चाहिए और गांव गांव में, जहां ऐसी चीजें होती हैं, बैठकें हो जाना चाहिए, ताकि इस तरह का माहौल न बने। उकसाने वाली भी चीजें नहीं होनी चाहिए।

प्रशासन और जनप्रतिनिधि आपसी सद्भाव बनाने दोनों पक्षों के साथ बैठकें करें और समझाएं। अगर थोड़ी सी बातचीत हो जाएगी, लोग समझ जाएंगे, तो इस तरह की घटनाएं बंद हो जाएंगी।

चौहान ने बैठक में गर्मी के मद्देनजर जल इत्यादि की व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं के बारे में भी उन्होंने प्रगति के बारे में पूछा और दिशानिर्देश दिए।

अलवर जिले में पानी की मांग को लेकर महिलाओं ने किया मटका फोड़ प्रदर्शन

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के थानागाजी नगरपालिका के वार्ड संख्या दस में महिलाओं ने आज पानी की मांग को लेकर मटका फोड़ प्रदर्शन किया। इस मौके पर महिलाओं ने अपने हाथों में खाली मटकिया लेकर नगरपालिका कार्यालय पहुंची और वहां प्रदर्शन किया और करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन में मटका फोड़ प्रदर्शन किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष चौथमल सैनी जब कार्यालय पहुंचे तो प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने उनका घेराव किया। इसके बाद श्री सैनी ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता कमल सिंह को बुलाया और पानी की समस्या के लिए अवगत करवाकर समाधान का आश्वासन दिया। श्री सिंह ने कहा कि उनके क्षेत्र में अतिरिक्त पानी के टैंकर चला कर आमजन को पानी की राहत दिलवाई जाएगी। थानागाजी नगरपालिका क्षेत्र में गत 10 सालों से गिरते भूजल स्तर के चलते आमजन परेशान हैं थानागाजी के अंदर पानी की समस्या विकराल रूप ले रही है। जलदाय विभाग के द्वारा गर्मियों के दिनों में टैंकर चला कर के पानी की आपूर्ति कराई जा रही है।

मुस्लिमों को भड़काकर गुजरात जैसा हाल करना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली। ज्ञानवापी विवाद के बीच देश में कई जगहों पर मस्जिद या दरगाह में मंदिर के निशान होने के दावे किए जा रहे हैं। ज्ञानवापी परिसर में किए गए सर्वे की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि मस्जिद के अंदर हिंदू धर्म से संबंधित काफी निशान पाए गए हैं। अब इस मामले में महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि ऐसा करके केवल मुसलमानों को भड़काया जा रहा है और उन्हें रिएक्ट करने पर मजबूर किया जा रहा है ताकि गुजरात और यूपी जैसी घटना को दोहराया जा सके।

उन्होंने कहा, अंग्रेज हिंदुओं को मुसलमानों के खिलाफ भड़काते थे। आज भाजपा भी वही काम कर रही है। प्रधानमंत्री यह सब शांति से देख रहे हैं। उनकी पार्टी को लगता है कि वे सब बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। दरअसल देश को गुजरात मॉडल, यूपी मॉडल, असम या मध्य प्रदेश मॉडल बनाने की होड़ लगी हुई है। आप जो चाहें इसे कह लें। सभी मुख्यमंत्री एक दूसरे के साथ इस बात की होड़ लगा रहे हैं कि कौन मुसलमानों को ज्यादा परेशान कर सकता है।

महबूबा मुफ्ती ने आगे कहा, मुसलमानों को परेशान करने और मुख्यमंत्रियों के आगे निकलने की होड़ में ही मंदिर और मस्जिद का मुद्दा उठाया जा रहा है। बता दें कि आज वाराणसी की जिला अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी दलीलें रखीं। इसके बाद सुनवाई कल तक के लिए टाल दी गई है।

बता दें कि एक दिन पहले ही महबूबा मुफ्ती ने भाजपा से गठबंधन के सवाल पर कहा था कि मोदी, मोदी हैं। इसीलिए गठबंधन करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि यह एक जिन्न की तरह है जिसे बोतल में डालना था। बता दें कि महबूबा मुफ्ती अब भी भाजपा के साथ गठबंधन को लेकर आलोचनाएं झेलती हैं। जब भी वह भाजपा के विरोध में बोलती हैं तो गठबंधन में सरकार बनाने की बात सामने आ जाती है।

अमरनाथ यात्रा : लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन ने दी धमकी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में होने जा रही अमरनाथ यात्रा को लेकर आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से कथित रूप से जुडे संगठन ने धमकी देते हुए कहा है कि तीर्थयात्रियों की पंजीकरण संख्या में भारी वृद्धि 'केवल कश्मीर की स्थिति की संवेदनशीलता को भड़काने के लिए' हुई है।

एक कथित बयान में लश्कर से जुड़े तथाकथित रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने कहा है कि वह तीर्थयात्रा करने के लिए कश्मीर में आने वाले लोगों को 'लक्षित' करेगा और कश्मीर में स्थिति को 'बाधित' करेगा।

कोविड-19 महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद आयोजित की जा रही 43 दिवसीय अमरनाथ यात्रा 30 जून से शुरू होगी। सरकार को उम्मीद है कि इस साल तीर्थयात्रा काफी बड़ी होगी क्योंकि सालाना यात्रा में छह से आठ लाख तीर्थयात्रियों के शामिल होने की उम्मीद है।

टीआरएफ पोस्टर, जिसकी प्रामाणिकता को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सका है, में आरोप लगाया गया है कि सरकार अपनी 'गंदी राजनीति' के लिए अमरनाथ यात्रा का उपयोग कर रही है।

टीआरएफ ने कहा, यात्रा में 15,000 से आठ लाख तीर्थयात्रियों का पंजीकरण और 15 दिन से 80 दिनों तक कश्मीर की स्थिति की संवेदनशीलता को भड़काने के लिए है। हमारे संज्ञान में आया है कि यह फासीवादी शासन अमरनाथ यात्रा के नाम पर आरएसएस संघियों को घाटी में सिर्फ यात्रा के दौरान गड़बड़ी करने के लिए भेज रहा है।

संगठन ने दावा किया कि टीआरएफ किसी धार्मिक मामले के खिलाफ नहीं है, लेकिन जब इस तरह की धार्मिक संस्थाओं का इस्तेमाल कश्मीर 'संघर्ष' के खिलाफ किया जाता है तो ऐसे मामले हमारी चिंता का कारण बन जाते हैं और हम इन्हें अपने हाथों में लेते हैं।

बयान में कहा गया,यदि इस यात्रा का इस्तेमाल किसी तरह के राजनीतिक और जनसांख्यिकीय लाभ के लिए किया जाता है तो वे ऐसी योजनाओं में बाधा डालने की पूरी कोशिश करेंगे। समूह ने कहा कि तीर्थयात्री तब तक सुरक्षित रहेंगे जब तक कि वे 'कश्मीर मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं करते' या 'संघी गुंडों को आश्रय' नहीं देते।

पोस्टर में कहा गया है,हम खुले तौर पर किसी भी ऐसे कठपुतली को निशाना बनाएंगे जो फासीवादी संघी शासन का मोहरा बन जाता है । ऐसी कठपुतली और मोहरे का खून जम्मू से लेकर कश्मीर तक हर जगह फैल जाएगा।

शिवराज से थिंक गैस के प्रतिनिधियों ने की भेंट

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से आज थिंक गैस के प्रेसीडेंट मनमोहन आहूजा, भरत सक्सेना, वाइस प्रेसीडेंट महेश्वरन तथा डी.एस. दुर्गेश ने भेंट की। आधिकारिक जानकारी के अनुसार थिंक गैस, भोपाल और राजगढ़ जिले में 500 एकड़ भूमि पर ग्रीन एनर्जी पार्क विकसित करेगी। इसमें 15 टन प्रतिदिन क्षमता का बायोगैस प्लांट, ऑर्गेनिक खाद, 20 मेट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता का कार्बन-डाई-ऑक्साइड केप्चर प्लांट और 10 मेगावाट क्षमता का केप्टिव सोलर पॉवर प्लांट स्थापित किया जाएगा। थिंक गैस की प्रदेश में 250 करोड़ रूपए के निवेश की योजना है।

इन गतिविधियों से प्रदेश में लगभग 200 व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। पर्यावरण के लिए समर्पित थिंक गैस वर्ष 2018 से स्वच्छ ईंधन के क्षेत्र में कार्यरत है, जो देश के 5 राज्यों में घरेलू, व्यवसायिक, औद्योगिक और आटोमोटिव क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करती हैसस।

मृत किसानों के परिवारों को दिल्ली सरकार भी दे मुआवजा : पंजाब लोक कांग्रेस

चंडीगढ़ ।तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर करीब एक साल चले किसान आंदोलन में मारे गये किसानों के परिवारों को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की तरफ से सहायता राशि दिये जाते समय दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उपस्थिति पर सवाल उठाते हुए पंजाब लोक कांग्रेस ने कहा कि दिल्ली सरकार को भी मुआवजा देना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी के ट्विटर हैंडर पर एक ट्वीट श्रंखला में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की उपस्थिति को विडंबनात्मक और केजरीवाल के लिए एक और तस्वीर खिंचवाने का बहाना करार दिया। पार्टी के प्रवक्ता प्रीतपाल बालीवाल के अनुसार कैप्टन अमरिंदर सिंह के मुख्यमंत्री रहते पंजाब सरकार ने आंदोलन में मारे गये किसानों के परिवारों को पांच लाख रुपये का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कृषि कानूनों (केंद्र ने एक साल चले किसान आंदोलन के बाद कृषि कानून वापस लिये जाने की घोषणा की) को लागू करने वाले केजरीवाल इतने ही चिंतित हैं तो वह अपनी सरकार की तरफ से भी मृत किसानों के परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा करें।

किसानों की तकदीर बदलने को वचनबद्ध : मान

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज कहा कि उनकी सरकार प्रदेश के किसानों की तकदीर बदलने को वचनबद्ध है और कृषि को आर्थिक तौर पर टिकाऊ और मुनाफे वाला पेशा बनाया जाएगा।

यहां टैगोर थियेटर में एक कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कनवीनर और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चन्द्रशेखर राव की मौजूदगी में श्री मान ने किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों और गलवान घाटी के शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने पिछली सरकारों के नेतृत्व की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी संकुचित सोच स्वरूप और बुरे रवैये के कारण किसानों के हितों को शुरू से अनदेखा किया है। उन्होंने कहा कि यह त्रासदी है कि पंजाब का किसान जिसकी ज़मीन सारी दुनिया में सबसे अधिक उपजाऊ है और दूसरे हिस्सों और दुनिया के अन्य क्षेत्रों के मुकाबले विभिन्न तरह की फसलों की अधिक उपज के बावजूद वह अत्यधिक गरीबी सहन कर रहा है, उसे दो समय की रोटी नसीब होना भी कठिन है जबकि बाहर के मुल्कों के किसान जिनके पास बहुत ही कम उपजाऊ ज़मीन है और उनको खेती करने के लिए कई तरह की मौसमी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है परन्तु वह बढ़िया और सुविधाजनक ज़िंदगी व्यतीत कर रहे हैं।

मान ने आगे कहा कि उनकी सरकार ने दो महीनों में किसानों की भलाई के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें मूंग की काश्त को उत्साहित करने के लिए उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने, धान की सीधी बुवाई के लिए 1500 रुपए प्रति एकड़ देने के अलावा फसलीय विभिन्नता के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा , पिछली सरकारों ने हमारे किसान को अन्नदाता से भिखारी बना दिया है और हमारी सरकार इसको फिर इसका अन्नदाता का छिन चुका रुतबा दिलाने में हर संभव कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता किसानी का न केवल कर्ज माफ करना है, बल्कि उनको कर्ज मुक्त करना है जिससे वह अपने पैरों पर खड़े हो सकें। दिल्ली की सीमा पर किसान संघर्ष के दौरान शहीद हुए किसानों के पीड़ित परिवारों के साथ दुख सांझा करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आपके प्यारों को वापस तो नहीं ला सकते और न ही दुनिया की किसी करंसी से इस अपूरणीय घाटे की भरपाई जा सकती परन्तु फिर भी इस दुख की घड़ी में हम उनके साथ खड़े हैं।

गलवान घाटी के शहीदों के परिवारों के साथ हमदर्दी प्रकट करते हुये भगवंत मान ने कहा कि उनकी शहादत को किसी भी सूरत में अनदेखा नहीं जा सकता क्योंकि उनकी तरफ से अनेकों दिक्कतें सहन करके हम अपने-अपने घरों में चैन की नींद सोते हैं, जब वह जैसलमेर जैसे इलाकों में 50 डिग्री की असहणीय गर्मी और माईनस 20 से 25 डिग्री जैसे तापमान में कारगिल जैसे बर्फीले मौसम में ड्यूटी निभा रहे होते हैं।

शार्ट न्यूज

रमेश बिधूड़ी ने आम आदमी पार्टी विधायकों पर लगाए सरकारी संपत्ति कब्जा करने के आरोप

नई दिल्ली। सांसद रमेश बिधूड़ी ने केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अली बाबा अपने 40 चोरों को बचाने के लिए इस प्रकार की फेक लिस्ट जारी कर रहे हैंए कि कल को कोई इनसे जवाब ना मांगे और इनके अवैध निमार्णों पर तलवार ना लटकनी शुरू हो जाए। इसलिए हमने ये डिफेमेशन नोटिस दिया है। बिधूड़ी ने बताया कि केजरीवाल ने पहले भी इसी प्रकार से 2014 में कुछ नेताओं की ऐसी ही फेक लिस्ट निकालकर लोगों को गुमराह किया। लोगों को यह दिखाने की कोशिश कि के दुनिया मे मैं ही ईमानदार हूँ बाकि सब लोग बेईमान हैं। इसके बाद एक.एक कर के अपना मकसद पूरा कर लोगों से भावनात्मक बाते कर कि यह जनता के लिए कुछ करेगा और सत्ता हथिया ली। लेकिन अब भाजपा के पोल.खोल अभियान से उनकी पोल खुल रही हैए सत्ता छिन रही है तो यह नई नौटंकी अपनी मंडली से करवानी शुरू कर दी। केजरीवाल यह बताएं कि आपने कहा था कि हम ईमानदार लोग हैं। मेरे 64 की 64 विधायक सभी ईमानदार हैं, तो अपने विधायकों की संपत्ति और अपनी आम आदमी पार्टी का ब्यौरा ऑनलाइन क्यों नहीं डालने को कहा ? मैं मीडिया के माध्यम से पूछना चाहता हूँ और मीडिया बंधुओं से मेरा निवेदन है कि उनसे पूछे कि आपकी पार्टी का हिसाब. किताब कहां है कि तुम कितने हरिशचन्द्र ईमानदार हो और आपके विधायक कितनी स्वच्छ छवि के हैं। इसके बाद सांसद रमेश बिधूड़ी ने तथ्यों के आधार पर आम आदमी पार्टी के विधायकों के भ्रष्टाचार व उनके द्वारा किए गए अवैध कब्जे और निर्माण की जानकारी दी कि किस तरह तुगलकाबाद क्षेत्र के विधायक सहीराम पहलवान ने डीडीए पार्क पर कब्जा कर अपना कार्यालय बनाया हुआ है और इस मामले में डीडीए ने उन पर केस भी किया है। संगम विहार से विधायक दिनेश मोहनिया ने संगम विहार में अवैध निर्माण कर पाँच मंजिला घर बनाया हुआ है जिस पर एमसीडी ने तोड़फोड़ का नोटिस भी दिया है। इसी प्रकार देवली से विधायक प्रकाश जारवाल और अम्बेडकर नगर से अजय दत्त ने बारात घर/सामुदायिक केन्द्र में कार्यालय बनाया है जिससे स्थानीय लोगों को अपने कार्यक्रम आदि कार्यों में असुविधा होती है, यह लोगों की सहूलियत के लिए बनाए गए हैं ना कि उनमें कार्यालय चलाने के लिए। इसके बाद सांसद रमेश बिधूड़ी ने तथ्यों के आधार पर आम आदमी पार्टी के विधायकों के भ्रष्टाचार व उनके द्वारा किए गए अवैध कब्जे और निर्माण की जानकारी दी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने जिला कोऑर्डिनेटर की एक महत्वपूर्ण बैठक ली

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के उदयपुर में 3 दिवसीय नव संकल्प शिविर के बाद दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार की अध्यक्षता में आज प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में नव संकल्प शिविर में घोषणा के क्रियान्वन पर चर्चा, आजादी के 75वें वर्ष में राज्य स्तरीय विशाल कार्यक्रम आयोजित करने और राज्य स्तर पर राजनीतिक मामलों पर रुपरेखा तैयार करने के लिए जिला अध्यक्षों, जिला कॉआर्डिनेटर, प्रदेश उपाध्यक्षों, अग्रिम संगठनों के अध्यक्ष एवं सेल एवं विभागों के अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार के साथ पूर्व सांसद रमेश कुमार, पूर्व मंत्री डा0 नरेन्द्र नाथ, कम्युनिकेशन विभाग के चैयरमेन व पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, प्रदेश उपाध्यक्ष मुदित अग्रवाल, पूर्व विधायक विजय लोचव, कोषाध्यक्ष संदीप गोस्वामी, प्रदेश महिला अध्यक्ष अमृता धवन, राजेश गर्ग और सभी जिला अध्यक्ष, जिला कॉआर्डिनेटर, अग्रिम संगठनों व सेल एवं विभाग के चैयरमेन भी मौजूद थे। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के समापन से पूर्व 27 मई, 2022 को पं0 जवाहर लाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर एक विशाल सेमिनार का आयोजन किया जाऐगा, जिसमें समस्त दिल्ली के हजारां कांग्रेस कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। सेमिनार में उदयपुर में हुए नव संकल्प शिविर में हुई चर्चा और आगामी कार्यक्रमों पर विचारधारा सहित संगठन को मजबूत बनाने के लिए रुपरेखा तैयार की जाएगी। अनिल कुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा निर्देशित आजादी गौरव यात्रा दिल्ली में 3 दिन तक रहेगी जिसका स्वागत दिल्ली के महिपाल पुर क्षेत्र में किया गया जाएगा। आजादी गौरव यात्रा दिल्ली के अनेको क्षेत्रों से होती हुई 31 मई को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजघाट पर पहुचेगी जहां यात्रा का समापन होगा। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि उदयपुर नव संकल्प शिविर में हुई चर्चा और भविष्य की योजनाओं के लिए दो दिवसीय राज्य स्तर पर कार्यशाला का दिल्ली कांग्रेस द्वारा आयोजन किया जाऐगा। दिल्ली में संगठन को ब्लाक/बूथ स्तर पर मजबूत बनाने के लिए भी कार्यक्रम बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा पर भी रुपरेखा तैयार की जाएगी।

एक करोड़ लोगों के जीवन को प्रभावित करते हुए, चेतना हीरोज को समाज में अच्छाई फैलाने में अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया

समाज में उनकी निस्वार्थ सेवा का सम्मान करते हुए चेतना हीरोज की उपलब्धियों पर एक कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया गया

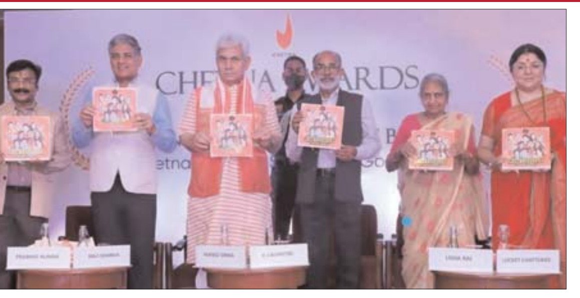

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। अच्छाई फैलाना दैवीय है, जो भौतिकवादी संसार में समाप्त होता प्रतीत होता है। हालाँकि, परोपकार को लेकर दृढ़संकल्प मिशन चेतना समाज में अच्छाई के प्रसार के अपने मिशन को निरंतर रूप से आगे बढ़ाती रहेगी और समान विचारधारा वाले लोगों के समर्थन से इसे अपेक्षित सफलता मिल रही है। अच्छाई फैलाने में चेतना हीरोज के अनुकरणीय योगदान को पहचानते हुए मिशन चेतना ने 22 मई, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एक पुरस्कार समारोह में उन्हें सम्मानित किया। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने वास्तविक जीवन के नायकों को पुरस्कार प्रदान किए और उन्हीं पर आधारित एवं प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित एक कॉफी टेबल पुस्तक चेतना हीरोज-स्प्रेडिंग गुडनेस का विमोचन किया। कॉफी टेबल बुक में 32 चेतना हीरोज की प्रोफाइल है जिनकी विशिष्ट परोपकारी गतिविधियों ने लगभग 10 मिलियन वंचित भारतीयों के जीवन में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मिशन चेतना ने समाज सेवा के प्रति खुद को समर्पित करने वालों को - चेतना हीरोज की उपाधि दी है। देश के 11 राज्यों के चेतना हीरोज ने समाज कल्याण की विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ की हैं, जैसे दिव्यांगों के लिए भोजन का वितरण और गायों, कुत्तों, बिल्लियों और पक्षियों जैसे पशुओं के लिए भोजन और स्वास्थ्य सेवा की व्यवस्था। महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना, जरूरतमंदों को चिकित्सा और वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करना। इन कार्यों ने देश के 1 करोड़ लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है। पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्य अतिथि, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल, श्री मनोज सिन्हा ने कहा, हमारे पुराण हमें अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देते हैं और यह अधिकार किसी सत्ता के नियंत्रण में नहीं है। इसी तरह, हमारी पौराणिक कहानियां हमें अच्छाई को फैलाने के कई संदेश देती हैं। इतने सारे चेतना हीरोज को देखकर अभिभूत हूं और आज मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मैं उनका सम्मान कर सका। कॉफी टेबल बुक चेतना नायकों की आंतरिक शक्ति को दर्शाती है। चेतना के संस्थापक, श्री रवि शर्मा जी के शालीन व्यवहार से पता चलता है कि उन्हें कितना संतोष मिला है और उन्हें समाज का अटूट समर्थन प्राप्त है। करुणा दूसरों की चिंता करने की प्रेरणा देती है और एक व्यक्ति के रूप में हमारे पास जितनी करुणा होगी, हम समाज के बाकी लोगों तक अधिक से अधिक करुणा का विस्तार कर सकते हैं। स्वार्थरहित सेवा भविष्य की कुंजी है। उन्होंने अपने संबोधन में कई चेतना नायकों को का उल्लेख किया। पुरस्कार समारोह के दौरान सम्मानित अतिथि, राज्यसभा सांसद, श्री के जे अल्फोंस ने कहा, अब तक मैंने जितने समारोहों में हिस्सा लिया, यह उनमें से अब तक का सबसे अच्छा समारोह था। काश मैं चेतना हीरो पुरस्कार विजेताओं के चरणों को स्पर्श कर पाता। मैं चेतना नायकों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं। यह बदलाव का समय है और चेतना नायकों ने रवि शर्मा के मार्गदर्शन में बदलाव करने का फैसला किया। मैं रवि शर्मा और मिशन चेतना की टीम को इस अद्भुत मंच को बनाने के लिए बधाई देता हूँ जहाँ बहुत से लोगों को अच्छा काम करने और लोगों की निस्वार्थ सेवा करने के लिए सम्मानित किया जाता है। मैं कॉफी टेबल बुक की भी सराहना करता हूँ जो प्रत्येक विजेता के बारे में बहुत अच्छी तरह बताती है। पुरस्कार समारोह के दौरान सम्मानित अतिथि, लोकसभा सांसद, श्रीमती लॉकेट चटर्जी ने कहा, मिशन चेतना का परोपकारी कार्य मानवता के प्रति महान कार्य है और एक महान पहल है। सच्चे नायकों को पुरस्कृत किया जाना कई लोगों के लिए एक प्रेरणा है। हमें समाज में ऐसे अधिक से अधिक लोगों की आवश्यकता है। उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसा परमो धर्म: का हवाला दिया और समझाया कि जन सेवा जनार्दन सेवा है। मैं श्री रवि शर्मा को चेतना हीरोज को तैयार करने की इस सोच और चेतना हीरोज कॉफी टेबल बुक में उनकी वास्तविक कहानियों के लिए धन्यवाद देती पुरस्कार समारोह के दौरान, विशिष्ट अतिथि और जानी-मानी पत्रकार, सुश्री उषा राय ने भारतीय समाज में सामाजिक मुद्दों पर विस्तार से बात करते हुए कहा, मैं आज यहां आकर अभिभूत हूं क्योंकि मैं एक साधारण पत्रकार हं और ऐसे समय में काम किया है जब इन विषयों पर कोई भी लिखता नहीं था। मैं भी चेतना नायकों के प्रयासों के लिए उनकी सराहना करना चाहूंगी और मेरा सम्मान है कि आज मैं उनके बीच मौजूद हैं। मिशन चेतना श्री रवि शर्मा की एक अद्वितीय अवधारणा है और यह कॉफी टेबल बुक भी एक उत्कृष्ट पहल है। पुरस्कार समारोह के प्रभात प्रकाशन के श्री प्रभात कुमार ने श्री रवि शर्मा के प्रयासों की सराहना की और कहा, ऐसी उम्र में जब लोग सांसारिक सुख-सुविधा के सामान इकट्ठा करना चाहते हैं, तब उन्होंने उनका बलिदान दिया और अच्छाई के लिए अपनी इच्छा को आगे बढ़ाया। भारतीय समाज में अच्छाई फैलाने में चेतना हीरोज के अनुकरणीय कार्यों से उत्साहित, परोपकारी प्रवृत्ति के व्यक्ति और एक कुशल पूर्व कॉर्पोरेट लीडर के साथ ही मिशन चेतना के संस्थापक रवि शर्मा ने समाज में अच्छाई को फैलाने के अभियान के प्रति अपना जीवन समर्पित कर दिया है। पुरस्कार समारोह के दौरान उन्होंने कहा, आप में से प्रत्येक यहाँ इसलिए है क्योंकि आप अच्छाई फैलाने का एक हिस्सा हैं। अच्छाई सभी समस्याओं का समाधान है। मिशन चेतना उन क्षेत्रों में काम करने वाले वास्तविक जीवन के नायकों का समर्थन करती है जिनके बारे में कोई नहीं जानता और सहयोग के साथ अच्छाई फैलाने के मार्ग पर चलने के लिए उन्हें प्रेरित करता है। सामाजिक समस्याओं को हल करना सिर्फ सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं बल्कि समाज का भी दायित्व है। इसलिए, व्यक्तिगत सामाजिक ज़िम्मेदारी (पीएसआर) की संस्थागत बनाने की ज़रूरत है ताकि इसके बोए गए बीज से समाज एक खुशहाल राष्ट का निर्माण कर सके। मिशन चेतना अब यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखेगी कि पीएसआर को शिक्षा का हिस्सा बनाया जाए ताकि समाज खुशी को फैलाने की ज़िम्मेदारी ले सके। चेतना हीरोज और उनकी टीमों के अलावा, सांसदों सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति, राजदूत, सार्वजनिक क्षेत्र के सीएमडी, कॉर्पोरेट और सामाजिक क्षेत्र के कार्यकारी अधिकारी, आईआईटी के पूर्व छात्र परिषद के सदस्य और टेमा ने उत्साह और जोश के साथ पुरस्कार समारोह में भाग लिया। मिशन चेतना का परिचय ग्लोबल गुडनेस नेटवर्क, जिसे प्रेरणादायक अच्छाई के लिए उपयुक्त रूप से चेतना नाम दिया गया था, उसे पांच साल पहले प्रमा ज्योति फाउंडेशन की मूलभूत परियोजना के रूप में लॉन्च किया गया था। हर दिन यह सभ्य समाज के लोगों की ओर से अच्छाई फैलाने वाले प्रेरणादायी कामों से निर्देशित होता है। चेतना अच्छाई फैलाने का एक मिशन है, जो उन लोगों की पहचान करता है, उनकी सराहना करता है और उनका समर्थन करता है जिन्होंने अच्छाई का जीवन चुना है। हम उन्हें गर्व से चेतना हीरोज़ कहते हैं - ऐसे इंसान जो हम सभी में चेतना के स्तर को प्रेरित करते हैं और उन्हें बढ़ाते हैं। चेतना ऐसे व्यक्तियों को चेतना हीरोज के रूप में सम्मानित करता है और उनकी हर संभव सहायता करने का वचन देता है ताकि वे लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकें हैं और दूसरों के लिए रोल मॉडल के रूप में काम करते रहें। आइडेंटिफाई-एप्रिसिएट-इंस्पायर की तीन-चरणीय प्रक्रिया के माध्यम से, चेतना नैतिक, संगठनात्मक और वित्तीय सहयोग देकर एक संगठन बनाने में उनका समर्थन करती है। चेतना पूरे भारत से 70 से अधिक एनजीओ का सृजन और समर्थन कर सकी है, जो 11 राज्यों में फैले हैं और इसका मिशन 1 करोड़ लोगों तक खुशियां फैलाना है। चेतना इन गैर सरकारी संगठनों को सहयोग की भावना से मदद करने के तरीके को लेकर ट्रेनिंग भी दती है। महामारी के दौरान चेतना की टीम भावना अपने उत्साह के चरम पर थी।

भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा हुनरबाज युवाओं के लिए एक अनोखा मंच 'इंडिया राइजिंग टैलेंट'

विभाजनकारी ताकतों के विरूद्ध देश बचाने के लिए भारत जोड़ो अभियान की शुरुवात हो चुकी है : श्रीनिवास बी वी

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने हुनरबाज युवाओं के लिए एक अनोखा मंच इंडिया राइजिंग टैलेंट की शुरुवात की है। इंडिया राइजिंग टैलेंट एक रचनात्मक और अभिनव मंच है जहां युवा अपने नृत्य, गायन, रैपिंग, स्टैंड अप कॉमेडी, मिमिक्री, नवीन सामाजिक विचार, प्रौद्योगिकी, आदि के माध्यम से अपने राजनीतिक विचार व्यक्त कर सकते हैं। इसमें भाग लेने के लिए, युवाओं को अपना एक मिनट का वीडियो रिकॉर्ड करके इस मोबाइल नंबर 7311126111 पर व्हाट्सएप करना है।

इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि यह कार्यक्रम देशवासियों के बीच सद्भाव और सौहार्द को बढ़ाएगा। आज देश में गैर-जरूरी मुद्दों का राजनीतिकरण एक गंभीर समस्या है। इसमें लोगों से जुड़े जरूरी विषयों की अनदेखी, जनता के हितों और अधिकारों पर कुठाराघात हो रहा है। इसलिए जनहित के मुद्दों को आगे लाना और उनका स्थायी समाधान करना ही हमारी एक कार्यक्रम के माध्यम से प्राथमिकता है।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि देश में अगर हम सौहार्द और समरसता का माहौल कायम करना चाहते हैं, तो यह गांधीवादी मूल्यों के बिना संभव नहीं है। हमारा संकल्प है कि वो गांधीवादी विचारों को जन-जन तक लेकर जाए और एक संवेदनशील समाज का निर्माण करे। समाज के हर वर्ग, हर समुदाय का सम्मान करते हुए, उन्हें और उनके विचारों को राष्ट्र निर्माण के इस लक्ष्य में अपने साथ जोड़ना बहुत जरूरी है। इसलिए, हम इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं से बात करेंगे और उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ेंगे।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि इंडिया राइजिंग टैलेंट युवा कांग्रेस द्वारा युवाओं के लिए एक अनोखा मंच जहा पर युवा अपने नृत्य, गायन, रैपिंग, स्टैंड अप कॉमेडी, मिमिक्री, नवीन सामाजिक विचार, प्रौद्योगिकी, आदि के माध्यम से अपने राजनीतिक विचार व्यक्त कर सकते हैं। इसमें भाग लेने के लिए, युवाओं को अपना एक मिनट का वीडियो रिकॉर्ड करके इस मोबाइल नंबर 7311126111 पर व्हाट्सएप करना है।

विनय कुमार को मंत्रिमंडल की तरफ़ से पूर्ण सहयोग मिलेगा

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राज्य के नवनियुक्त उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का स्वागत करते हुए कहा कि राजधानी की बेहतरी के लिए उन्हें दिल्ली सरकार के मंत्रिमंडल की तरफ़ से पूर्ण सहयोग मिलेगा। केजरीवाल ने दिल्ली नए उपराज्यपाल की नियुक्ति पर ट्वीट कर कहा,दिल्ली के नवनियुक्त उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का दिल्ली की जनता की तरफ़ से मैं हार्दिक स्वागत करता हूं। दिल्ली की बेहतरी के लिए उन्हें दिल्ली सरकार के मंत्रिमंडल की तरफ़ से पूर्ण सहयोग मिलेगा।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली के उपराज्यपाल रहे अनिल बैजल के साथ मिलकर दिल्ली में कई काम किए और कई समस्याओं को ठीक करने की कोशिश की। वह एक बेहद अच्छे इंसान हैं। भविष्य के लिए मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु की कामना करता हूं। ग़ौरतलब है कि राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने अनिल बैजल का इस्तीफा स्वीकार करते हुए विनय कुमार सक्सेना को दिल्ली का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया है।

कोरोना के 268 नए मामले आए सामने, 421 लोग हुए स्वस्थ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 268 नए मरीज मिले, जबकि ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 421 रही। कोरोना से मौत का कोई मामला सामने नहीं आया। सोमवार को जारी कोविड-19 स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, कोरोना के कुल 19,03,822 मामले सामने आ चुके है।

जिसमें 18,75,802 मरीजों ने कोरोना को मात दी और कुल संक्रमण दर 4.96 फीसदी है। साथ ही 26201 लोगों की मौत हो गई, जबकि सक्रिय मरीजों की संख्या 1819 हो गई है।

बीते 24 घंटे में 9976 लोगों की जांच की गई।

इसमें आरटीपीसीआर से 8548 और रैपिड एंटीजन टेस्ट से 1428 लोगों की जांच हुई।कोरोना संक्रमण की जांच दर 2.69 फीसदी दर्ज की गई। कोरोना को लेकर अब तक 38373595 सैंपल की जांच हो चुकी है। होम आइसोलेशन में कोरोना के 1447 मरीजों का उपचार जारी है। जबकि अस्पताल में कोरोना संक्रमित व संदिग्ध मरीज मिलाकर कुल 122 मरीज इलाज के लिए भर्ती है। जिसमें 18 संदिग्ध मरीज है।

कोविड केयर सेंटर और कोविड हेल्थ सेंटर में एक भी मरीज नहीं है। ऑक्सीजन सपोर्ट पर मरीजों की संख्या 41 है।

आईसीयू में 31 मरीज और वेंटिलेटर पर चार मरीज उपचार के लिए भर्ती है। अलग-अलग अस्पतालों में 9459 बेड खाली है। दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या 638 हो गई।

बीते 24 घंटे में 4892 कोविड-19 रोधी टीके की खुराक लगाई गई। इनमें पहली खुराक लेने वाले लोगों की संख्या 335 और दूसरी डोज वालों की संख्या 1327 रही। जबकि 3230 ने बीते 24 घंटे में एहतियाती खुराक ली।

एकीकरण के बाद भी एमसीडी कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं दे रही भाजपा की केंद्र सरकार

अध्यापकों को पिछले 5-6 महीनों से तो सफाई कर्मचारियों को 2-3 महीनों से नहीं मिली तनख्वाह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार एमसीडी के एकीकरण के बाद भी कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं दे रही है। अध्यापकों को पिछले 5-6 महीनों से तो सफाई कर्मचारियों को 2-3 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। जेई, ऐई समेत सैंकड़ों कर्मचारियों को पिछले 5-6 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। दुर्गेश पाठक ने भाजपा से जवाब मांगा है कि केंद्र सरकार के आधीन होने के बावजूद एमसीडी कर्मचारियों की तनख्वाह में इतना विलंभ क्यों हो रहा है ? साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी से आग्रह है कि अपने वादे के अनुसार सभी कर्मचारियों की तनख्वाह जल्द से जल्द जारी करे। खुद भाजपा का दावा था कि एकीकरण के बाद एमसीडी की सभी समस्याएं खत्म हो जाएंगी, कर्मचारियों को तनख्वाह भी समय से मिलेगी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में एक महत्तवपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 17 सालों के कार्यकाल में बीजेपी ने एमसीडी में इतना भ्रष्टाचार किया है कि आज एमसीडी के पास अपने कर्मचारियों को तनख्वाह देने तक के पैसे नहीं हैं। दिल्ली की जनता इस उम्मीद में थी कि चुनाव के बाद नई सरकार सभी समस्याओं पर विराम लगाएगी। लेकिन इसी दौरान भारतीय जनता पार्टी ने तीनों निगमों के एकीकरण की घोषणा कर दी और कहा कि इसके बाद सभी कर्मचारियों को समय से तनख्वाह मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब एमसीडी की समस्याएं खत्म हो जाएंगी, सभी प्रॉजेक्ट समय से पूरे होंगे और एमसीडी में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार नहीं होगा क्योंकि खुद मोदी जी ने इसकी जिम्मेदारी ली है। दुर्गेश पाठक ने कहा कि इसके बाद हमने भी सोचा कि कुछ वक्त रुककर भाजपा के इन दावों को भी देख लिया जाए। लेकिन अबतो पानी सिर के ऊपर चला गया है। जनता के लिए यह जानना बेहद जरूर हो गया है कि एमसीडी के सभी कर्मचारी किन हालातों में जी रहे हैं। ईस्ट एमसीडी के स्कूलों के सभी अध्यापकों को पिछले 6 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। सफाई कर्मचारियों को 2-3 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। डॉक्टरों, नर्सों, माली, बेलदार, ऑफिस कर्मचारियों आदि को पिछले 5-6 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। यही हाल नॉर्थ एमसीडी का है। वहां के स्कूलों के अध्यापकों को भी 3-4 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। सफाई कर्मचारियों को 2-3 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। जेई, ऐई, सभी समूहों के कर्मचारियों का बुरा हाल है।

एमसीडी प्रभारी ने कहा कि आमतौर पर यदि तनख्वाह आने में एक हफ्ते का भी विलंभ होता है तो हाथ-पांव फूलने लगते हैं। दिमाग सोच में पड़ जाता है कि किराया कैसे भरेंगे, बच्चों की फीस कैसे भरेंगे, सबज़ियां कैसे आएंगी, घर कैसे चलेगा ? और यहां तो एमसीडी के कर्मचारियों को 6-6 महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। सोचिए उनकी स्थिति कितनी खराब होगी।

दुर्गेश पाठक ने कहा कि आपने पूरी दिल्ली में होर्डिंग और पोस्टर लगाकार कहा था कि चूंकि अब एमसीडी भाजपा की केंद्र सरकार के आधीन आती है इसलिए अबसे कोई समस्या नहीं होगी। मेरा भारतीय जनता पार्टी से आग्रह है कि अपने वादे के अनुसार सभी कर्मचारियों की तनख्वाह जल्द से जल्द जारी करें।

साथ ही मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं कि क्या आपका यह वादा आपके 17 सालों के कार्यकाल की तरह ही झूठा है ? क्या आपने दिल्ली की जनता से फिर से झूठ बोला है ? यदि भगवान में आपकी थोड़ी सी भी आस्था है तो इसके लिए दिल्ली सरकार को जिम्मेदार ठहराना बंद कर दें।

केजरीवाल सरकार द्वारा 'ग्रीन पार्क - ग्रीन दिल्ली' थीम पर होगा दिल्ली के पार्कों का विकास

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में आज पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में दिल्ली के विधायकों और डीपीजीएस के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त बैठक की गई। इस बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि मुख्यमंत्री पार्क सौन्दर्यीकरण योजना के तहत ग्रीन पार्क ग्रीन दिल्ली की थीम पर दिल्ली के पार्कों का सौन्दर्यीकरण करने का निर्णय लिया गया।

दिल्ली के पार्कों के विकास के लिए हर विधानसभा में एक इंचार्ज , हर दो विधानसभा पर एक पर्यवेक्षक (आब्जर्वर) और राज्य स्तर पर दो कोर्डिनेटर की ट्रेनिंग के लिए नियुक्ति की जा रही हैं। साथ ही आरडब्लूए को योजना में शामिल करने की ऑनलाइन प्रक्रिया एवं दस्तावेजों के सम्बन्ध में जानकारी साझा की गई। और विधायक को उनके एरिया में मौजूद पार्कों के बारें में विस्तृत जानकारी भी दी गई हैं। बैठक के बाद दिल्ली सचिवालय में आयोजित महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली को आधुनिक, न्यायसंगत और टिकाऊ शहर बनाने के लिए, दिल्ली के पार्कों को आधुनिक, विश्व स्तरीय बनाने लिए सामुदायिक पार्क पहल की शुरुआत की गई है।

इसके तहत दिल्ली के सभी पार्कों का ग्रीन पार्क ग्रीन दिल्ली थीम पर विकास किया जाएगा। जिसके पहले चरण में डीपीजीएस की 70 टीमों द्वारा दिल्ली में मौजूद 16 हज़ार 828 पार्कों में से लगभग 11 हज़ार 500 पार्कों का सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका हैं। जिनमे लगभग 6 हज़ार 345 पार्क मैंटेन नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि पार्कों के विकास और सौन्दर्यीकरण के लिए प्रत्येक आरडब्लूए को डीपीजीएस द्वारा प्रति एकड़ 2 लाख 55 हज़ार की वित्तीय सहायता दी जाएगी साथ ही नए पार्कों के विकास के लिए प्रति एकड़ 1 लाख की अतिरिक्त धनराशि भी देने का निर्णय लिया गया हैं। इसके साथ ही पार्कों में पानी की समस्या को ध्यान में रखते हुए एसटीपी की इंस्टालेशन के लिए प्रति एकड़ 3 लाख 50 हज़ार की सहायता देने का निर्णय भी लिया गया हैं।

ग्रीन पार्क ग्रीन दिल्ली योजना में पंजीकरण करने की प्रक्रिया

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि आरडब्लूए को इस योजना में एक अप्लीकेशन के द्वारा आवेदन कर सकती हैं।

जिसके अनुसार सबसे पहले उन्हें अपने आसपास के किसी पार्क का चुनाव करना हैं। इसके बाद पार्क अपनाने के लिए पंजीकृत आरडब्लूए होना अनिवार्य है। यदि कोई पंजीकृत आरडब्लूए मौजूद ना हो तो नई आरडब्लूए बनाए और पंजीकृत करायें।

इसके बाद आरडब्लूए अपनी पात्रता की जांच करें। पात्रता/ योग्यता की जांच के बाद उन्हें दिल्ली सरकार के ई-जिला पोर्टल पर रजिस्टर किया जाएगा, और साथ ही सभी उल्लेखित दस्तावेज़ों को अपलोड करना भी अनिवार्य हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत दिल्ली के पार्कों के विकास और ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया में आम जनता की मदद के लिए हर विधानसभा में एक इंचार्ज , हर दो विधानसभा पर एक पर्यवेक्षक (आब्जर्वर) और राज्य स्तर पर दो कोर्डिनेटर की ट्रेनिंग के लिए नियुक्ति भी की जा रही हैं।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि यह योजना लोगों के विभिन्न समूहों के साथ परामर्श करके और उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करके पार्कों को सभी के लिए एक बेहतर स्थान बनाने पर ध्यान केंद्रीत करेगी। वर्तमान में पार्कों के प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की न्यूनतम भागीदारी है। इन हरित स्थानों के डिजाइन और रखरखाव में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इन पार्कों से न केवल पारिस्थितिकी बल्कि दिल्ली के निवासियों के जीवन की समग्र गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

संपादकीय

भारत में भी मंकीपॉक्स अलर्ट, मुंबई में बना आइसोलेशन वार्ड

महामारी दुनिया का पीछा नहीं छोड़ने का नाम नहीं छोड़ रही है। ढाई बरस का दौर लॉकडाउन, बैन आदि इत्यादि झेलने के बाद वैक्सीन की छावं तले कोरोना का कहर कम हुआ है। टीका आने के बाद से कोरोना की रफ्तार पर विराम लगा है। किम जोंग वाले नॉर्थ कोरिया और जिनपिंग के चीन जैसे अपवादों से इतर बाकी दुनिया कोविड से पहले के युग में लौट रही है। सामान्य हो रहे जन-जीवन के बीच एक नई बीमारी ने दस्तक दी है, जिसका नाम मंकीपॉक्स है। हम बचपन से सुनते आ रहे हैं कि हमारे पूर्वज बंदर थे और समय के साथ धीरे-धीरे हमने खुद को विकसित किया। डार्विन की थ्योरी ऑफ इवोल्यूशन से इतर बंदर से निकला वायरस इंसानों को इन दिनों खूब परेशान कर रहा है। आलम ये है कि महज 15 दिनों के भीतर इसने 15 देशों में अपने पाव पसार लिए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी है कि किसी भी देश में इस बीमारी का एक मामला भी आउटब्रेक माना जाएगा। भारत भी मंकीपॉक्स को तेजी से फैलता देख अलर्ट हो गया है। आपने चिकन पॉक्स सुना होग, स्मॉल पॉक्स सुना होगा पर क्या आपने मंकी पॉक्स के बारे में सुना है। ये कोई नई बीमारी नहीं है बल्कि एक वायरल इंफेक्शन है। जिसके केस आमतौर पर अफ्रीका के मध्य और पश्चिमी देशों में पाए जाते हैं। ये साल 1958 की बात है डेनमार्क की राजधानी कोपेनहैगन के रिसर्च सेंटर में बड़ी संख्या में बंदरों को रखा गया था। उनके बीच स्मॉल पॉक्स जैसे दिखने वाले दो मामले सामने आए। इसके बाद ऐसे ही केस चिड़ियाघर में रखे गए जानवरों में भी देखे गए। क्योंकि ये वायरल पहली बार बंदरों में देखा गया था इसलिए इसे मंकीपॉक्स का नाम दिया गया। इंसानों में मंकीपॉक्स का पहला मामला 1970 में अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो में सामने आया। जहां 1968 में स्मॉल पॉक्स को समाप्त कर दिया गया था। तब से, अधिकांश मामले ग्रामीण, वर्षावन क्षेत्रों से सामने आए हैं। कांगो बेसिन, विशेष रूप से कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में और मानव मामले पूरे मध्य और पश्चिम अफ्रीका से तेजी से सामने आए हैं। ये चौंकाने वाला था क्योंकि सभी संक्रमण इंसान से इंसान में नहीं फैले थे। सभी संक्रमित किसी न किसी जानवर के संपर्क में आए थे। जांच के बाद उनमें मंकी पॉक्स का पता चला। 1971 में कॉन्गो को स्माल पॉक्स से मुक्त कर दिया गया। लेकिन मंकी पॉक्स का प्रकोप बरकरार रहा। इसके बाद लाइबेरिया, आइवरी कॉस्ट, शियरा लियोन, नाइजेरिया, बेनिन, कैब्रून, सेंट्रल अफ्रीकन. साउथ सूडान जैसे देशों में मिले। मध्य और पश्चिमी अफ्रीका में मंकी पॉक्स ज्यादा खतरनाक नहीं था और वहां मृत्यु दर 1 प्रतिशत से कम थी। हालांकि अफ्रीका के बाहर मंकीपॉक्स के मामले पहली बार मई 2003 में सामने आए। साल 2003 में अमेरिका में इसके 47 ममाले सामने आए थे। तब इसकी वजह घाना से आयात किए गए पालतू कुत्तों को वजह बताया गया था। भारत व अन-?य एशियाई देशों में इस वायरस के मामलों की पुष्टि नहीं है। उस वक्त लोगों को बड़ी तादाद में स्माल पॉक्स की वैक्सीन लगाई गई और बड़े पैमाने पर टेस्टिंग और ट्रैकिंग हुई। मंकी पॉक्स के प्रकोप को वक्त रहते थाम लिया गया। 2003 के बाद जुलाई और नवंबर 2021 में मंकी पॉक्स का मामला मिला। हालांकि ये स्थानीय मामला नहीं बल्कि दोनों ही बार संक्रमित व्यक्ति नाइजिरिया से लौटा था। अभी तक दुनियाभर में मंकी पॉक्स वाय्रस का विस्फोट 8 बार हुआ है। लेकिन हर बार इसे आसानी से काबू पा लिया गया है। अब सवाल ये आता है कि ये इंफेक्शन दोबारा से खबरों में क्यों छाया हुआ है।

विनम्रता ही सफलता के गुणों की कुंजी है

वैश्विक रूप से अगर हम देखें तो भारत संस्कारों की एक खान है,जिसमें अनेक लाजवाब इंटेलेक्चुअल मोती भरे हैं,जो विश्व प्रसिद्ध हैं।आज अगर हम हर क्षेत्र में देखें तो भारत में हमें अच्छे संस्कारों में उपरोक्त व्यक्तित्व भरेमिलेंगे।यह भारत की मिट्टी में ही अच्छे संस्कारों की महक समय हुई है।और वातावरण को भरपूर श्रेष्ठ बनाने में सुलभ होती है।

साथियों बात अगर श्रेष्ठता, सौम्यता, बुद्धिमता, कुशलता, नम्रता, काबिलियत और उच्च मानसिक योग्यता की करें, तो किसी ने ठीक ही कहा है कि श्रेष्ठता जन्म से नहीं आती वह तो गुणों के कारण निर्माण होती है।बिल्कुल सच्ची बात और किसी महान व्यक्ति ने यह भी जोड़ा कि दूध, दही, छाश, माखन, सब एक ही कुल के होते हैं,पर सबके मूल्य अलग- अलग होते हैं।वाह क्या बात है!! सुंदर बात कही है

साथियों यह संस्कारों की एक कड़ी के साथ जुड़ती है,जो भारत देश की मिट्टी से में समाई हुई है।आज हम भारत को देखें तो भारत वैश्विक रूप से संस्कारों, गुणों और बौद्धिक क्षमता में प्रसिद्ध है।आज काफी विकसित देशों की बौद्धिक क्षमता में मूल भारतीयों का बहुत बड़ा योगदान है, आज विदेशों में भारतीय मूल के डॉक्टर, इंजीनियर, विशेषज्ञों की संख्या काफी अधिक है।अमेरिकी अंतरिक्ष दल के आसमान पर पहुंचने वाली महिला भी भारतीय मूल की ही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन मंत्रालय में प्रमुख पद वाली महिला भी मूल रूप से भारतीय ही है। भारत में एक ऐसा श्रेष्ठ वातावरण, परिश्रम, पारिवारिक सहयोग, शैक्षणिक स्तर, बौद्धिक क्षमता, काफी विस्तृत है, जो भारतीयों में गुणों का निर्माण या एक्सेस शक्ति काफी तीव्रतासे पैदा करता है।उस काबिल हो जाने में भारतीय श्रेष्ठ हो जाता है। भारतीय गुणोंमें ओतप्रोतव्यक्तित्व विश्व में सफलता के झंडे गाड़ता है।

साथियों एक भारतीय में संस्कारी गुण व बौद्धिक क्षमता ऐसी समाई रहती है कि वह दिनरात मेहनत कर अपनी मंजिल पर पहुंचने की चाह को ठान लेता है,और सफलता की सीढ़ियों पर आसानी से पहुंच जाता है। किसी ने कहा है कि भारतीय जैसा मेहनतकश इंसान विश्व में कहीं नहीं है, और विनम्रता सबसे अधिक भारतीयों में ही पाई जाती है। श्रेष्ठता पाने के लिए जो गुण होते हैं उसमें विनम्रता का महत्वपूर्ण स्थान है विनम्रता से असामान्य और असंभव कार्य भी संभव और सामान्य हो जाते हैं।

विनम्रता ही सफलता के गुणों की कुंजी है। गुणों में बुद्धिमता का भी श्रेष्ठ स्थान है,जो भारतीय में कूट-कूट कर भरी है। इसका परिणाम हम अनेक कोविड वैक्सीनों के भारत में निर्माण के रूप में हम देख रहे हैं और अभी प्रिकॉशन डोज सहित छोटे बच्चों से लेकर के बड़ों तक को दोष लग रहे हैं जो दो सौ करोड़ के करीब शीघ्र ही पहुंच जाएंगे।

आज भारत आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जिसका कारण भारतीयों में आधुनिक तकनीकी गुणों का तेजी से उदय होने का है। अगर हम वैश्विक रूप से मेहनत की बात करें तो,एक सर्वे के अनुसार भारत सबसे अधिक मेहनती देश है और अधिकतम मेहनतकश इंसान अपनी मेहनत से खुश है और स्वाभाविक रूप से मेहनतकश इंसान में गुणों की भरपूर मात्रा होती है और भारत में रहकर भारत की मिट्टी से ओतप्रोत इंसान में ही गुणों की अधिकतम मात्रा होगी और भारत में ही नहीं वैश्विक स्तर पर भारतीय नागरिक व्यवसाय, व्यापारिक, अन्य सेवा, प्रदान करने वाले व्यक्ति का मूल्य अपेक्षाकृत अधिक होगा और अगर योजनाबद्ध तरीके से रणनीति बनाकर कार्य किया जाए तो स्वरोजगार, सरकारी नौकरी और विदेशों में सेवाओं के अनेक अवसर सबसे पहले भारतीय नागरिक को ही प्राप्त होंगे क्योंकि एक भारतीय में अपेक्षाकृत योग्यता, गुण, बुद्धिमता, कुशलता अधिक है।

सोच समझ वालों को थोड़ी नादानी दे मौला

सीताराम गुप्ता

प्राय: हम सब भली-भाँति सोच-समझकर ही हर कार्य करते हैं। करना भी चाहिए। यही सफलता का मूल मंत्र भी है। इसी प्रकार से हर समझदार व्यक्ति किसी प्रश्न का उत्तर भी अच्छी तरह से सोच-विचार करने के उपरांत ही देता है। कहा गया है कि बिना बिचारे जो करे सो पाछे पछताय। बिलकुल ठीक कहा गया है। गोस्वामी तुलसीदास भी मानस के अयोध्याकांड में एक स्थान पर लिखते हैं कि अनुचित उचित काजु किछु होऊ, समुझि करिअ भल कह सब कोऊ। सहसा करि पाछें पछिताहीं। कहहिं बेद बुध ते बुध नाहीं। अर्थात् कोई भी काम हो यदि उचित अनुचित का विचार करके किया जाए तो सब कोई उसे अच्छा कहते हैं। वेदों में भी यही कहा गया है और विद्वज्जन भी यही कहते हैं कि जो बिना विचारे जल्दी में किसी कार्य को करते हैं वे बाद में पछताते हैं और उन्हें बुद्धिमान नहीं कहा जाता।

क्या हम बुद्धिमान हैं अर्थात् सचमुच सोच-समझकर ही हर कार्य करते हैं? हमारा प्रयास तो यही रहता है कि जल्दबाजी में कोई ऐसा कार्य न हो जाए जिससे लाभ के स्थान पर हानि हो जाए। या कोई ऐसी बात मुँह से न निकल जाए जिससे हमारी प्रतिष्ठा अथवा हमारे व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। हम अपनी प्रतिष्ठा व किसी भी कार्य के आर्थिक पहलू पर तो विचार करते हैं लेकिन क्या अपनी सोच-समझ के औचित्य-अनौचित्य पर भी विचार करते हैं? वास्तव में हम किसी भी चीज का व्यावहारिक पक्ष देखते हैं। तो क्या व्यावहारिकता बुरी बात है? व्यावहारिकता बुरी बात नहीं लेकिन जब हम ज़रूरत से ज्यादा व्यावहारिक हो जाते हैं तो हमारी सोच का नैतिक पक्ष उतना ही कमज़ोर हो जाता है। हम अंदर से उतने ही खोखले होते चले जाते हैं। व्यावहारिक होने के साथ-साथ ये भी अनिवार्य है कि हम उदात्त व सकारात्मक जीवन मूल्यों के पक्षधर भी रहें।

बहुत से ऐसे लोग मिल जाएँगे जो हर कार्य को बहुत सोच-समझकर ही करते हैं लेकिन उनकी सोच अथवा समझदारी किसी काम की नहीं होती। जो लोग अवैधानिक अथवा गलत कार्यों में लिप्त होते हैं वे भी अत्यंत सोच-समझकर ही हर कार्य करते हैं लेकिन उनकी सोच दूसरे व्यक्तियों, समाज व राष्ट्र के लिए घातक होती है। ऐसे लोगों की सोच-समझ केवल असंख्य बुराइयों को जन्म देती है। ऐसे तथाकथित समझदार लोग जो व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए दूसरों को आर्थिक हानि अथवा मानसिक कष्ट पहुँचाने से बाज नहीं आते उनकी सोच के विषय में क्या कहें? ऐसी सोच वाले प्रगतिशील बच्चों की समझदारी के विषय में क्या कहा जाए जो कुछ निहित स्वार्थों के लिए बूढ़े माता-पिता को तड़पते हुए छोड़कर अन्यत्र जा बसते हैं। उन्हें परिवार व पोते-पोतियों के प्यार से वंचित करके उनका सर्वस्व छीन ले जाते हैं। उन लोगों की समझदारी को क्या कहें जिनके लिए सामाजिक मान्यताओं का कोई अर्थ अथवा महत्त्व नहीं होता।

यदि हम उचित-अनुचित की बात करें तो हर हाल में गलत का विरोध करना व सही का पक्ष लेना ही उचित माना जाता है लेकिन ऐसे अनेक व्यक्ति मिल जाएँगे यदि उनको किसी व्यक्ति से संबंध बनाए रखने से किसी भी तरह का लाभ होता है तो वे उस व्यक्ति की गलत बातों का भी विरोध नहीं करते। ये व्यावहारिक होते हुए भी उचित नहीं कहा जा सकता लेकिन आज यही हो रहा है। गलत का विरोध न करना अथवा अपने हित के लिए गलत का समर्थन करना दोनों स्थितियाँ ही मनुष्यता के लिए घातक हैं। दूसरी ओर यदि हमें कुछ अधिक आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही होती है तो हम रिश्ते-नातों को भी भूल जाते हैं। भूल ही नहीं जाते तोड़ भी डालते हैं। पैसों से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण होते हैं आपसी संबंध और एक दूसरे पर विश्वास। और सबसे बड़ी बात तो ये है कि उचित निर्णय लेने अथवा सही बात कहने के लिए ज़्यादा सोचने-समझने की ज़रूरत ही नहीं होती। सच बोलने और ईमानदारी के रास्ते पर चलने के लिए सोचना नहीं पड़ता।

आज हममें से अधिकांश व्यक्ति अधिकारों की बात तो करते हैं लेकिन कर्तव्यों की नहीं। अधिकारों के साथ कर्तव्य भी जुड़े होते हैं। लेनदारियां ही नहीं देनदारियां भी महत्त्वपूर्ण होती हैं। हम बहुत समझदार होते जा रहे हैं। हमें देनदारियां याद नहीं रहतीं। कोई याद दिलवाए तो कह देते हैं कि हमें पता नहीं था। हम कृतज्ञता नामक तत्त्व को भूलते जा रहे हैं। हमारे विकास में संपूर्ण समाज का प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप में जो सहयोग है उसका हमें भान ही नहीं। यदि हमें उसका भान है भी तो हम उसे स्वीकार करने की बजाय उसे महत्त्वहीन व अपने काल्पनिक योगदान को महत्त्वपूर्ण सिद्ध करने के विषय में चिंतन करने लग जाते हैं। हमारे अति समझदारी भरे निर्णयों का अन्य लोगों अथवा समाज पर क्या दुष्प्रभाव पड़ेगा हम कम ही सोचते हैं क्योंकि हम आत्मकेंद्रित होते जा रहे हैं।

यदि हमें बहुत अधिक सोच-समझकर बात करने अथवा व्यवहार करने की ज़रूरत नजर आ रही है तो इसका सीधा सा अर्थ है कि हमारा परस्पर विश्वास और हमारे आपसी संबंध खंडित हो चुके हैं अथवा खंडित होने के कगार पर हैं। बहुत अधिक सोच-समझकर बात करने अथवा व्यवहार करने का अर्थ है कि हम स्वाभाविकता का त्याग करके छल-कपट का आश्रय लेने जा रहे हैं। हमारे सोच-समझकर काम करने अथवा बात करने का कोई महत्त्व नहीं यदि उससे झूठ-फरेब का साम्राज्य प्रतिष्ठित होता है और हमारा आपसी विश्वास खंडित होता है। ऐसी समझदारी का कोई मूल्य नहीं जिससे घर-परिवार, समाज अथवा राष्ट्र विघटित होते हैं। हमारी ऐसी समझदारी जिससे हमारे बच्चों में हमसे भी ज्यादा ऐसी समझदारी विकसित हो जाए सचमुच बहुत भयानक है। ज्यादा समझदारी वास्तव में हमारे लिए अभिशाप के समान होती है। इस संदर्भ में निदा फाजली साहब का एक शेर याद आ रहा है - दो और दो का जोड़ हमेशा चार कहाँ होता है, सोच-समझ वालों को थोड़ी नादानी दे मौला।

जो हमेशा दो और दो चार के फेर में रहते हैं उनके निर्णयों को सही नहीं कहा जा सकता।

घोर व्यावसायिकता व स्वार्थपरायणता से तटस्थ होकर ही हम सही निर्णय ले सकते हैं। इसके लिए ज़्यादा समझदारी की ज़रूरत नहीं। दिन को दिन और रात को रात कहने के लिए क्या सचमुच सोचने-समझने की ज़रूरत होगी? मान लीजिए कि दिन में धूप खिली हुई है और कोई पूछे कि आज कैसा मौसम है तो इसका एक ही उत्तर होगा कि आज धूप खिली हुई है। इसमें सोचने की क्या बात है? जब कोई चीज़ पूरी तरह से स्पष्ट हो और हम बिना बात सोचें कि क्या जवाब देना है तो हम गलत नहीं बहुत गलत दिशा में जा रहे हैं। यह संकेत है कि हम ज़रूरत से ज्यादा समझदार हो रहे हैं इसलिए अब थोड़ा नादान अथवा स्वाभाविक बनने का समय आ गया है। इसका ये अर्थ बिलकुल नहीं कि हम सही दिशा में सोचना बंद कर दें। हम सही सोचें और गलत का स्पष्ट रूप से विरोध करें। जब हम सही सोच और स्पष्टता से बचना चाहते हैं तभी हम ज़रूरत से ज़्यादा समझदारी का प्रदर्शन करने लगते हैं। हम अपनी अज्ञानता अथवा कमियों को छुपाने के लिए भी ज़्यादा समझदारी की बातें करने लगे हैं। ये भी सच्चाई पर परदा डालने जैसी ही बात है। सच्चाई पर परदा डालने के लिए ही यदि हम भली-भाँति सोच-समझकर बातें करते हैं तो इसे कैसे महत्त्व दिया जा सकता है?

यदि हम सच्चाई पर परदा डालने की बजाय उसे सरलता से स्वीकार कर लें तो इससे बड़ी समझदारी की बात हो ही नहीं सकती। लाभ अथवा हानि का आकलन व्यापार में किया जाता है संबंधों के निर्वहन में नहीं। यदि हम हर समय मात्र लाभ अथवा हानि के आकलन से ऊपर उठकर अपने आचरण की शुद्धता पर ध्यान दें तो हमारा जीवन सचमुच बहुत सुंदर हो जाए।

आज हमें जीवन के हर क्षेत्र में अधिक तथाकथित समझदार बनने की अपेक्षा थोड़ा नादान बनने की जरूरत है। बच्चों को हम नादान कह देते हैं क्योंकि वे बिना सोचे-समझे कि इसका क्या परिणाम होगा सच बोल देते हैं। ये नादानी नहीं सरलता व निष्कपटता है। बच्चों जैसा सरल व निष्कपट आचरण होने का अर्थ है हमें सबका स्नेह मिलेगा ही। हमारे लिए यही श्रेयस्कर होगा कि हम बच्चों की तरह नादान अर्थात् सरल व निष्कपट बनने का प्रयास करें। वैसे इसमें प्रयास करने जैसी भी कोई बात नहीं। स्वाभाविकता के लिए किसी प्रकार के विशेष प्रयास की आवश्यकता नहीं होती। अस्वाभाविक, गलत अथवा काल्पनिक तथ्यों को स्थापित करने के लिए ही अधिक प्रयास करने की आवश्यकता होती है। इस प्रकार के प्रयासों में ही हमारी अधिकांश ऊर्जा का दुरुपयोग हो रहा है।

जो कम समझदार अथवा नादान व्यक्ति होता है उसकी ऊर्जा का दुरुपयोग नहीं होता क्योंकि वो एक दम से गलत को गलत और सही को सही कह देता है इसलिए हमें ज़्यादा समझदार बनने की बजाय थोड़ा नादान ही बने रहने की अत्यंत आवश्यकता है ताकि हमारी ऊर्जा का सही व सार्थक उपयोग हो सके। इसलिए सोच-समझकर लिए गए ऐसे निर्णयों का कोई मूल्य नहीं जिनके कारण हमारी ऊर्जा का दुरुपयोग हो और साथ ही सत्य का दम घुट जाए और असत्य प्रतिष्ठित हो जाए। हमारी सोच-समझ बस ऐसी हो जिससे सकारात्मक जीवन मूल्य प्रतिष्ठित हो सकें। यह तभी संभव है जब हमारी सोच केवल सकारात्मक हो।

हम पक्षपातरहित होकर निडरतापूर्वक अपनी बात कहने का साहस जुटा पाएँ। इसके लिए अधिक समझदारी की ज़रूरत ही नहीं। मात्र थोड़ी सी नादानी अथवा सरलता ही इसके लिए पर्याप्त होगी।

बंगाल भाजपा में भगदड़ मची है लेकिन पार्टी नेतृत्व को इसकी परवाह ही नहीं है

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल भाजपा में मचा तूफान शांत होने का नाम ही नहीं ले रहा है। ऐसा लग रहा है कि इस तूफान को शांत करने में भाजपा आलाकमान भी कोई रुचि नहीं ले रहा है। पिछले कुछ दिनों से लगातार भाजपा और केंद्र सरकार की आलोचना कर रहे पार्टी के सांसद अर्जुन सिंह तृणमूल कांग्रेस में वापस चले गये हैं। कल तक अर्जुन सिंह यही कह रहे थे कि मैं सिर्फ नेतृत्व का ध्यान असल मुद्दों की तरफ आकृष्ट कर रहा हूँ और पार्टी छोड़ने का कोई इरादा नहीं है लेकिन एकाएक वह तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हुए अर्जुन सिंह कल तक तृणमूल कांग्रेस के अत्याचारों के खिलाफ लड़ रहे थे लेकिन लड़ते-लड़ते अचानक वह अपनी पुरानी पार्टी में शामिल हो गये। भाजपा सांसद अर्जुन सिंह ने इसे अपनी पुरानी पार्टी में "सभी समस्याओं के समाधान के बाद घर वापसी" करार दिया है।

हाल के दिनों में देखें तो भाजपा के पाँच विधायकों के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे मुकुल रॉय, सांसद और केंद्रीय मंत्री रहे बाबुल सुप्रियो और अब सांसद अर्जुन सिंह पार्टी छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में चले गये हैं। पिछले दिनों राजीब बनर्जी, सब्यशाची दत्ता और जयप्रकाश मजूमदार भी भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में लौट चुके हैं। भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी के बारे में भी अटकलें लगती रही हैं कि वह तृणमूल कांग्रेस में जा सकती हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या और भी भाजपा सांसद या विधायक पार्टी का दामन छोड़ कर तृणमूल कांग्रेस का हाथ थामेंगे?

देखा जाये तो पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद से भाजपा राज्य में कमजोर पड़ती जा रही है। जबसे दिलीप घोष की जगह सुकांत मजूमदार को पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष बनाया गया है तबसे वरिष्ठ और युवा नेताओं के बीच खाई बढ़ती ही जा रही है। हाल ही में संपन्न एक विधानसभा और लोकसभा उपचुनाव में भाजपा का जो हश्र हुआ था उसके बाद पार्टी नेताओं ने आपस में ही कैसे एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी की थी वह सबके सामने है। हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बंगाल दौरे के बाद माना जा रहा था कि अब सबकुछ ठीक हो जायेगा लेकिन अर्जुन सिंह का पार्टी छोड़ना दर्शाता है कि सबकुछ ठीक हो नहीं सका। अमित शाह ने बंगाल दौरे के दौरान पार्टी नेताओं को एकजुटता के साथ तृणमूल कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए कहा था लेकिन अर्जुन सिंह ने उनकी बात नहीं सुनी। आश्चर्य इस बात पर है कि जिन अर्जुन सिंह पर भाजपा में आने के बाद कथित रूप से तृणमूल कांग्रेस की ओर से कई हमले किये गये, उनके कार्यालय और घर पर हमला किया गया, जो अर्जुन सिंह कल तक बंगाल में राजनीतिक हिंसा के लिए तृणमूल कांग्रेस को कोसते फिर रहे थे उनका हृदय अचानक कैसे परिवर्तित हो गया? 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस के विधायक रहे अर्जुन सिंह जब भाजपा में आये थे तो पार्टी ने उन्हें बैरकपुर लोकसभा सीट से टिकट दे दिया और मोदी लहर में अर्जुन सिंह तृणमूल कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे दिनेश त्रिवेदी को हराकर लोकसभा पहुँच गये। लेकिन मंत्रिमंडल में शामिल होने का उनका लक्ष्य पूरा नहीं हो सका इसीलिए उनका असंतोष जब तब सामने आना लगा। अर्जुन सिंह ने अब तृणमूल में शामिल होने के बाद कहा है कि वह ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में एक परिवार की तरह काम करेंगे। देखा जाये तो भले भाजपा के कई नेता तृणमूल में चले गये लेकिन अर्जुन सिंह का भाजपा छोड़ना पार्टी के लिए ज्यादा नुकसानदेह इसलिए है क्योंकि वह प्रमुख हिंदीभाषी नेता थे जोकि बंगाली समाज पर भी अच्छी पकड़ रखते हैं। श्रमिक नेता, व्यवसायी और सांसद के तौर पर जमीनी स्तर पर उनकी अच्छी पकड़ है जिसका फायदा भाजपा को अब तक मिल रहा था लेकिन अब यह सियासी लाभ तृणमूल कांग्रेस को मिलेगा।

काशी में साक्षात हैं प्रमाण ! फिर भी हो रहा है हिंदू आस्था का अपमान

मृत्युंजय दीक्षित

अयोध्या विवाद के समाधान के बाद अब काशी में ज्ञानवापी और मथुरा में शाही ईदगाह विवाद भी निर्णायक दौर में पहुंच रहे हैं। ज्ञातव्य है कि श्री राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ के समय से ही उत्तर प्रदेश में हिन्दू आस्था के तीन प्रमुख केन्द्रों को हिन्दुओं को सौंपे जाने की मांग हो रही है। इनमें श्री राम जन्म भूमि के अतिरिक्त जो दो अन्य केंद्र हैं वे श्री कृष्ण जन्मभूमि तथा ज्ञानवापी परिसर जिसके अन्दर प्राचीन श्री विश्वेश्वर महादेव ज्योतिर्लिंग विद्यमान माने जाते हैं।

जब से काशी के ज्ञानवापी परिसर में सर्वेक्षण का आरम्भ हुआ, वहां से लगातार उस स्थल के प्राचीन मंदिर होने के प्रमाण सामने आ रहे थे और अंतिम दिन तो शिवलिंग ही प्राप्त हो गया। प्राचीन मंदिर मिलने के बाद जहाँ पूरे देशभर में शिवभक्तों में प्रसन्नता और हर्ष की लहर दौड़ गयी वहीँ सेकुलर राजनैतिक दलों ने अपनी विकृत राजनीति शुरू कर दी। भाजपा विरोधी सभी राजनैतिक दलों के नेता और उनके सहयोगी इस समय टीवी चैनलों पर आकर तथा सोशल मीडिया में न केवल हिंदू समाज, भाजपा व संघ के खिलाफ अपमानजनक बयानबाजी कर रहे हैं वरन भगवान शिव, शिवलिंग और

सनातन धर्म पर भी अभद्र टिप्पणी करके देश का वातावरण जहरीला बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

यह सत्य सामने आ चुका है कि ज्ञानवापी परिसर के वजूखाने वाले स्थान पर शिवलिंग उपस्थित है। देश के मान्य पुरातत्वविद, इतिहासविद तथा मद्रास सहित कई आईआईटी प्रोफेसर पुष्टि कर रहे हैं कि यह शिवलिंग ही है, जबकि दूसरा पक्ष शरारती तौर पर इसे फव्वारा कह कर उपहास करने का प्रयत्न कर रहा है। क्योंकि अभी मामला न्यायालय में है अत: अंतिम निर्णय भी वहीँ होगा कि यह क्या है। जैसे ही वादी पक्ष द्वारा ज्ञानवापी परिसर में शिवलिंग मिलने का दावा किया गया उसी समय से इन सभी हिंदू विरोधी ताकतों में हाहाकार मच गया और वे अनर्गल प्रलाप करने लगे। चुनाव प्रचार के दौरान ये मक्कार दल अपने आपको सबसे बड़ा हिंदू साबित करने में लगे थे और मंदिर-मंदिर घूम रहे थे, कोई नेता अपने आपको शिवभक्त बता रहा था तो कोई रामभक्त और किसी के सपनों में सीधे श्री कृष्ण ही आने लगे थे लेकिन ज्ञानवापी की असलियत सामने आते ही इनकी भी असलियत सामने आ गयी।

ज्ञानवापी विवाद पर जब मुस्लिम पक्षकार ने कहा कि वहां पर शिवलिंग नहीं फव्वारा मिला है तो सबसे पहले कांग्रेस के नेताओं ने भी यही बयान देकर मुसलमानों को कांग्रेस के उनके साथ खड़ा होने का संदेश दे दिया था। इसके बाद तो होड़-सी लग गयी। सपा, बसपा, टीमसी सहित वामपंथी विचारधारा के लोग सोशल मीडिया पर लगातार भगवान शिव तथा शिवलिंग पर बहुत ही अभद्र टिप्पणियां कर रहे हैं। तीन महिला मुस्लिम पत्रकारों तथा टीएमसी सांसद तथा हिन्दू कॉलेज के एक अध्यापक ने तो नीचता की सारी सीमाएं ही लांघ दीं। यह टिप्पणियां इतनी अश्लील और अभद्र हैं कि इनका उल्लेख नहीं किया जा सकता। यह हिंदू समाज का धैर्य ही है कि वह इतना सब कुछ सुनकर भी शांत रहकर माननीय न्यायपालिका पर भरोसा रखते हुए अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा कर रहा है।

अभी जब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल ही रही थी उसी दिन (शुक्रवार 20.05.20222) जिस प्रकार से मुस्लिम समाज ने ज्ञानवापी मस्जिद में निर्धारित संख्या से अधिक जाकर नमाज अदा करने की कोशिश की वह यह बताता है कि एक पक्ष में धैर्य की कितनी कमी है और वह भीड़ की ताकत के बल पर हिंदू समाज को भी धमकाना चाह रहा है और देश की न्यायपालिका को भी परोक्ष रूप से धमकाना चाह रहा था। लेकिन देश की न्यायपालिका बहुत ही मजबूत कंधों पर स्थित है और वह किसी भी पक्ष के दबाव में आये बिना अपना काम कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान भी मुस्लिम पक्षकार विवाद के चलते साम्प्रदायिक सौहार्द्र बिगड़ने की धमकी दे रहे थे लेकिन माननीय न्यायालय उनके दबाव में नहीं आया और संतुलन स्थापित करते हुए सराहनीय आदेश दिया।

कुछ राजनैतिक दल कितनी नीचता पर उतरे हुए हैं इसका अनुमान लखनऊ विश्वविद्यालय की एक घटना से लगाया जा सकता है जहाँ एक प्रोफेसर ने भगवान शिव, शिवलिंग व हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करके वातावरण को खराब करने का प्रयास किया। जब प्रशासन ने उनके खिलाफ कार्यवाही शुरू की तब पर्दे के पीछे से जो राजनैतिक दल उनको अपना संरक्षण प्रदान कर रहे थे, वह सभी दल बाहर आ गये। विश्वविद्यालय के रिटायर्ड शिक्षकों सहित सपा, बसपा, वामपंथी, छात्र संगठनों के समूह सहित प्रदेश की राजनीति में अपनी जमीन खो चुके भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर भी मैदान में कूद पड़े। भगवान शिव का अपमान करने वाले प्रोफेसर के समर्थन में चंद्रशेखर ने कहा कि वह सरकार से जवाब मागेंगे कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज है या फिर मनुस्मृति का ? यह सभी दल चाहते हैं कि हिंदू समाज के लोग केवल और केवल अपना अपमान सहते रहें और उसके खिलाफ आवाज भी न उठायें।

इन सेकुलर ताकतों की नजर में हिंदू समाज के पास अभिव्यक्ति की आजादी का व उसकी रक्षा करने का भी अधिकार नहीं प्राप्त है जबकि तथाकथित अल्पसंख्यक समाज के लिए नकली आंसू बहाना ही सबसे बड़ा सत्य है।

ज़िन्दगी के गीत गाना चाहिए।

ज़िन्दगी के गीत गाना चाहिए।
मुस्कुराना, गुनगुनाना चाहिए।

उलझनें सब घर से बाहर छोड़ कर,
ले तबस्सुम घर में आना चाहिए।

मुझको हासिल हो चुका मेरा हबीब,
अब नहीं मुझको ज़माना चाहिए।

अब सभी को हर हक़ीक़त है पता,
अब नहीं झूठा फ़साना चाहिए।

एक हद होती है हर इक बात की,
एक हद तक ही दबाना चाहिए।

गन्दगी को शह की हरगिज़ हमें,
यूँ न दरिया में बहाना चाहिए।

साफ़ गंगा लगती है जिसको उसे,
घाट पर जाकर नहाना चाहिए।

कामहरगिज़ करनहीं सकता बड़ा,
साथ में जिसको ज़माना चाहिए।

बेईमानी की चलेगा राह वो,
जिसको जल्दीसे ख़ज़ानाचाहिए।

शार्ट न्यूज

यूपीपीबीपीबी एसआई, प्लाटून कमांडर परीक्षा में अंतरराज्यीय सॉल्वर गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ (यूपीपीबीपीबी – UPPRPB) की उप निरीक्षक व प्लाटून कमांडर के 9534 पदों के लिए हुई लिखित परीक्षा में यूपी पुलिस एसटीएफ ने अंतरराज्यीय सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़ किया है। यूपीएसटीएफ ने इस मामले में 21 मई को अंतरराज्यीय सॉल्वर गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शिशुपाल व अर्जुन के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को एसआई सीधी भर्ती परीक्षा फर्जी तरीके से शामिल होने व ऑनलाइन परीक्षा व फिजिकल पास करने के बाद थाना बाबूराव क्षेत्र, कानपुर नगर से गिरफ्तार किया गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ (यूपीपीबीपीबी – UPPRPB) की 9534 एसआई भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) का आयोजन 19 मई से 25 मई 2022 के बीच आयोजित होगा। यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड ने बुधवार को अपनी आधिकारिक वेबसाइट uppbpb.gov.in पर पीईटी राउंड के एडमिट कार्ड जारी किए जा चुके हैं। इससे पहले यूपी पुलिस में एसआई के 9534 पदों पर भर्ती के लिए शारीरिक मानक परीक्षा (पीएसटी) और डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन (डीवी) दो चरणों में कराया। पहला चरण 25 अप्रैल से 28 अप्रैल तक और दूसरा चरण 4 मई से 18 मई तक चला था।

ब्रिगेडियर रवि कपूर ने किया 64 यूपी बटालियन एनसीसी का निरीक्षण

लखनऊ। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय में ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर रवि कपूर ने सोमवार को 64 यूपी बटालियन एनसीसी लखनऊ विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रशासनिक निरीक्षण किया। ब्रिगेडियर का स्वागत सीओ 64 यूपी बटालियन, कर्नल गौरव कार्की ने किया और ब्रिगेडियर रवि कपूर को पिछले वर्षों के प्रशिक्षण और गतिविधियों की रिपोर्ट से अवगत कराया। इसके बाद उन्होंने यूनिट क्षेत्र का दौरा कर सभी कार्यालयों, दुकानों और यूनिट हथियार कोट का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी मौजूदा जेसीओ और एनसीओ और यूनिट के सभी सिविल कर्मचारी कर्मचारियों के साथ बातचीत की। ब्रिगेडियर रवि कपूर यूनिट निरीक्षण मानक, उसके रख-रखाव और पिछले प्रशिक्षण वर्ष 2021-2022 में 64 यूपी बटालियन द्वारा किए गए सभी कार्यों से बहुत खुश थे। अंत में उन्होंने निरीक्षण के दौरान और पिछले प्रशिक्षण वर्ष के दौरान प्रदर्शित उत्कृष्ट मानकों के लिए यूनिट के सभी रैंकों को बधाई दी और भविष्य में भी इसे बनाए रखने के लिए सभी को प्रेरित किया। वार्षिक प्रशासनिक निरीक्षण के दौरान यूनिट प्रशासनिक अधिकारी कर्नल सुधीर सिंह भी मौजूद रहे।

शाही मस्जिद में मन्दिर के गर्भगृह होने का दावा, शुद्धीकरण की गुहार

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट की 13.37 एकड़ भूमि पर बनी शाही मस्जिद ईदगाह को हटाने संबंधी एक मामले में सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में सोमवार को एक प्रार्थनापत्र देकर ईदगाह में मौजूद मन्दिर के गर्भगृह के शुद्धीकरण की मांग की है। वादी दिनेश चन्द शर्मा ने इसी प्रकार का एक प्रार्थनापत्र इसी अदालत में 19 मई को दिया था जिसमें शाही मस्जिद ईदगाह में मौजूद गर्भगृह में लड्डू गोपाल का अभिषेक करने की इजाजत अदालत से मांगी गई थी। सिविल जज सीनियर डिवीजन ने अभी उनके किसी प्रार्थनापत्र में कोई आदेश पारित नही किया है। शर्मा ने अपने अधिवक्ता दीपक शर्मा के माध्यम से 26 फरवरी 2021 को सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में वाद दायर कर श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट की भूमि पर बने ईदगाह को हटाने की मांग की थी। इस वाद में यूपी सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड, इंतजामिया कमेटी शाही मस्जिद ईदगाह, श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट को प्रतिवादी बनाया गया है। दोनो प्रार्थनापत्रों में वादी ने यह दावा किया है कि शाही मस्जिद ईदगाह के अन्दर कटरा केशवदेव मन्दिर का गर्भ गृह मौजूद है तथा इसी गर्भगृह को गंगा और यमुना के पवित्र जल से शुद्ध करने की मांग वादी द्वारा सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में आज के प्रार्थनापत्र में की गई है। इस मामले की सुनवाई के लिए अगली तारीख एक जुलाई तय की गई है।

आजम ने ली विधानसभा की सदस्यता की शपथ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता एवं रामपुर सदर के विधायक मोहम्मद आजम खान ने सोमवार को अपने विधायक पुत्र अब्दुल्ला आजम के साथ उत्तर प्रदेश विधानसभा की सदस्यता की शपथ ग्रहण की। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने आज से शुरू हुये बजट सत्र के पहले विधायक पिता पुत्र को अपने चैंबर में विधानसभा की सदस्यता की शपथ दिलायी। विभिन्न आपराधिक मामलों में सीतापुर में जेल में निरूद्ध रहते हुये आजम ने इसी साल हुये विधानसभा चुनाव में रामपुर शहर से जीत हासिल की थी। दो साल से अधिक समय तक जेल में रहने के बाद उन्हे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था। आजम के पुत्र अब्दुल्ला ने रामपुर जिले की टांडा सीट से विधानसभा चुनाव जीता था। आजम ने हाल ही में रामपुर लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था।

चेहरे पर मुंहासे के दाग, नहीं हो रहा था कहीं रिश्ता; तंग आकर लड़की ने कर ली खुदकुशी

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में चेहरे पर मुंहासे के दाग होने से परेशान युवती ने घर में कमरे के अंदर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के मुताबिक चेहरे पर दाग होने की वजह से शादी आठ जगह से टूट चुकी थी। बिसंडा थाना क्षेत्र के अजीतपारा गांव निवासी रोशनी (25) पुत्र रामगुलाम यादव ने शनिवार को शाम कमरे के अंदर सीलिंग हुक में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी पर झूल गई। मवेशी बाड़े से घर लौटी मां ने उसका शव फंदे पर शव लटकते देखा तो मुंह से चीख निकल गई। खबर पाकर कुछ देर बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। अपनी देखरेख में फंदे से शव को नीचे उतारने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के भाई अनिल यादव ने बताया कि रोशनी के चेहरे पर मुंहासे के दाग होने की वजह से आठ जगहों से रिश्ता टूट चुका था। एक माह पहले ही पड़ोसी गांव से कुछ लोग उसे देखने आए थे। चेहरे पर दाग होने की वजह से शादी तय नहीं हो सकी। शादी तय न होने से वह काफी परेशान रहती थी। इसी से क्षुब्ध होकर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव घर के अंदर फंदे पर लटकता मिला। पिता ने गांव के युवकों द्वारा मारपीट किए जाने से क्षुब्ध होकर खुदकुशी करने का आरोप लगाया है। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के मुरवल निवासी बृजेश (25) पुत्र कलुवा उर्फ कल्लू परिवार से अलग रहता था। तीन माह पहले शराब के नशे में उसने पत्नी को पीट दिया। इस बात से नाराज होकर पत्नी शिल्पा उसे छोड़कर अपने मायके जलालपुर (बबेरू) गांव के मजरा देवीन डेरा चली गई। रविवार को सुबह पड़ोसियों ने घर से दुर्गंध आने पर थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे के अंदर उसका शव फंदे पर लटकता देखा।

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ उत्तराखंड में भरेंगे चुनावी हुंकार, 28 मई को

चम्पावत। चम्पावत उपचुनाव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के समर्थन में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आने की आहट जोरों पर हैं। बकायदा भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके चम्पावत आगमन की पोस्टें भी सोशल मीडिया में शेयर की हैं। सोमवार को भाजपा चम्पावत के नगर अध्यक्ष कैलाश सिंह अधिकारी ने बताया यूपी के सीएम योगी का 28 मई को चम्पावत के मैदानी क्षेत्र टनकपुर बनबसा में कार्यक्रम प्रस्तावित है। उन्होंने कहा फिलहाल आधिकारिक कार्यक्रम की पुष्टि नहीं हो सकी है मगर कार्यकर्ता उनके आगमन की तैयारी में जुटे हुए हैं। अधिकारी ने बताया योगी उत्तराखंड के सीएम धामी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। इधर, भाजपा जिलाध्यक्ष दीप चंद पाठक ने बताया सीएम योगी के चम्पावत आने की सूचना मिली है।

गंगा किनारे बसे जिलों में होगा जैविक खेती का विस्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार गंगा को अविरल, निर्मल और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए इसके अधिग्रहण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जैविक खेती और वनीकरण को बढ़ावा देगी। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि एक योजना के तहत गंगा तट पर बसे प्रदेश के सभी 27 जिलों के दोनों किनारों पर 10 किलोमीटर के दायरे में जैविक खेती को प्रोत्साहन दिया जाएगा। ऐसी खेती जिसमें रासायनिक खादों और जहरीले कीटनाशकों की जगह उपज बढ़ाने और फसलों के सामयिक संरक्षण के लिए पूरी तरह जैविक उत्पादों का प्रयोग हो ताकि लीचिंग रिसाव के जरिए रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों का जहर गंगा में न घुल सके।

सूत्रों ने बताया कि योगी सरकार के पहले कार्यकाल से ही यह सिलसिला शुरू हो चुका है। जिन 4784 क्लस्टर्स में 175000 किसान 95680 हेक्टेयर में जैविक खेती कर रहे हैं उनमें नमामि गंगा योजना के तहत 3309 क्लस्टर्स में 63080 हैक्टेयर में जैविक खेती हो रही है। इस खेती से जुड़े किसानों की संख्या 103442 है। इस तरह देखा जाय तो जैविक खेती का सर्वाधिक रकबा गया गंगा के मैदानी इलाके का ही है।

इंडो-गंगेटिक मैदान का यह इलाका दुनिया की सबसे उर्वर भूमि में शुमार होता है। इसी नाते ऑर्गेनिक फार्मिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से नवंबर 2017 में इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट ग्रेटर नोएडा में आयोजित जैविक कृषि कुंभ में विशेषज्ञों ने यह संस्तुति की थी गंगा के मैदानी इलाकों को जैविक खेती के लिए आरक्षित किया जाए। चूंकि हर साल आने वाली बाढ़ के कारण इस क्षेत्र की मिट्टी बदलकर उर्वर हो जाती है, इस नाते पूरे क्षेत्र में जैविक खेती की बहुत संभावना है। यही वजह है कि योगी सरकार-2 में गंगा के किनारे के सभी जिलों में जैविक खेती को विस्तार दिया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि योगी सरकार 2.0 ने अगले छह महीने में गंगा के किनारे 6759 हेक्टेयर में वनीकरण का लक्ष्य रखा है। इसके लिए जिन जिलों से गंगा गुजरती है उनमें से 503 जगहों का चयन किया गया है। गंगा के अधिग्रहण क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार पहले से ही गंगा वन, गंगा तालाब और सिर्फ गंगा ही नहीं, गंगा की सहायक नदियों और अपेक्षाकृत प्रदूषित नदियों के किनारों पर भी सरकार की योजना सघन पौधरोपण की है। इससे न सिर्फ हरियाली बढ़ेगी, बल्कि प्राकृतिक तरीके से संबंधित नदियों का प्रदूषण भी दूर होगा। साथ ही कटान रुकने से उन क्षेत्रों में बाढ़ की समस्या या विकरालता भी कम होगी।

गौरतलब है कि गंगा के मैदानी इलाके का अधिकांश इलाका उत्तर प्रदेश में ही है। गंगा की कुल लंबाई बांग्लादेश को शामिल करते हुए 2525 किलोमीटर है। इसमें से भारत और उत्तर प्रदेश के क्रमशः 2971 एवं 1140 किलोमीटर का सफर गंगा नदी तय करती है। कुल मिलाकर गंगा नदी प्रदेश के 28 जिलों बिजनोर, बंदायू, अमरोहा, मेरठ, बुलन्दशहर, अलीगढ़, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर शहर, कानपुर देहात, फतेहपुर, प्रयागराज, मीरजापुर, गाजीपुर आदि से होकर गुजरती है।

सूत्रों ने बताया कि गंगा के किनारे के सभी जिलों में गंगा वन लगाए जाने हैं। कासगंज जैसी कुछ जगहों पर इसकी शुरुआत भी हो चुकी है। प्रयास यह है कि ये वन बहुपयोगी हों और इनमें संबंधित जिले के कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुसार परंपरागत से लेकर दुर्लभ और औषधीय प्रजाति के पौधे लगाए जाएं। कुछ ऐसी ही परिकल्पना गंगा सहित अन्य नदियों के किनारे बनने वाले बहुउद्देश्यीय तालाबों के किनारे भी होने वाले पौधरोपण के बारे में की गई है। मकसद एक है पर्यावरण संरक्षण। इससे होने वाले अन्य लाभ बोनस होंगे।

उत्तर प्रदेश में विकास की भव्य इमारत तैयार करेगी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने योगी सरकार की कार्यशैली की तारीफ करते हुए कहा कि अगले पांच सालों में राज्य को देश का अग्रणी प्रदेश बनाने के लिए निवेश को प्रोत्साहन और आधारभूत अवसंरचना को सुदृढ़ीकरण की दिशा में काम किया जाएगा। राज्य विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने महंगाई, किसानों की समस्या समेत तमाम मुद्दों को लेकर जबरदस्त हंगामा किया और वेल पर आकर नारेबाजी की।

विपक्ष के हंगामें के बीच श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अपने उदबोधन में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक जनादेश के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को बधाई देते हुए कहा कि अगले पांच साल में अब सुशासन को और सुदृढ़ करने के लिए सरकार की स्वयं से प्रतिस्पर्धा प्रारम्भ होगी। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में भाजपा सरकार ने प्रदेश में विकास की नींव डालने का कार्य किया गया है जबकि अगले पांच वर्षों में इसी नींव पर विकास की भव्य इमारत आकार लेगी।

करीब एक घंटे के अभिभाषण में उन्होने प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था को सराहना करते हुए विभिन्न पर्व-त्योहारों के शांतिपूर्ण सम्पन्न होने पर खुशी जताई। उन्होंने आवास से लेकर सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं, औद्योगिक निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला उत्थान सहित सभी क्षेत्रों में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया और कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन की टाइमलाइन तय करते हुए काम होगा और परफॉर्मेन्स बेस्ड कार्यों पर फोकस किया जाएगा।

राज्यपाल ने कहा कि पूर्व की भांति मेरी सरकार प्रदेशवासियों को पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन व ईमानदार तथा संवेदनशील प्रशासन उपलब्ध कराने के लिए तत्पर रहेगी। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों के अलग-अलग समूह गठित किए गए हैं।

मंत्री समूहों द्वारा अलग-अलग जनपदों का भ्रमण कर सरकार आपके द्वार के अनुरूप जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही, समाज के कमजोर वर्गों के सम्मानित नागरिकों का खास ध्यान रखते हुए उनकी समस्याओं के समाधान के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

घर में एसी और कार फिर भी वर्षों से मुफ्त ले रहे राशन, डोर-टू-डोर सर्वे में खुली पोल

नई दिल्ली। घरों में एयर कंडीशनर और कारों का इस्तेमाल करने वाले संपन्न और संभ्रांत लोग भी राशन कार्ड बनवाकर कई वर्षों से मुफ्त का राशन खा रहे थे। जिला स्तर पर राशन कार्ड का सत्यापन शुरू हुआ तो ऐसे एक या दो नहीं, बल्कि हजारों मामले सामने आ चुके हैं। अपात्र उपभोक्ताओं के पास राशन कार्ड होने का मामला प्रकाश में आने के बाद प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। इन अपात्र उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए टीमें गठित कर घर-घर सर्वे शुरू किया गया है। राशन कार्ड की आड़ में गरीबों के हक पर डाका डाल रहे अपात्र लोगों पर प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसके लिए राशन कार्ड धारकों का सत्यापन किया जा रहा है। साथ ही आपूर्ति विभाग ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों की कुल 367 राशन की दुकान पर अपात्रता की सूची भी चस्पा कर दी है, ताकि लोग जागरूक हो सकें और अपने कार्ड को निरस्त कराने के लिए जमा कर सकें। उधर, सत्यापन शुरू होने के कुछ ही दिनों में ही जिस तरह से तीन हजार अपात्र उपभोक्ता राशन कार्ड सरेंडर कर चुके हैं, इससे राशन कार्ड धारकों की संख्या में बड़ा गड़बड़झाला होने की आशंका बनी हुई है। जिले में सात हजार अंत्योदय व 2.05 लाख सामान्य मुफ्त राशन कार्ड धारक हैं, लेकिन अपात्रों के कार्ड बने होने के कारण गरीबों के राशन पर अमीरों का कब्जा हो गया है।

नगर निकाय चुनाव में नयी रणनीति के साथ मैदान पर उतरेगी कांग्रेस

राजनीति। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मात्र दो सीटों पर सिमटी कांग्रेस आगामी निकाय चुनावों में जनसमर्थन हासिल करने के लिये नयी रणनीति के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में है। इसके लिये पूरे राज्य में जोन वार बैठकों का सिलसिला शुरू हो चुका है।

पार्टी सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इन बैठकों में ब्लॉक स्तर तक के सभी विभागों, प्रकोष्ठों, के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। निकाय चुनाव सम्बन्धित होने वाली मीटिंगों के लिए पार्टी ने सात जोन चिन्हित किये हैं जिसमें एक जोन लखनऊ में ये मीटिंग संपन्न हो चुकी है। आगामी 24 मई को बरेली और 25 मई को मेरठ और जालौन में होने वाली है।

उन्होने बताया कि निकाय चुनाव लड़ने के लिए कुछ मानक तैयार किये हैं, पार्टी, चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक लोगों से आवेदन फॉर्म भरवाने की प्रक्रिया अपना रही है, इस आवदेन के साथ चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति को अपने समर्थन के लिए उचित संख्या में लोगों को जुटाना होगा और उनका पूर्ण विवरण फॉर्म में लिखनी होंगी। यह संख्या अभी तक 300 रखी गयी है।

सूत्रों ने बताया कि पार्टी ने चुनाव लड़ने के लिए एक लम्बा चौड़ा प्लान तैयार किया है जिसको मीटिंग में सभी लोगों के सामने रखा जा रहा है।

इस प्लान में कांग्रेस की पुराने चुनावों में क्या स्थिति थी और उसका विश्लेषण है। साथ ही साथ इस प्लान में ये भी बताया जा रहा है कि पार्टी पहले किन-किन जगहों पर कमज़ोर रही और उसको कैसे सुधार सकते हैं। इस प्लान में पार्टी ने निकाय चुनाव जीतने के लिए कुछ बिन्दु भी तैयार किये हैं जो कि जनता से सर्वे करके और कुछ खास विशेषज्ञों से बात करके बनाये गए हैं। साथ ही साथ पार्टी ने सोशल मीडिया पर विशेष ध्यान देते हुए आउटरीच को तीन से चार गुना बढ़ाने का प्लान किया है। इसके लिए हर बूथ पर पार्टी ने एक व्हाट्सएप्प ग्रुप बनाने का निर्णय किया है और इन ग्रुप को सुचारु रूप से चलाने के लिए ख़ास टीम तैयार की जा रही है। सोशल मीडिया के अन्य माध्यम जैसे फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम के लिए पार्टी ने कुछ ख़ास प्लान तैयार किये हैं।

उन्होने बताया कि पार्टी इस बार चुनाव लड़ाने के लिए वार्ड प्रभारी भी नियुक्त करेगी और जिला स्तर तक की शिकायत निवारण समिति भी बनाने वाली है।

श्रावस्ती : दरगाह से लौट रही जायरीनों से भरी पलटी, एक की मौत, 21 घायल

श्रावस्ती। श्रावस्ती जिले में दरगाह मेले से लौट रहे जायरीनों की पिकप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे खड्ड में पलट गई। इसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 21 जायरीन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां से उन्हें बहराइच रेफर कर दिया गया।

बौद्ध परिपथ श्रावस्ती होते हुए एक पिकप में सवार संत कबीरनगर जिले के 30 जायरीन दरगाह मेला से वापस जा रहे थे।

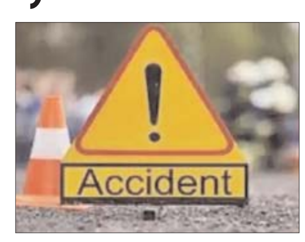

नवीन मार्डन थाना क्षेत्र के खरगौरा बस्ती स्थित पेट्रोल पंप के पास पास अचानक चालक को झपकी आ गई। इससे पिकप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्ड में जाकर पलट गई। इस हादसे में पिकप पर सवार 21 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि अलाउद्दीन पुत्र बुधई उम्र 26 वर्ष ग्राम कैथुलिया थाना साफा जिला संतकबीर नगर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आस पास का माहौल चीख पुकार में बदल गया। लोग रोते चिल्लाते मदद की गुहार लगा रहे थे।

लोगों की आवाज सुनकर आस पास के ग्रामीणों की नींद टूट गई और लोग घटनास्थल पहुंच गए। लोगों की ओर से पुलिस को सूचना दी गई। इस पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और लोगों को बाहर निकलवाया। जिसमें अलाउद्दीन की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने एंबुलेंस से सभी घायलों को सीएचसी इकौना भेजवाने के साथ ही मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर सीएचसी इकौना में भर्ती सभी घायलों की हालत गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया।

बताया जाता है कि पिकप में सवार सभी 30 जायरीन संतकबीर नगर जनपद के थाना साफा के ग्राम कैथुलिया के रहने वाले हैं। सभी बहराइच दरगाह शरीफ गए थे। देर रात सभी देर रात घर वापस जा रहे थे। सूत्रों की माने तो पिकप में कुछ ऊंचाई पर पटरा लगाकर उसे दो छत्ती में तब्दील किया गया था। आधे लोग नीचे तो आधे लोग ऊपर वाले हिस्से में बैठे थे और वाहन भी ओवरलोड था।

घर में माहवारी पर होनी चाहिए खुलकर बात : स्वाती सिंह

स्वीडन के वैज्ञानिक का स्वाती फाउंडेशन ने किया सम्मान

प्रयागराज। हमारे जीवन की शुरुआत हमारी मां से होती है और हमारी यही नारी, महिला, बेटी, बहन, जिंदगी भर संकोच में अपनी माहवारी की बात और उससे होने वाली परेशानी व जटिलताओं को संकोच में छुपा कर जीती रहती है। हमारे समाज में माहवारी पर बात करना आज भी एक सामाजिक धब्बा माना जाता है, जबकि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसको आज हर पुरुष ,अभिभावक और माता पिता को खुलकर अपने बच्चों के साथ इस विषय पर बात करना जरूरी है।

आज यह बात स्वाती फाउंडेशन की संस्थापक पूर्व मंत्री स्वाति सिंह ने प्रयागराज के प्लासिड होटल में आयोजित नारी अस्मिता एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित संगोष्ठी में कही , पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आंकलन उसकी सामाजिक व्यवस्था में महिलाओं की स्थिति के आधार पर किया जाता है।

संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के तौर पर आए हुए स्वीडन के वैज्ञानिक डॉ राम शंकर उपाध्याय ने कहा कि स्वाती

फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों का उन्होंने स्वयं उत्तर प्रदेश में भ्रमण एवं कार्य करते हुए अवलोकन किया है स्वाति फाउंडेशन के संकल्पित एवं सक्रिय कार्य प्रणाली को देखते हुए वह स्वयं इस फाउंडेशन से जुड़कर भारतीय महिलाओं की सामाजिक के लिए सहर्ष काम करना चाहते हैं, उन्होंने बताया कि वह फाउंडेशन के महिला सशक्तिकरण, माहवारी स्वच्छता कार्यक्रम के लिए अपनी विशेषज्ञ परामर्श भूमिका के दायित्व के लिए अपनी स्वीकृति जाहिर करते हैं .

डॉक्टर राम ने सभी को जागरूक करते हुए बताया कि भारतीय महिलाओं में बहुत तेजी से बढ़ने वाला सर्वाइकल कैंसर जिसको आम भाषा में गर्भाशय का कैंसर कहते हैं एवं ओवेरियन कैंसर एवं ब्रेस्ट कैंसर की आधुनिक जांच प्रणाली प्रदान करने के लिए स्वाती फाउंडेशन के साथ इस सामाजिक कार्य में उनकी मदद हमेशा करते रहेंगे।

मुख्य अतिथि जस्टिस पीयूष अग्रवाल ने स्वाती फाउंडेशन की माहवारी विषय पर इस जागरूकता की मुहिम व खास तौर से पुरुषों और पूरे परिवार की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बड़ी सरलता और सार्थकता से समझाएं गए व्याख्यान पर उनकी तारीफ करते हुए प्रयागराज में भी सामाजिक कार्यकर्ता डॉ अर्चना सिंह द्वारा चलाए जा रहे महिला सशक्तिकरण जागरूकता अभियान के लिए उंनका आभार जताया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर आई हुई मेयर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने गागर में सागर भरा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के धरती पर हमें गंगा मां का आशीर्वाद सदियों से मिलता आ रहा है, जिसके बावजूद अगर हम आज भी नारी की समस्याओं को पूरी तरह सुलझा नहीं पाते हैं तो यह बहुत पिछड़ी हुई बात होगी। मोदी सरकार ने सारी योजनाओं को महिलाओं पर केंद्रित करके ही बनाकर यह बता दिया है कि नारी आज हमारे समाज में सबसे सर्वोपरि है। इसके साथ ही उन्होंने स्वाति फाउंडेशन और डॉक्टर राम शंकर की बातों को सबसे अमल में लाकर स्वास्थ्य के प्रति दिए हुए टिप्स को दैनिक जीवन में उतारने की बात कही। कार्यक्रम में डॉक्टर अर्चना सिंह ने अमूल्य योगदान दिया और सबको धन्यवाद ज्ञापित किया,फाउंडेशन की सहयोगी संस्था कमला ग्राम विकास संस्थान के अजीत सिंह ने संगोष्ठी का सफल संचालन किया और डॉक्टर राम उपाध्याय सहित आए हुए विशिष्ट जनों को सम्मानित भी किया।

सरकार हर मुद्दे पर सार्थक और सारगर्भित चर्चा के लिए तैयार : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 18वीं विधानसभा के पहले सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण से पूर्व कहा कि सरकार प्रदेश के विकास, गरीबों, किसानों, नौजवानों और आधी आबादी के हितों के लिए किसी भी प्रकार की चर्चा और परिचर्चा के लिए सदैव तैयार है।

उन्होने कहा कि स्वभाविक रूप से सभी सदस्यों को सदन में अपनी बात रखने का मौका मिलेगा, लेकिन सदस्य अपनी बात को तभी रख पाएंगे, जब उस प्रकार का माहौल सदन के अंदर विपक्ष बनाने में अपना योगदान देगा। सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने और हर सदस्य की ओर से उठाए जाने वाले मुद्दे को एक सार्थक और सारगर्भित चर्चा के साथ उत्तर देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वभाविक रूप से सबसे बड़ी विधानसभा होने के नाते उत्तर प्रदेश विधानसभा में जो भी कार्य होंगे, उसकी चर्चा देश के अन्य राज्यों में भी होगी, जो आचरण यहां पर सदस्यों का होगा, उसकी न केवल 25 करोड़ लोगों के बीच में, बल्कि अन्य जगहों पर भी चर्चा होगी। इसलिए कोई भी ऐसा आचरण न हो, जो सदस्यों और गरिमा के विरुद्ध हो।

उन्होंने कहा मैं विश्वास के साथ कहता हूं कि पिछले तीन वर्ष में राज्यपाल का मार्गदर्शन प्रदेश के विकास और लोक कल्याण के लिए प्राप्त हुआ है। सभी सदस्य आज उनके अभिभाषण और मार्गदर्शन प्राप्त करके न केवल पिछली उपलब्धियों को, बल्कि भावी कार्य योजना को भी सदन में चर्चा परिचर्चा का विषय बनाएंगे। गंभीर और प्रभावी बहस के माध्यम से देश की सबसे बड़ी विधानसभा के गौरव और गरिमा में वृद्धि करने में अपना योगदान देंगे।

श्री योगी ने सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोक कल्याण, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, गरीब कल्याण और उत्तर प्रदेश के समग्र विकास के लिए हमने जो कार्य किए हैं, उन सब पर चर्चा और भावी योजनाओं पर भी चर्चा का सदन मंच होता है और राज्यपाल का अभिभाषण उसी प्रति ध्वनि को प्रदर्शित करने का भी एक माध्यम होता है, जिसमें खुली चर्चा होती है। सदस्य शोरगुल छोड़कर चर्चा में भाग लेंगे, तो बहुत सारी चीजें सामने आएंगी और उसका लाभ प्रदेश वासियों को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का वित्त वर्ष 2022-23 का बजट इसी सत्र में 26 मई को आएगा।

कन्नौजः मामा ने पहले भांजे की हत्या की फिर खून से सनी कुल्हाड़ी लेकर थाने पहुंचा

कन्नौज। कन्नौज के सौरिख थाना क्षेत्र में सोमवार को एक व्यक्ति ने अपने ही भांजे की हत्या कर दी और खुद ही थाने पहुंच गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार सोमवार की सुबह ग्राम दरिया नगला निवासी सूरजपाल हाथ में खून से सनी कुल्हाड़ी लेकर सौरिख थाने में पहुंचा। सूरजपाल ने थानाध्यक्ष को बताया कि उसने विवाद में अपने भांजे सुनील कुमार (32) की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार सुनील कुमार मैनपुरी जिले के एलाऊ थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी भीकम सिंह का पुत्र था। आरोपी सूरजपाल के हवाले से पुलिस ने बताया कि सुनील कुमार बचपन से ही अपने ननिहाल में था और उसका पिता भीकम सिंह अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में जेल में बंद है।

भीकम सिंह की तबीयत खराब होने की वजह से उसे कानपुर के हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिसे सूरजपाल देखने जाना चाहता था, लेकिन सुनील ने उसे रोक दिया। इसी बात पर दोनों के बीच लड़ाई हुई और मामा ने अपने भांजे की हत्या कर दी। इसके बाद वह थाने पहुंचा और खुद घटना की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा ने बताया कि हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

शार्ट न्यूज

रुपया 15 पैसे चढ़ा

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर पड़ने से मिलने समर्थन के बल पर आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 15 पैसे की छलांग लगाकर 77.55 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पिछले सत्र में रुपया 77.70 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 77.69 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका निचला स्तर भी रहा। सत्र के दौरान यह 77.51 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। अंत में यह 77.55 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

स्थापना के 50वें वर्ष में सेल ने जारी किया कंपनी का विशेष प्रतीक चिन्ह

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने स्थापना के 50वें वर्ष में अपना विशेष प्रतीक चिन्ह (लोगो) जारी किया है। सेल की स्थापना 24 जनवरी 1973 हुई थी। सेल ने अपने पचास साल की इस विरासत को यादगार बनाने के लिए आज एक स्मारक लोगो जारी किया है, जिसके बाद देश भर में स्थित कंपनी के संयंत्रो और इकाईयों में पूरे साल अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर जारी किया गया स्मारक लोगो का डिजाइन, कंपनी के मूल लोगो को बरकरार रखने के साथ, कंपनी की पचास साल की इस यात्रा की भावनाओं को बड़ी खूबसूरती से संजोये हुए है। यह लोगो, सेल की अध्यक्ष श्रीमती सोमा मण्डल ने आज यहां कंपनी के निदेशकों की मौजूदगी में जारी किया। यह उपलब्धि अनेक साल से देश के निर्माण में हितधारकों की बेहतर भागीदारी और योगदान सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के निरंतर प्रयासों और पहलों का प्रमाण है।

भारत और अमेरिका ने किया निवेश प्रोत्साहन करार

टोक्यो। भारत और अमेरिका ने आज यहां निवेश प्रोत्साहन करार (आईआईए) किया। भारत के विदेश सचिव विनया क्वात्रा और अमेरिका के यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कार्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्कॉट नाथन ने इस करार पर हस्ताक्षर किये। आज का यह करार वर्ष 1997 में किये गये आईआईए का स्थान लेंगा। वर्ष 1997 में किये गये करार के बाद से बहुत से बदलाव आये हैं और इसको ध्यान में रखते हुये पुराने करार में कुछ अह्म बदलाव किये गये हैं। अमेरिका के नये डीएफसी के साथ फिर से करार करने की वैधानिक बाध्यता थी और भारत को निवेश सहयोग जारी करने के लिए भी यह जरूरी था। डीएफसी या उसकी पुरानी एजेंसियों वर्ष 1974 से भारत में सक्रिय है और अब तक 5.8 अरब डॉलर का सहयोग किया जा चुका है जिसमें 2.9 अरब डॉलर का सहयोग अभी मिलना शेष है।

अकासा एयर सेवा शुरू करने को तैयार

नयी दिल्ली। अरबपति निवेशक राकेश झुनझुनवाला की अकाशा एयर ने सोमवार को अपने पहले विमान के चित्र का अनावरण करते हुए संकेत दिया है कि कंपनी जल्द ही भारतीय विमानन सेवा क्षेत्र में अपना परिचालन शुरू करने जा रही है। यह बोइंग 737 श्रेणी का विमान है। कंपनी ने एक तस्वीर के साथ ट्विटर पर लिखा,अब सब्र नहीं रख सकते, हमारे क्यूपी-पाई का स्वागत कीजिए। अकासा एयरलाइन इस वर्ष के जुलाई में अपनी पहली वाणिज्यिक उड़ान शुरू करने की योजना बना रही है। इससे पहले कहा गया था कि एयरलाइन का कोड क्यूपी होगा। एसएनवी एविएशन के ब्रांड अकासा एयर ने नवंबर 2021 में करीब 9 अरब डॉलर में 72 बोइंग 737 मैक्स हवाईजहाजों की खरीद का ऑर्डर दिया था। वह एयरलाइन ने 737 मैक्स के दो मॉडलों- 737-8 और उच्च क्षमता वाले 737-8-200 विमान खरीदने वाली है। विमानन क्षेत्र में अकासा एयर के आ जाने से घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है और उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिल सकता है। वर्ष 2019 में परिचालन बंद करने वाली जेट एयरवेज इस वर्ष के सितंबर तक दोबारा उड़ानें शुरू करने के लिए तैयारी कर ली है। कंपनी ने विमानन नियामक महानिदेशालय (डीजीसीए) से उड़ान परमिट का नवीनीकरण करा लिया है।

व्हाट्सऐप के 'माई जीओवी' हेल्पडेस्क पर अब डिजिलॉकर सेवायें

नयी दिल्ली। सरकारी सेवाओं को सुलभ, समावेशी, पारदर्शी और सरल बनाने के लिए माई जीओवी ने आज घोषणा की है कि व्हाट्सऐप के माई जीओवी हेल्पडेस्क पर नागरिक अब डिजिलॉकर सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। यहां जारी बयान में कहा कि सभी सुविधाएं जैसे डिजिलॉकर खाते को बनाना और प्रमाणित करना, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज डाउनलोड करना आदि सभी कुछ व्हाट्एसेप पर उपलब्ध हैं। सरकार डिजिटल इंडिया के माध्यम से ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है और व्हाट्सऐप पर उपलब्ध माई जीओवी हेल्पडेस्क के द्वारा सभी नागरिकों तक सरकारी सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए यह एक बड़ा कदम है। माई जीओवी हेल्पडेस्क, अब डिजिलॉकर सेवाएं, एकीकृत नागरिक सहायता और कुशल शासन जैसी कई सेवाएं प्रदान करेगा। यह नई सेवाएं नागरिकों को अपने घर से ही पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, सीबीएसई दसवीं कक्षा का उत्तीर्ण प्रमाण पत्र, वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी), बीमा पॉलिसी - दोपहिया वाहन, दसवीं कक्षा की मार्कशीट, बारहवीं कक्षा की मार्कशीट, बीमा पॉलिसी दस्तावेज (डिजीलॉकर पर उपलब्ध लाइफ तथा नॉन-लाइफ पॉलिसी) का माई जीओवी हेल्पडेस्क पर डिजिलॉकर के माध्यम से उपयोग कर सकते हैं देश भर में व्हाट्सऐप उपयोगकर्ता 9013151515 पर नमस्ते या हाय या डिजिलॉकर भेजकर चैटबॉट का उपयोग कर सकते हैं।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में जबरदस्त तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर आवक के बराबर उठाव नहीं होने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा वहीं चना, चना दाल और मूंग दाल के भाव गिर गए जबकि अन्य जिंसों में टिकाव रहा। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 151 रिंगिट उबलकर 6840 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 0.90 सेंट महंगा होकर 81.83 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सोया रिफाइंड 146 रुपये और वनस्पति तेल 293 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया जबकि सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान चना 100 रुपये, चना दाल 100 रुपये और मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल उतर गई वहीं मसूर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में टिकाव रहा। अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबार दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन : चना 4400-4500,दाल चना 5400-5500, मसूर काली 8600-8700, मूंग दाल 8700-8800, उड़द दाल 9900-10000, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2270-2370 रुपये और चावल : 2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

भारत और अमेरिका ने किया निवेश प्रोत्साहन करार

टोक्यो। भारत और अमेरिका ने आज यहां निवेश प्रोत्साहन करार (आईआईए) किया। भारत के विदेश सचिव विनया क्वात्रा और अमेरिका के यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कार्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्कॉट नाथन ने इस करार पर हस्ताक्षर किये। आज का यह करार वर्ष 1997 में किये गये आईआईए का स्थान लेंगा। वर्ष 1997 में किये गये करार के बाद से बहुत से बदलाव आये हैं और इसको ध्यान में रखते हुये पुराने करार में कुछ अह्म बदलाव किये गये हैं। अमेरिका के नये डीएफसी के साथ फिर से करार करने की वैधानिक बाध्यता थी और भारत को निवेश सहयोग जारी करने के लिए भी यह जरूरी था। डीएफसी या उसकी पुरानी एजेंसियों वर्ष 1974 से भारत में सक्रिय है और अब तक 5.8 अरब डॉलर का सहयोग किया जा चुका है जिसमें 2.9 अरब डॉलर का सहयोग अभी मिलना शेष है।

कोविड-19 से निपटने के लिए इंडिया एक्ज़िम बैंक और जेबिक में 10 करोड़ डॉलर का ऋण करार

नयी दिल्ली। भारतीय निर्यात-आयात बैंक (इंडिया एक्ज़िम बैंक) ने कोविड-19 महामारी से संबंधित भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को सहयोग करने के लिए जापान बैंक फॉर इंटरनैशनल कॉपरेशन (जेबिक) के साथ 10 करोड़ डॉलर के ऋण का करार किया है।

इंडिया एक्ज़िम बैंक की प्रबंध निदेशक हर्षा बंगारी ने जापान बैंक फॉर इंटरनैशनल कॉपरेशन के इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड एन्वायर्नमेंट फायनैंस ग्रुप के प्रबंध कार्यकारी अधिकारी और ग्लोबल हेड माकोतो उचिदा के साथ यह ऋण सुविधा करार किया है।

बैंक ने यहां जारी बयान में बताया कि टोक्या में चल रहे क्वाड सम्मेलन के इतर वहां यह किया गया है। बैंक ने यह ऋण करार तीन और जापानी निजी वित्तीय संस्थाओं के साथ मिलकर किया है। ये संस्थाएं हैं- एमयूएफजी बैंक लिमिटेड, बैंक ऑफ क्योटो लिमिटेड और हाचीजुनी बैंक लिमिटेड। इन निजी वित्तीय संस्थाओं द्वारा सह-वित्तपोषित हिस्से के लिए जेबिक द्वारा गारंटी भी दी जाएगी। इस ऋण सुविधा का उद्देश्य कोविड-19 से मुकाबले के लिए भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को सहयोग करने के साथ-साथ, टीका विनिर्माताओं, फार्मासूटिकल कंपनियों, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) विनिर्माताओं, चिकित्सा ऑक्सीजन या अन्य मेडिकल डिवाइस विनिर्माताओं और अस्पतालों तथा संबंधित अन्य गतिविधियों को सहयोग करना है।

इस क्षेत्र की बाजार जरूरतों को बेहतर तरीके से समझने के लिए, इंडिया एक्ज़िम बैंक ने भारतीय औषधि निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेक्सिल) के साथ मिलकर जुलाई 2021 में एक वर्चुअल सम्मेलन आयोजित किया। इसमें जेबिक और भारत की कुछ सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा और फार्मासूटिकल कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) ने हिस्सा लिया। भारत में इस तरह की कंपनियों के लिए उपलब्ध फंडिंग सुविधाओं के और अधिक प्रचार-प्रसार के मकसद से इंडिया एक्ज़िम बैंक ने सितंबर 2021 में फार्मेक्सिल के साथ मिलकर एक वेबिनार भी आयोजित किया।

इस ऋण सुविधा के जरिए इंडिया एक्ज़िम बैंक और जेबिक, भारत में कोविड-19 के टीकों और संबंधित फार्मासूटिकल तथा स्वास्थ्य सेवा संबंधी उत्पादों के सुरक्षित और प्रभावी विनिर्माण को विस्तार देने की दिशा में संयुक्त रूप से काम करेंगे। इंडिया एक्ज़िम बैंक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र और फार्मासूटिकल वैल्यू चेन में सभी खंडों को सहयोग प्रदान करता रहा है। बैंक ने इन क्षेत्रों में कंपनियों की घरेलू विस्तार परियोजनाओं को सहयोग प्रदान करने के अलावा, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में विभिन्न भारतीय कंपनियों के वैश्वीकरण के प्रयासों में भी मदद की है। बैंक ने फार्मासूटिकल कंपनियों और बायोसिमिलर / बायोफार्मा कंपनियों को भी सहयोग प्रदान किया है।

इसके अतिरिक्त, इंडिया एक्ज़िम बैंक अनुसंधान एवं विकास, नए उत्पाद विकास और अन्य संबंधित क्षेत्रों में भी सहयोग प्रदान करता रहा है।

सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार में गिरावट

मुंबई। वैश्विक बाजार की तेजी के बावजूद ऊंचे भाव पर धातु, बेसिक मैटेरियल्स, ऊर्जा, हेल्थकेयर, दूरसंचार, यूटिलिटीज, रियल्टी और तेल एवं गैस समेत 11 समूहों में हुई बिकवाली से आज कारोबार के पहले दिन शेयर बाजार में गिरावट रही।

धातु समूह में आठ प्रतिशत से अधिक के भूचाल ने शेयर बाजार में दबाव बनाया, जिससे बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 37.78 अंक फिसलकर 54288.61 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 51.45 अंक टूटकर 16214.70 अंक पर आ गया। इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में अधिक बिकवाली हुई, जिससे बीएसई का मिडकैप 0.26 प्रतिशत गिरकर 22,449.32 अंक और स्मॉलकैप 0.64 प्रतिशत उतरकर 26,182.06 अंक पर रहा।

बीएसई में कुल 3577 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1988 में गिरावट जबकि 1420 में तेजी रही वहीं 169 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 25 कंपनियों में बिकवाली जबकि शेष 25 में लिवाली हुई।

इस दौरान बीएसई के 11 समूह लुढ़क गए। धातु समूह में सबसे अधिक 8.33 प्रतिशत की गिरावट रही। इसके अलावा बेसिक मैटेरियल्स 4.08, ऊर्जा 1.47, हेल्थकेयर 1.03, दूरसंचार 1.03, यूटिलिटीज 1.12, तेल एवं गैस 1.74, पावर 0.95 और रियल्टी समूह के शेयर 1.15 प्रतिशत गिर गए।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.85, जर्मनी का डैक्स 0.49, जापान का निक्केई 0.98 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.01 प्रतिशत चढ़ गया जबकि हांगकांग के हैंगसेंग में 1.19 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 134 अंक की तेजी के साथ 54,459.95 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली के दबाव में आ गया। लिवाली शुरू होने से यह लगातार बढ़ता हुआ दोपहर बाद 54,931.30 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि कारोबार के अंतिम चरण में अचानक हुई बिकवाली से यह 54,191.55 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 54,326.39 अंक के मुकाबले 0.07 प्रतिशत फिसलकर 54,288.61 अंक पर रहा।

निफ्टी भी 25 अंक बढ़कर 16,290.95 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 16,414.70 अंक के उच्चतम जबकि 16,185.75 अंक के न्यूनतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,266.15 अंक की तुलना में 0.32 प्रतिशत गिरकर 16,214.70 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की 10 कंपनियों में गिरावट जबकि शेष 20 में तेजी रही। टाटा स्टील ने सबसे अधिक 12.53 प्रतिशत का नुकसान उठाया जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सर्वाधित 4.14 प्रतिशत की बढ़त पर रहे। गिरावट पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में आईटीसी 1.93, पावरग्रिड 1.72, एचडीएफसी 1.40, एचडीएफसी बैंक 1.35, रिलायंस 0.62, एसबीआई 0.34 और भारती एयरटेल 0.23 प्रतिशत शामिल रही।

एग्रोस्टार ने शुरू की बीज, उर्वरक की गुणवत्ता की जांच के लिए लैब

एजेंसी

पुणे। डिजिटल किसान नेटवर्क और किसानों के लिए शुरू से अंत तक समाधान प्रदाता एग्रोस्टार ने यहां देश के सबसे बड़े कृषि सलाहकार केंद्र तथा बीज और उर्वरक की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लैब (प्रयोगशाला) की शुरुआत की है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि एग्रोस्टार क्वालिटी एश्योरेंस लैब (एक्यूएएल) का उद्देश्य किसानों को प्लेटफॉर्म के माध्यम से सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली जानकारी प्रदान करना है। इस लैब में बीज परीक्षण के लिए आईएसटीए (इंटरनेशनल सीड टेस्टिंग एसोसिएशन) के नियमों और उर्वरक परीक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत उन्नत उपकरण मौजूद हैं।

लैब में बीज प्रौद्योगिकी,बीज विश्लेषक, गुणवत्ता नियंत्रण पेशेवर और रसायन विज्ञान गुणवत्ता विश्लेषक समेत योग्य पेशेवर लोगों की टीम है।

एग्रोस्टार के कृषि समाधान और नियामक मामलों के उपाध्यक्ष देवराज आर्य ने कहा, बीज की गुणवत्ता फसल की उपज का समग्र मूल्य निर्धारित करती है। कम गुणवत्ता वाले बीज खराब अंकुरण और कमजोर फसल का कारण बन सकते हैं और जिससे फसल की पैदावार प्रभावित होती है, जो किसान की संभावित आय पर नकारात्मक प्रभाव डालती है।

उन्होंने कहा, हमारी लैब किसानों को उत्पादों की आपूर्ति करने से पहले बीज और उर्वरकों की सही गुणवत्ता का निर्धारण करेगी।

एक्यूएएल हमारे किसानों को उर्वरकों और फसल पोषण के उच्च गुणवत्ता के उत्पादों की आपूर्ति के लिए फसल पोषण उत्पादों (उर्वरक और सूक्ष्म पोषक तत्वों) का परीक्षण भी सुनिश्चित करेगा और बाद में हम कीटनाशक विश्लेषण के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार करेंगे।

एसबीइाई के ग्राहकों के लिए खुशखबरी, घर बैठे मिलेगा 35 लाख रुपये तक का लोन

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहकों के लिए एक बड़ी अपडेट है। बैंक ने सोमवार को ऐलान किया कि अब योनो प्लेटफॉर्म पर 35 लाख रुपये तक का पर्सनल लोन पा सकते हैं। बैंक ने रियल टाइम एक्सप्रेस क्रेडिट सुविधा की शुरुआत की है। इसका फायदा सिर्फ कुछ ग्राहकों को ही मिलेगा। इस सर्विस की शुरुआत पर बैंक ने कहा वेतनभोगियों के लिए पर्सनल लोन की एक्सप्रेस क्रेडिट सुविधा अब डिजिटल अवतार में आ गया है। ग्राहक इसका फायदा योनो के जरिए उठा सकेंगे। यह पूरी तरह से पेपरलेस सुविधा होगी। रियल टाइम एक्सप्रेस क्रेडिट के जरिए सेन्ट्रल, स्टेट गवर्नमेंट और डिफेंस सर्विसेज के कर्मचारियों को पर्सनल लोन के लिए एसबीआई के ब्रांच जाने की जरुरत नहीं है। क्रेडिट चेक, योग्यता और अन्य डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन जैसे काम घर बैठे किए जा सकेंगे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के चेयरमैन दिनेश खारा कहते हैं, हमें अपने योग्य वेतनभोगी ग्राहकों के लिए रियल टाइम एक्सप्रेस क्रेडिट लोन की सुविधा की शुरुआत योनो पर करके खुशी हो रही है। एक्सप्रेस क्रेडिट के जरिए ग्राहक डिजिटल, पेपरलेस और आसानी से लोन की प्रक्रिया पूरी कर पाएंगे। हम सबीआइ में लगातार टेक्नालॉजी के जरिए ग्राहकों के लिए बैंकिंग सुविधा को सरल बना रहे हैं।

बायर ने लांच किया एंटी फंगल उत्पाद

नयी दिल्ली। बायर के उपभोक्ता स्वास्थ्य इकाई ने केनेस्टेन नाम से भारत में अपने एंटी-फंगल समाधानों को पेश कर अपने डर्मेटोलॉजी पोर्टफोलियो के विस्तार की घोषणा की है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह उत्पाद पाउडर और क्रीम फॉर्मेट में उपलब्ध है और इसमें अनेक एंटी-फंगल गुण मौजूद हैं, जो त्वचा के संक्रमणों की रोकथाम और इलाज में मदद करते हैं। केनेस्टेन त्वचा के संक्रमण को नियंत्रित करने वाला एक फुल-साइकल फार्मूलेशन है, जो खुजली से राहत देता है और संक्रमण को फैलने से रोकता है।20 से 35 वर्ष की आयु की भारतीय महिलाओं में फंगल इंफेक्शंस के मामलों को समझने के लिये केनेस्टीन ने एक अध्ययन शुरू किया था।

इस अध्ययन को ब्राण्ड ईजन इनसाइट्स ऐंड एनालीटिक्स ने भारत के सभी भागों में शहरी महिलाओं पर अप्रैल-मई 2022 में संचालित किया था। इसमें पाया गया कि पिछले एक साल में 94 प्रतिशत महिलाओं को कोई-न-कोई फंगल इंफेक्शन हुआ था। सबसे आम तौर पर 61 प्रतिशत महिलाओं को खुजली के रूप में एंटी-फंगल इंफेक्शन हुआ था और इन पीड़िताओं में से 67 प्रतिशत इसे सबसे ज्यादा प्राथमिकता देना चाहती हैं। लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं ने इस इंफेक्शन के तुरंत उपचार के तौर पर प्रिकली हीट / टेलकम पाउडर का इस्तेमाल किया। हालाँकि, 75 प्रतिशत महिलाओं ने अपनी फंगल संक्रमणों के समाधान के तौर पर साबुन या एंटीसेप्टिक लिक्विड या घरेलू नुस्खों को अपनाया।

बायर कंज्यूमर हेल्थ इंडिया के कंट्री हेड संदीप वर्मा ने कहा बायर में हमलोग सभी भारतीय लोगों के लिए आत्म-देखभाल को सुलभ बनाने की अपनी दूरदृष्टि पर लगातार काम कर रहे हैं। स्त्रियों को, और विशेषकर कामकाजी स्त्रियों को भारत के उष्ण-आर्द्र मौसम में त्वचा में फंगल संक्रमण की अधिक आशंका रहती है। लक्षणों की शीघ्र पहचान, निदान और उपचार से आराम मिल सकता है, दोबारा समस्या होने की आशंका कम होती है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। इस समस्या को संबोधित करने के लिए हमने भारत में अपना सर्वश्रेष्ठ वैश्विक समाधान प्रस्तुत किया है। इस समाधान को पूरे विश्व में लाखों महिलाओं का पहले ही से भरोसा प्राप्त है। हम महिलाओं को परेशान होना और त्वचा के फंगल संक्रमणों को छिपाना बंद करने और इसके बदले कैनेस्टेन से उनका उपचार करने तथा अपनी ज़िंदगी भरपूर जीने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नयी दिल्ली। देश में पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि ना होने से सोमवार को दाम स्थिर रहे। केंद्र सरकार के ईंधन पर उत्पाद शुल्क घटाने के बाद बीते दिन ईंधन के दामों में बड़ी गिरावट दर्ज की गयी थी।

इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमश: 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को ईंधन पर उत्पाद शुल्क घटाने की घोषणा की थी। जिसके बाद महाराष्ट्र, राजस्थान और केरल ने पेट्रोल-डीजल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) को कम करने की घोषणा करते हुए राज्यों के लोगों को राहत प्रदान की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार घट-बढ़ जारी है। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.56 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 113.18 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.38 प्रतिशत बढ़कर 110.70 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। जिससे 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की गयी। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी थी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आखिरी बार 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी 06 अप्रैल को गयी थी। जिसके बाद 45 दिनों तक इसके दाम स्थिर रहे।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले, केंद्र सरकार ने 03 नवंबर 2021 को पेट्रोल पर 10 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 5 रुपये प्रति लीटर का उत्पाद शुल्क घटाया था। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

केटीएम की दिल्ली में एडवेंचर एकेडमी

नयी दिल्ली। भारत की सबसे तेजी से बढ़ रहे प्रीमियम मोटरसाइकिल ब्रांड केटीएम ने दिल्ली में केटीएम एडवेंचर एकेडमी का आयोजन किया है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि केटीएम एडवेंचर एकेडमी एक क्लोज्ड-सर्किट कार्यक्रम है, जिसे केटीएम अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में विशेष रूप से डिजाइन किया गया है और इसका संचालन केटीएम के उस्ताद प्रशिक्षकों द्वारा किया जाता है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य केटीएम एडवेंचर रेंज के मालिकों को महत्वपूर्ण ट्रेल राइडिंग और ऑफ-रोडिंग कौशल का प्रशिक्षण प्रदान करना है। एडवेंचर एकेडमी के इस संस्करण का संचालन थ्रोटल शोटल मोटो रैंच, दिल्ली में किया गया। उत्कृष्ट और बाइकिंग-पक्षीय अनुभव प्रदान करने के लक्ष्य के साथ आयोजित इस कार्यक्रम को जबरदस्त समर्थन मिला। इस कार्यक्रम में केटीएम एडवेंचर के ग्राहकों ने भाग लिया। उनसे अपनी ऑफ-रोडिंग कुशलताओं को बेहतर बनाने और खुद में छिपे एडवेंचर की खोज करने के लिए अनेक प्रकार के अभ्यास कराये गए। केटीएम एडवेंचर एकेडमी की संकल्पना भारतीय राइडिंग समुदाय में एडवेंचर राइडिंग की संस्कृति फैलाने के उद्देश्य से की गई है। यह आयोजन कुछ सर्वश्रेष्ठ ऑफ-रोडिंग अभ्यासों और राइड्स के साथ अनुभवी राइडर्स को नियुक्त करेगा जबकि नौसिखिए राइडर्स को अपनी ऑफ-रोड कुशलताएं विकसित करने की दिशा में पहला कदम बढ़ाने का अवसर प्राप्त होगा। दिल्ली में इस आयोजन में ग्राहकों को विभिन्न ऑफ-रोड अभ्या सों के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया। अगले कुछ महीनों में पूरे देश में प्रमुख शहरों में नियमित रूप से केटीएम एडवेंचर एकेडमी का संचालन किया जाएगा।

मंदी पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का बड़ा बयान

बोले-दर्द कुछ समय तक रहेगा

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि उन्हें नहीं लगता कि रिकॉर्ड उच्च मुद्रास्फीति और आपूर्ति की कमी के बीच अमेरिका में आर्थिक मंदी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात आंशिक रूप से यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण पैदा हुए हैं और पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि मंदी आने वाली है।

उन्होंने टोक्यो में सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में स्वीकार किया कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में समस्याएं हैं, लेकिन कहा कि वह दूसरे देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में है। बाइडन ने कहा, जो समस्याएं हमारे यहां हैं, वो बाकी दुनिया में भी हैं... लेकिन, दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में हमारे यहां इनका असर कम है।

उन्होंने स्वीकार किया कि अमेरिकी परिवारों पर आपूर्ति में कमी और उच्च ऊर्जा कीमतों का असर पड़ रहा है।

बाइडन ने कहा कि उनकी सरकार अमेरिकी उपभोक्ताओं की तकलीफ कम करने के लिए काम कर रही है, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि तत्काल समाधान होने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि हालात ठीक होने में कुछ वक्त लगेगा।

शक्कर मजबूत, नारियल सस्ता, खाद्य तेलों में पूछपरख, दलहनों में घटबढ़, दाल सस्ती, चावल में मांग

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर मजबूत बताई गई। नारियल सस्ता बिका।खाद्य तेल मजबूत रहे। दलहन में ग्राहकी से भाव ऊपर-नीचे हुए। दाल सस्ती बिकी वहीं चावल में खरीदी सुधार लिए बताई गई।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3580 से 3620 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला तथा हल्दी में मांग रही। साबूदाना महंगा बिका।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में पूछपरख बताई गई। आज पाम तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड में उठाव बढ़ा रहा। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बताई गई इससे भाव बने रहे।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन मजबूत बताए गए। मसूर ऊंचा होकर बिका। दालों में मंदा रहा। चावल में उठाव बना बताया गया।

किराना

शक्कर 3580 से 3620 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 185 से 205 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2100 से 3700 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 115 से 165 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4850 से 5450, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6300 से 6400, रायडा 6200 से 6300 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1600 से 1620, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1545 से 1550, सोयाबीन साल्वेंट 1525 से 1530, पाम तेल 1610 से 1615 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4800 से 4825, मसूर 6800 से 6825, तुअर निमाड़ी 5500 से 6100, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6200 से 6300, तुअर (कर्नाटक) 6500 से 6600, मूंग 6300 से 6350, मूंग हल्की 5800 से 6100, उड़द 6900 से 7000, उड़द मीडियम 5500 से 6200, उड़द हल्की 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 5800 से 6300, तुअर दाल सवा नंबर 8000 से 8100, तुअर दाल फूल 8200 से 8400, तुअर दाल नई 8700 से 9400, आयातित तुअर दाल 7800 से 7900, मसूर दाल 8000 से 8300, मूंग दाल 8100 से 8400, मूंग मोगर 8600 से 8900, उड़द दाल 8300 से 8600, उड़द मोगर 9100 से 9500 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

शार्ट न्यूज

प्री-क्वार्टर में तमिलनाडु, महाराष्ट्र और पंजाब के मुक्केबाजों का दबदबा

बेल्लारी (कर्नाटक)। वी. गुनाश्री ने तमिलनाडु की चार अन्य लड़कियों के साथ कर्नाटक के बेल्लारी में इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईएसएस) में जारी 2022 सब-जूनियर गर्ल्स एंड बॉयज नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। गुनाश्री ने पंजाब की सिमरनजीत कौर के खिलाफ 46 किग्रा भार वर्ग के अंतिम-16 दौर के मैच में 3-2 से करीबी जीत दर्ज की, जबकि एन. कीर्ति जोशिया ने 44 किग्रा भार वर्ग के मुकाबले में पंजाब की एक अन्य मुक्केबाज शुकमन दीप कौर के खिलाफ एकतरफा अंदाज में 5-0 से आसान जीत हासिल की। एम. साई अबी (34 किग्रा) और एम. रोशनी (38 किग्रा) ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अरुणाचल प्रदेश की अपनी प्रतिद्वंद्वियों गिदा जनम और पार्वती को क्रमश: 5-0 और आरएससी राउंड 2 के आधार पर हराया। एसएम चार्मी (63 किग्रा) तमिलनाडु की अन्य मुक्केबाज हैं, जिन्होंने गोवा की वैश्नवी को 5-0 से मात देकर अंतिम-8 दौर में प्रवेश किया। महाराष्ट्र और पंजाब के भी चार-चार मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महाराष्ट्र के लिए सुहानी बोराडे (46 किग्रा), भक्ति कुंगडे (63 किग्रा), नव्या नवेली (52 किग्रा) और समीक्षा सोलंकी (40 किग्रा) ने दबदबा कायम रखा, जबकि शिवानी तूर (63 किग्रा), मुस्कान (54 किग्रा), रागिनी मट्टू (34 किग्रा) और पलक (38 किग्रा) पंजाब की मुक्केबाज हैं, जिन्होंने प्रभावशाली जीत के साथ अंतिम-8 दौर में प्रवेश किया।

सीने में दर्द की शिकायत के बाद मेंडिस अस्पताल में भर्ती

ढाका। सीने में दर्द की शिकायत के बाद कुसल मेंडिस को ढाका में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मेंडिस 23वें ओवर में मैदान कुछ असहज महसूस कर रहे थे। इसके बाद वह मैदान पर लेट गए। पहले मेडिकल स्टाफ़ ने उनसे बात की और तुरंत वह अपने सीने को दोनों हाथों से जकड़ते हुए मैदान के बाहर चले गए। बीसीबी डॉक्टर मंज़ूर हुसैन चौधरी ने कहा कि मेंडिस को उनकी स्थिति के उचित निदान और बेहतर प्रबंधन के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा है।चौधरी के अनुसार, मेंडिस मैच के दौरान डिहाइड्रेशन से पीड़ित थे, जो उनकी परेशानी का कारण हो सकता है। उन्होंने मेंडिस की बेचैनी के संभावित कारण के रूप में गैस्ट्रिटिस का संदेह किया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह कितने समय तक अस्पताल में रहेंगे और ढाका टेस्ट में उनकी भागीदारी किस प्रकार की होगी। मेंडिस ने चटगांव टेस्ट के पहली पारी में एक बढ़िया अर्धशतक बनाया था। इसके बाद दूसरी पारी में उन्होंने 48 रनों की तेज़ पारी खेली, जिससे श्रीलंका मैच ड्रा करने में सफल रही। पहले टेस्ट मैच की परिस्थितियां उमस के कारण काफ़ी ख़राब थीं। तमीम इक़बाल को काफ़ी क्रैंप आ रहे थे जबकि मैदानी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो को भी चौथे दिन भीषण गर्मी के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों कई बार पानी पीते हुए देखा गया था। चटगांव में दूसरे दिन शरीफुल इस्लाम के बाउंसर की चपेट में आने के बाद श्रीलंका को तेज गेंदबाज़ विश्व फर्नांडो के लिए कंकशन के विकल्प का उपयोग करना पड़ा था। उनकी जगह कसुन रजिता को टीम में शामिल किया गया था। बांग्लादेश के इस दौरे पर श्रीलंका का यह आख़िरी मैच है।

वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ एकदिवसीय श्रंखला के लिये शादाब की टीम में वापसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के शीर्ष लेग स्पिनर शादाब खान को वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रंखला के लिये 16-सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। ग्रोइन चोट के कारण शादाब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई एकदिवसीय श्रंखला से बाहर हो गये थे, मगर अब वह ऑल-राउंडर मोहम्मद नवाज़ के साथ टीम में वापसी कर रहे हैं। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चुनी गयी 21-सदस्यीय टीम की तुलना में इस बार 16-सदस्यीय टीम का चयन किया है। जिन खिलाड़ियों को बाहर रखा गया है उनमें आसिफ़ अफ़रीदी, आसिफ़ अली, हैदर अली और उस्मान कादिर का नाम शामिल है। सऊद शकील की साइनसाइटिस की सर्जरी होनी है, जिस कारण उन्हें भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता मोहम्मद वसीम ने कहा, वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ होने वाले मैच आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 क्वालिफिकेशन के लिये महत्वपूर्ण हैं, इसलिये हमने फैसला किया है कि हम अपनी टीम को ज्यादा से ज्यादा पॉइंट हासिल करने का मौका देंगे और विश्व कप में पहुंचने की अपनी दावेदारी मज़बूत करेंगे। उन्होंने कहा,हमने ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय श्रंखला के लिये उन खिलाड़ियों के बैक-अप भी चुने थे जो चोट के कारण बाहर थे। मोहम्मद नवाज़ और शादाब ख़ान जैसे खिलाड़ी अब पूरी तरह स्वस्थ्य हैं, इसलिये हम आसिफ़ अफ़रीदी और उस्मान कादिर को बाहर रख सकते हैं। हालांकि उस्मान, आसिफ़ अली और हैदर अली को हमने इस साल होने वाली टी20 श्रंखला और आईसीसी टी20 विश्व कप के लिये अपनी योजना में शामिल किया है।

ज्योति ने 100 मीटर बाधा दौड़ में तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड, जीता स्वर्ण

लीसेस्टरशायर (इंग्लैंड)। भारत की 100 मीटर बाधा धावक ज्योति याराजी ने ब्रिटेन में लोफबोरो अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स की 100 मीटर बाधा दौड़ में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। 22 वर्षीय ज्योति ने रविवार को आयोजित 100 मीटर बाधा दौड़ को 13.11 सेकंड में पूरा किया। इससे पहले ज्योति ने 10 मई को साइपरस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में यह दौड़ 13.23 सेकंड में पूरी करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। ज्योति से पहले यह रिकॉर्ड अनुराधा बिस्वाल के नाम था जिन्होंने 20 साल पहले 2002 में 13.38 सेकंड में 100 मीटर बाधा दौड़ पूरी की थी। पिछले महीने आयोजित फेडरेशन कप में, ज्योति ने 13.09 सेकंड में यह दौड़ पूरी की थी, लेकिन उनके इस प्रयास को गिना नहीं गया क्योंकि हवा 2.0 की वैध सीमा से ऊपर (2.1+) थी। दूसरी तरफ़ सिद्धांत तिंगालय ने 110 मीटर बाधा दौड़ को 13.97 सेकंड में पूरा कर दूसरा स्थान हासिल किया। साथ ही भारतीय स्प्रिंटर अमलान बोरगोहेन ने पुरुष 200 मीटर प्रतियोगिता में 21.27 सेकंड की टाइमिंग के साथ पांचवा स्थान हासिल किया। अप्रैल में हुए कोझिकोड फेडरेशन कप में असम के बोरगोहेन ने मुहम्मद असद के पोलैंड (2018) में बनाये गये 20.62 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 20.52 सेकंड में 200 मीटर दौड़ पूरी की थी। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रीय तैराक और मौजूदा बाधा धावक ग्रेससन अमलदास ने लोफबोरो इंटरनेशनल में अंडर-20 पुरुष 110 मीटर बाधा अतिथि दौड़ 13.91 सेकंड में पूरी करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

राजस्थान ने अश्विन का पूरा इस्तेमाल किया

कोलकाता। पूर्व भारतीय ऑफ़-स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2022 में रविचंद्रन अश्विन का पूरा-पूरा प्रयोग किया है। आईपीएल के इस सत्र में भारतीय ऑलराउंडर अश्विन ने गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी शानदार प्रदर्शन किया है। स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट लाइव पर बात करते हुए हरभजन ने कहा, अश्विन की चौतरफ़ा काबिलियत में भरोसा जताने के लिये राजस्थान रॉयल्स को श्रेय दिया जाना चाहिये। रॉयल्स की तरह किसी फ्रेंचाइज़ी ने अश्विन का पूरा-पूरा प्रयोग नहीं किया। किसी फ्रेंचाइज़ी ने इससे पहले अश्विन की बल्लेबाज़ी का इस्तेमाल नहीं किया था, लेकिन इस टीम ने उन्हें बल्लेबाज़ी क्रम में ऊपर भेजा है और अश्विन ने अपनी बल्लेबाज़ी से इन्हें एक मैच भी जिताया है। उन्होंने अश्विन के असली सामर्थ्य को पहचाना है। फ्रेंचाइज़ी की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिये अश्विन को भी श्रेय जाता है। हरभजन ने यह भी कहा कि रॉयल्स के प्रमुख बल्लेबाज़ जॉस बटलर टूर्नामेंट के शुरुआती हिस्से में अपने शीर्ष पर पहुंच गये थे इसलिये अब उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे। उन्होंने कहा कि बटलर को अपने मूल खेल की तरफ़ लौटना चाहिये ताकि वह क्वालिफायर में फॉर्म में आ सकें। हरभजन ने कहा, जॉस बटलर को कोलकाता की पिचों के अनुरूप ढलना होगा।

प्लेऑफ में व्यवधान की स्थिति में सुपर ओवर तय करेगा परिणाम

एजेंसी

मुंबई। आईपीएल के प्लेऑफ़ मुक़ाबलों में अगर मौसम की वजह से या तय समय में मैच नहीं हो पाता है तो सुपर ओवर से परिणाम निकाला जाएगा। अगर मैदान की स्थिति बिल्कुल भी खेलने लायक नहीं होती है तो लीग दौर में तालिका स्थिति के मुताबिक परिणाम निकाला जाएगा। आईपीएल ने एक प्रेस नोट में इस बात की पुष्टि की।

कोलकाता के ईडन गार्डेंस में 24 मई को गुजरात टाइटंस का सामना पहले क्वालीफ़ायर 1 में राजस्थान रॉयल्स से होगा। वहीं अगले दिन यहीं पर लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच एलिमिनेटर खेला जाएगा।

कम से कम सप्ताह के पहले कुछ दिनों के लिए शहर के लिए ख़राब मौसम का पूर्वानुमान है। इससे निर्धारित समय में मैच को लेकर चिंताएं बनी हुई है। खेल की परिस्थितियों में निर्धारित 200 मिनट के मैच के समय में अतिरिक्त 200 मिनट जोड़े गए हैं। अगर किसी स्थिति में मैच देरी से शुरू होता है तो अहमदाबाद में 27 मई को होने वाले क्वालीफ़ायर 2 समेत तीनों प्लेऑफ़ मुक़ाबले 9.40 पीएम से शुरू किए जा सकते हैं और अहमदाबाद में ही 29 मई को होने वाला फ़ाइनल 10.10 पीएम को बिना ओवर घटाए शुरू हो सकते हैं। जबकि प्रति पारी दो स्ट्रैटेजिक टाइम आउट बना रहेगा, अगर मैच देरी से शुरू होता है तो मध्य ब्रेक को आधा किया जा सकता है।

नियमावली के मुताबिक, यदि आवश्यक हो तो प्लेऑफ मैच में ओवरों की संख्या कम की जा सकती

है ताकि प्रत्येक पक्ष को पांच ओवर तक बल्लेबाज़ी करने का अवसर मिले। अगर पांच ओवर का मैच होता है तो टाइमआउट नहीं होगा। जबकि कट ऑफ़ स्टार्ट समय मध्य रात्रि 12 बजे से चार मिनट पहले होगा, जिसमें 10 मिनट का ब्रेक भी होगा। मैच समाप्ति का समय 12.50 एएम होगा। अगर फ़ाइनल पांच ओवर का होता है तो यह 12.26 एएम पर शुरू किया जा सकता है।

अगर एलिमिनेटर और दोनों क्वालीफ़ायर (कोई रिज़र्व डे नहीं) में मैदान की स्थिति की वजह से पांच ओवर का भी मैच नहीं हो पाता है तो, नतीज़ा सुपर ओवर से निकाला जाएगा। इन मैचों को ख़त्म कराने के लिए सुपर ओवर 12.50 एएम पर शुरू किया जा सकता है।

अगर प्लेऑफ़ मैचों या फ़ाइनल में सुपर ओवर भी नहीं हो पाता है तो 70 मैचों की लीग में सबसे ज़्यादा मैच जीतने वाली टीम को विजेता घोषित किया जाएगा।

आईपीएल फ़ाइनल आम समय शाम 7.30 बजे की जगह रात आठ बजे शुरू किया जाएगा। अगर 29 मई को किसी भी वजह से फ़ाइनल नहीं हो पाता है तो मई 30 फ़ाइनल के लिए रिज़र्व डे होगा। अगर पहली पारी हो जाती है और दूसरी पारी नहीं हो पाती है, तो डीएलएस प्रणाली मैच परिणाम पर लागू की जाएगी।

आईपीएल की ओर से यह भी बताया गया है कि अगर 29 मई को फ़ाइनल शुरू होता है (कम से कम एक गेंद होनी चाहिए), लेकिन इसी दिन ख़त्म नहीं होता है तो रिज़र्व डे के दिन वहीं से मैच शुरू होगा।

अगर फ़ाइनल में टॉस के बाद उसी दिन मैच नहीं हो पाता है तो रिज़र्व डे पर दोबारा से टॉस किया जाएगा। रिज़र्व डे में भी बारिश या अन्य स्थिति में अतिरिक्त दो घंटे समेत पांच घंटे और 20 मिनट का समय होगा।

बारिश से प्रभावित मैच में विजेता पाने के लिए सुपर ओवर भी कराया जा सकता है। आमतौर पर टी20 में अगर पांच ओवर का मैच नहीं हो पाता है तो मैच को रद्द कर दिया जाता है।

फ़ाइनल के लिए सुपर ओवर रात 1.20 एएम पर शुरू होना होगा। अगर रिज़र्व डे में अतिरिक्त समय तक भी मैच शुरू नहीं हो पाता है तो अगर परिस्थिति आज्ञा देती है तो सुपर ओवर से फ़ाइनल का विजेता निकाला जाएगा। इसका मतलब है कि पिच और मैदान सुपर ओवर के लिए रात 1.20 एएम तक तैयार हो जाना चाहिए।

फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगे गुजरात और राजस्थान

कोलकाता(आईपीएल 2022 का मंगलवार को क्वालीफ़ायर 1 खेला जाएगा जिसमें गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स की टीम फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए आमने-सामने होगी। ऐसे में दोनों टीमों का प्रयास यह रहेगा कि इस मैच को जीत कर फ़ाइनल का टिकट पक्का कर लिया जाए। आंकड़ों पर एक नजर

बोल्ट के वोल्ट से वेड परेशान : ट्रेंट बोल्ट ने मैथ्यू वेड को पांच पारियों में तीन बार आउट किया है। इस दौरान बोल्ट के ख़िलाफ़ वेड ने 23 गेंदों का सामना करते हुए 37 रन बनाए हैं।

फ़िरकी के लिए फ़िक्रमंद रहिए : युज़वेंद्र चहल ने छह पारियों में डेविड मिलर को तीन बार आउट किया है। वहीं अश्विन ने 14 पारियों में मिलर को तीन बार आउट किया।

शमी के समा का संकट : बटलर और रियान पराग को मोहम्मद शमी ने दो-दो बार आउट किया है जबकि हेत्माएर को उन्होंने चार पारियों में तीन बार आउट किया है।

करामात की कायनात : जॉस बटलर और शिमरॉन हेत्माएर को राशिद खान ने चार-चार बार आउट किया है जबकि अश्विन को राशिद ने तीन पारियों में दो बार आउट किया है।

इतिहास खुद को दोहराएगा : राजस्थान इस आईपीएल 2022 के लीग स्टेज में नंबर दो की टीम है। इससे पहले उन्होंने सिर्फ़ 2008 में अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहते हुए लीग स्टेज का समापन किया था। उस वर्ष राजस्थान की टीम आईपीएल की पहली ट्रॉफ़ी जीती थी। इसके बाद 2013, 2015 और 2018 में वह प्लेऑफ़ में पहुंचे थे लेकिन वह वे शीर्ष 2 में जगह नहीं बना पाए थे। अब एक बार फिर से उनकी टीम ने अंक तालिका में नंबर दो की टीम है तो क्या राजस्थान की टीम अपने 2008 वाले प्रदर्शन को दोहरा पाएगी ?

वॉशिंगटन सुंदर भारतीय क्रिकेट के भविष्य हैं : शास्त्री

मुंबई। रविवार को घोषित किए गए टी20 और टेस्ट दल में वॉशिंगटन सुंदर जगह बनाने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। इसके बावजूद पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री का मानना है कि वॉशिंगटन भविष्य में भारत के तीनों प्रारूपों के हरफ़नमौला खिलाड़ी बनेंगे। वॉशिंगटन का टेस्ट डेब्यू शास्त्री के कोचिंग कार्यकाल के दौरान ही हुआ था। साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने भारतीय टीम की जीत में एक अहम भूमिका निभाई थी।

शास्त्री ने क्रिकइंफ़ो के शो टी20 टाइम आउट में कहा, वह भविष्य में भारत के प्रमुख ऑलराउंडरों में से एक होने जा रहे हैं। वह भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं। आपके पास रवींद्र जडेजा आज हैं। तीन साल बाद अगर वह फ़िट रहे तो खेलेंगे, अक्षर पटेल भी हैं लेकिन यह खिलाड़ी आने वाले समय में तीनों प्रारूपों का प्रमुख ऑलराउंडर होगा। उन्होंने कहा, वॉशिंगटन एक गंभीर क्रिकेटर है। वह अभी भी बहुत कम उम्र के हैं, उसे अपने खेल को समझना होगा। सफ़ेद गेंद की प्रारूप में शॉट चयन में वह जल्द ही सुधार करेंगे। उन्हें अपनी फ़िटनेस पर काम करना होगा ताकि वह चोट से ग्रस्त न हो। कोई बहाना नहीं। वह एक्स, वाई, जेड पर निर्भर नहीं हो सकता। उसे खुद को आईने में देखना होगा और कहना होगा कि मैं कड़ी मेहनत करना चाहता हूं और मैं अगले तीन वर्षों में भारतीय क्रिकेट में अग्रणी ऑलराउंडर बनना चाहता हूं और वह आसानी ऐसा कर सकता है।

शास्त्री ने कहा कि 22 वर्षीय वॉशिंगटन टेस्ट टीम में आसानी से फ़िट हो सकते हैं, लेकिन उन्हें टी20 में अपनी बल्लेबाज़ी पर काम करने की ज़रूरत है। शास्त्री ने कहा, टी20 में शॉट्स के चयन में पर उन्हें काम करना होगा। टेस्ट क्रिकेट में वह भविष्य में नंबर 6 के स्थान पर कब्ज़ा कर सकते हैं। विदेशों में वह आपको एक विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर गेंदबाज़ी करते हुए टीम को संतुलन देते हैं। भारत में वह नंबर 6 पर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। टी20 क्रिकेट में वह गेंदबाज़ी कर सकते हैं। उसकी गेंदबाज़ी में कोई समस्या नहीं है। उन्हें सिर्फ़ यह समझना है कि किस खिलाड़ी को कौन से लेंथ पर गेंदबाज़ी करनी है।

वहीं इसी शो में डेनियल वेटोरी ने कहा, वॉशिंगटन को नंबर 6 बल्लेबाज़ बनने के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में और समय चाहिए। वेटोरी ने कहा, कभी-कभी उनके पास किसी ऐसी तकनीक होती है जो बड़ी गेंदों को हिट करने के लिए कभी पीछे नहीं हटते। मेरे हिसाब से रवि सही कह रहे हैं, उनके पास वह कौशल है। हालांकि वॉशिंगटन को नंबर 6 बल्लेबाज़ बनने के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में और समय चाहिए। वेटोरी ने आगे कहा, मेरे पास एक सवाल है कि आप जडेजा जैसे किसी खिलाड़ी को देखें जिसे प्रथम श्रेणी ने निपुण बनाया, उन्होंने वहां हज़ारों गेंदों का सामना किया है। क्या सुंदर को अपनी बल्लेबाज़ी को विकसित करने के लिए पर्याप्त प्रथम श्रेणी क्रिकेट मिलता है ? हमने पहले भी देखा है कि पुछल्ले क्रम के जो भी बल्लेबाज़ नंबर 6 पर बल्लेबाज़ी करने के योग्य बने है, उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में हज़ारों रन बनाए हैं। सफ़ेद गेंद के क्रिकेट में अगर उन्हें टीम में मौक़ा नहीं मिलता है तो इसका एक कारण उनकी बल्लेबाज़ी हो सकती है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने बताया कैसे काम करेगा इंडो-पैसेफिक इकनॉमिक फ्रेमवर्क

चीन के काउंटर को बनाई गई रणनीति

अमेरिका, जापान समेत इन देशों के नेताओं ने लिया हिस्सा

इस आयोजन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और जापानी पीएम किशिडा ने हिस्सा लिया। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, इंडोनेशिया, मलयेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देशों के नेता वर्चुअली शामिल हुए। बता दें कि इस संगठन में अमेरिका की ओर से भारत को भी शामिल होने का न्यौता दिया गया था। इस पर भारत ने फिलहाल को औपचारिक ऐलान नहीं किया है। माना जा रहा है कि इंडो पैसिफिक क्षेत्र में चीन के इकनॉमिक वारफेयर को काउंटर करने के लिए अमेरिका ने इस संगठन को गठन किया है।

एजेंसी

टोक्यो। अमेरिका की पहल पर इंडो-पैसेफिक इकनॉमिक फ्रेमवर्क की शुरुआत क्वाड समिट से पहले जापान में हुई है।

इसके उद्घाटन के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत ने अमेरिका और अन्य देशों के साथ काम करने का संकल्प लिया है। पीएम मोदी ने कहा कि इंडो-पैसेफिक इकनॉमिक फ्रेमवर्क इस क्षेत्र को ग्लोबल ग्रोथ का इंजन बनाने की हमारी सामूहिक इच्छाशक्ति की घोषणा करता है। इस पहले के लिए मैं राष्ट्रपति जो बाइडेन को बहुत धन्यवाद देता हूं। इंडो पैसेफिक रीजन हमेशा से आर्थिक विकास का केंद्र रहा है।

इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत ने हमेशा दुनिया के आर्थिक विकास में योगदान दिया था और इंडो पैसेफिर क्षेत्र के कारोबार में भारत की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी पता है कि भारत में मेरे गृह राज्य गुजरात में दुनिया का पहला कमर्शियल पोर्ट लोथल में था।

इसलिए यह आवश्यक है कि हम क्षेत्र की आर्थिक चुनौतियों के लिए साझा समाधान खोजें। टोक्यो में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत एक समावेशी फ्रेमवर्क के निर्माण के लिए आपके साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि निरंतन सप्लाई चेन के लिए ट्रस्ट, ट्रांसपेरेंसी और टाइमलीनेस जैसे तीन मुख्य आधार होने चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि यह फ्रेमवर्क इन तीनों स्तंभों को मजबूत करने का काम करेगा।

श्रीलंका : हिसंक भीड़ ने ईंधन स्टेशन मालिक के घर में लगायी आग

कोलंबो। श्रीलंका के रणजयपुरा में स्टेशन पर ईंधन खत्म हो जाने पर भड़की भीड़ ने एक आईओसी ईंधन स्टेशन के मालिक के घर को आग के हवाले कर दिया। एक समाचार पत्र ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संदिग्धों ने वारदात को अंजाम उस वक्त दिया जब पेट्रोल लेने के लिए भारी संख्या में भीड़ एकत्र हुई थी और इसी दौरान पेट्रोल खत्म होने के बाद भीड़ उग्र हो गयी। उनमें से कुछ लोगों ने पेट्रोल मालिक के घर को आग के हवाले कर दिया। डेली मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, हिंसक भीड़ ने बिजली कटौती के दौरान श्रीलंका के तिलकापुर इलाके में स्थित उनके दो मंजिला आवास पर पेट्रोल बम फेंककर आग के हवाले कर दिया जिससे उनका दो मंजिला आवासीय क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने बताया कि वारदात के दौरान पेट्रोल मालिक की पत्नी और दो बच्चे घर पर मौजूद थे।

यूक्रेन में पहले युद्ध अपराधी रूसी सैनिक को उम्रकैद की सजा, की थी बुजुर्ग की हत्या

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को 90 दिन हो गए हैं। यूक्रेन ने पहला युद्ध अपराध का मुकदमा 21 साल के एक सैनिक पर चलाया। अब कीव के एक कोर्ट ने वादिम शिशिमरीन नाम के इस रूसी सैनिक को युद्ध अपराधी करार देते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई है। शिशिमारिन ने 62 साल के एक निहत्थे शख्स पर गोली चलाई थी। वह 28 फरवरी को यूक्रेन के एक गांव में चोरी की कार से घूम रहा था। उसने एक बूढ़े यूक्रेनी नागरिक को देखा और खिड़की से बंदूक निकालकर गोली मार दी। बता दें कि 24 फरवरी को रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था। यानी युद्ध शुरू होने के चार दिन बाद ही यह घटना घटी थी।

कीव में सजा पर फैसला सुनाए जाने के दौरान भी शिशिमारीन मौजूद था। उसे कांच के चेंबर में बैठाया गया था। उसे एक ट्रांसलेटर भी दिया गया था।

पोलैंड के राष्ट्रपति के यूक्रेन की यात्रा पर पहुंचने के बीच रूस ने रविवार को पूर्वी यूक्रेन के डोनबास में हमले तेज कर दिए। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि इस युद्ध का परिणाम यह तय करेगा कि उनके देश का भविष्य पश्चिम के साथ जुड़ा है या यह मॉस्को के कब्जे में होगा। जेलेंस्की ने शनिवार रात को जारी वीडियो संदेश में डोनबास के हालात को बेहद मुश्किल करार दिया। हालांकि, जेलेंस्की ने इस तथ्य की ओर इशारा किया कि युद्ध के 87वें दिन भी यूक्रेनी बल मजबूती से रूसी सैनिकों का मुकाबला कर रहे हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, हम उस दिन के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, जो विजय दिवस होगा। यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से पोलैंड में लाखों यूक्रेनी शरणार्थी गए हैं। पोलैंड यूरोपीय संघ में शामिल होने की यूक्रेन की इच्छा का बड़ा समर्थक है। रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों को बाधित कर दिया है, ऐसे में युद्धग्रस्त देश में पश्चिमी देशों की ओर से मानवीय मदद एवं हथियार पोलैंड के जरिये भेजे जा रहे है।

भारत समावेशी आईपीईएफ के लिए भागीदारों में हुआ शामिल

टोक्यो/नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को समृद्धि के लिए इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) में भाग लिया और कहा कि भारत एक समावेशी एवं लचीला इंडो-पैसिफिक आर्थिक ढांचा बनाने के लिए अमेरिका तथा अन्य भागीदारों के साथ काम करेगा। अमेरिका के नेतृत्व वाले समझौते का उद्देश्य भाग लेने वाले देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देना है और इसे इस क्षेत्र में चीन के आक्रामक विस्तार का मुकाबला करने के लिए एक कदम के रूप में देखा जा रहा है। इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और जापान के प्रधान मंत्री किशिदा फुमियो की उपस्थिति के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम समेत अन्य भागीदार देशों के नेताओं ने वर्चुअली हिस्सा लिया। भारतीय प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा,आईपीईएफ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लचीलापन, स्थिरता, समावेशिता, आर्थिक विकास, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के उद्देश्य से भाग लेने वाले देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है। मोदी ने लॉन्च समारोह में अपनी टिप्पणी में कहा कि आईपीईएफ की घोषणा हिंद-प्रशांत क्षेत्र को वैश्विक आर्थिक विकास का इंजन बनाने की सामूहिक इच्छा की घोषणा है। उन्होंने कहा, भारत ऐतिहासिक रूप से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में व्यापार प्रवाह के केंद्र में रहा है। गुजरात के लोथल में दुनिया का सबसे पुराना वाणिज्यिक बंदरगाह था। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए साझा और रचनात्मक समाधान खोजने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक आईपीईएफ के लिए सभी हिंद-प्रशांत देशों के साथ काम करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की है जो समावेशी और लचीला दोनों है।

मंकीपॉक्स दुनिया के लिए विकट चुनौती

जेनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने सोमवार को कोविड-19 महामारी और यूक्रेन पर आक्रमण के बाद अब मंकीपॉक्स बीमारी को दुनिया भर के लोगों के लिए एक कठिन चुनौती बताया। द इंडिपेंडेंट समाचार पत्र ने जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र की विश्व स्वास्थ्य सभा में श्री घेब्रेयसस के हवाले से बताया कि कोविड महामारी दुनिया की एकमात्र समस्या नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीति से उपजी बीमारी भी मानव जाति के लिए एक बड़ा संकट है, जिनसे वह अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसे अकाल, सूखा और तमाम बीमारियों को सामना करते हैं। रविवार को डब्ल्यूएचओ ने कहा, 21 मई तक सामने आए 92 प्रयोगशाला पुष्ट मामले और मंकीपॉक्स के 28 संदिग्ध मामलों की जांच चल रही है। डब्ल्यूएचओ को 12 सदस्य देशों की रिपोर्ट मिली है और इसे महामारी नहीं बताया गया है। अभी तक मंकीपॉक्स के संक्रमण से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। स्पूतनिक के अनुसार, मंकीपॉक्स एक दुर्लभ विषाणुजनित बीमारी है, जो आमतौर पर जंगली जानवरों से लोगों में फैलती है, लेकिन यह एक दूसरे से शारीरिक संबंध बनाने, सांस के बूंदू से संक्रमित हो सकता है। इस बीमारी से मृत्यु दर एक प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक के बीच होती है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने यूक्रेनी बच्चों के नाम लिखी पाती

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन के खिलाफ रूसी हमले का साहस के साथ सामना करने वाले बच्चों के नाम पत्र लिख उनके जज़्बे और वीरता को सलाम करते हुए कहा कि यूक्रेन के वीर और आत्मसम्मानी बच्चे पूरी दुनिया के बच्चों के लिए एक आदर्श हैं। बच्चों की वीरता की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा यहां ब्रिटेन में हम आपको और आपके साहस को कभी नहीं भूल पायेंगे। उन्होंने पत्र में उम्मीद जतायी किसी अन्य वर्ष में आप भी अपने जीवन के सामान्य दिनों की तरह अपने दोस्तों के साथ खेलने, फुटबॉल के पीछे दौड़ने और अपने जीवन के कुछ बेपरवाह लम्हे बिताने के लिए घर से बाहर निकलेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

प्राथमिकता के आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलानें दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं-शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना- ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय-समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो-चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

पैसे के बारे में बात नहीं करना

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि, 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग-अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

इन मेकअप प्रोडक्ट्स से रहें दूर

अच्छा दिखने के लिए मेकअप कर के घर से बाहर निकलना अब जरूरत सा बन गया है, लेकिन मेकअप के सभी उत्पाद आपके लिए अच्छे हो ये कतई जरूरी नहीं है। कुछ ऐसे उत्पाद भी है जो आपको कुछ समय तक सुंदर तो दिखा देते है लेकिन आपकी त्वचा और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते है। आइए, जानते हैं ऐसी ही 5 मेकअप सामग्री के बारे में जिनका इस्तेमाल आपको कम से कम ही करना चाहिए

टेलकम पाउडर

टेलकम पाउडर सामान्य तौर पर आपमें से कई लोगों के जीवन का एक अहम हिस्सा होगा। भले ही आप इसे सुरक्षित मानते हों, लेकिन इसमें मौजूद सिलेकेट्स नामक तत्व आपको एलर्जी, फेफड़ों में इंफेक्शन या फिर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार बना सकता है।

ब्लीच क्रीम

अधिकांश ब्लीच क्रीम में पाया जाने वाला हाइड्रोक्विनोन त्वचा के निकलने, लालिमा या लाल रेशेस अथवा त्वचा के रूखेपन के लिए जिम्मेदार होता है। इसकी जगह त्वचा प्रभावशाली घरेलू उत्पादों का प्रयोग करना बेहतर होगा।

लिप ग्लॉस

होंठों पर चमकदार नमी लाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला लिपग्लॉस कुछ ऐसे केमिकल्स से युक्त होता है, जो आपके होंठों की त्वचा को अंदर से रूखा कर सकते हैं साथ ही रोमछिद्रों को ब्लॉक कर सकते हैं।

हेयर कलर

इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स आपके सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा त्वचा का लाल होना और खुजली जैसी समस्याएं भी हो सकती है जो अन्य गंभीर समस्याओं को जन्म देती हैं।

नेल पॉलिश

भले ही अपको रंगीन, चमकीले नेल पॉलिश का शौक हो, लेकिन इनमें मौजूद एसीटोन आपके नाखूनों को दाग या धब्बों से युक्त बनाने के साथ ही कमजोर बनाने में सहायक होता है। इसके लिए हमेशा नेल पॉलिश का इस्तेमाल करने से बचें।

क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रैंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी हैं कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रैंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग-अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो-हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती है। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती है। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती है। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए रंग चुनें। इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी ड्रेस से मैचिंग रंग चुन सकती है।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हैवी व बोल्ड मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें

अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती है। मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही है मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशेज लगाने की गलती ना करें।